राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 कांग्रेस जीती तो कौन बनेगा हरियाणा का मुयमंत्री, कुमारी शैलजा.....

किंगमेकर बनने के मूड में पीडीपी, कांग्रेस-एनसी संग जाने को 12

वर्ष : 15 | अंक : 176 | नई दिल्ली, मंगलवार, 08 अक्टूबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री ने सीसीएल की दो परियोजनाओं का शिलान्यास किया

नई दिल्ली, एजेंसी

कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे ने कल सीसीएल के बोकारो एवं करगली क्षेत्र में कारो कोल हैंडलिंग प्लांट एवं कोनार कोल हैंडलिंग प्लांट परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इन दोनों संयंत्रों की क्षमता क्रमशः 7 मिलियन टन प्रतिवर्ष एवं 5 मिलियन टन प्रतिवर्ष है। इस अवसर पर गिरिडीह के सांसद श्री चंद्र प्रकाश चौधरी, बेरमो के विधायक श्री कुमार जयमंगल (अनूप सिंह), कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन श्री पीएम प्रसाद, सीसीएल के सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह, सीसीएल के वरिष्ठ अधिकारी, श्रमिक संघ के प्रतिनिधि एवं अन्य हितधारक उपस्थित थे। श्री दुबे ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कोनार प्लांट के शिलान्यास समारोह के अवसर पर पौधारोपण भी किया। कारो और कोनार कोल हैंडलिंग प्लांट परियोजनाओं में फर्स्ट माइल रेल कनेक्टिविटी सुविधा, कोयला खदानों से उत्पादित कोयले को नजदीकी रेलवे सर्किट तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। रेलवे सर्किट से कोयला देशभर के थर्मल पावर प्लांट और अन्य उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाएगा। फिलहाल इन खदानों से कोयला, सड़क मार्ग से रेलवे साइडिंग तक लाया जाता है। कोनार कोल हैंडलिंग प्लांटः इस प्लांट में हॉपर, क्रशर,

10000 टन क्षमता का कोल स्टोरेज बंकर और 1.6 किलोमीटर लंबी कन्वेयर बेल्ट शामिल है। इस बेल्ट से 1000 टन स्टोरेज क्षमता के साइलो बंकर के जरिए कोयले को रेलवे वैगनों तक पहुंचाया जाएगा। 5 मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता की इस परियोजना की लागत 322 करोड़ रुपए है। इस परियोजना के शुरू होने से वर्तमान में रेक लोडिंग का समय 5 घंटे से घटकर 1 घंटा रह जाएगा, जिससे कोयला डिस्पैच में तेजी आएगी और रेक की उपलब्धता बढ़ेगी। कारो कोल हैंडलिंग प्लांटः इस प्लांट में हॉपर, क्रशर, 15000 टन क्षमता का कोयला भंडारण बंकर और एक किलोमीटर लंबी कन्वेयर बेल्ट शामिल है। इस बेल्ट की मदद से 4000 टन भंडारण क्षमता के साइलो बंकर से कोयले को रेलवे वैगनों में भरा जाएगा। 7 मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता वाली इस परियोजना की लागत 410 करोड़ रुपए है। इस परियोजना के शुरू होने से वर्तमान रेक लोडिंग का समय 5 घंटे से घटकर 1 घंटा रह जाएगा जिससे कोयले के डिस्पैच में तेजी आएगी। मशीनीकृत प्रणालियां लागू होने सड़क मार्ग से कोयला ढोने की आवश्यकता के खत्म होगी और कोयले के डिस्पैच में गति और दक्षता आएगी तथा इस प्रकार डीजल की खपत को कम होगी। इस व्यवस्था से क्षेत्र में धूल और वाहन जनित प्रदूषण को कम करने में भी मदद मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

प बंगाल : खदान में विस्फोट से पांच मजदूरों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के खयाराशोल ब्लॉक के अंतर्गत लोकपुर थाना क्षेत्र के भादुलिया गांव में सोमवार को एक कोयला खदान में भीषण हादसा हो गया। गंगारामचक माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड कोयला खदान में हुए विस्फोट से पांच मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसे को देखते हुए मरने वाले मजदूरों की संख्या बढ़ सकती है। हादसे के बाद खदान में मौजूद अधिकारी और ऊपरी प्रबंधन के कर्मचारी मौके से फरार हो गए हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, विस्फोट के कारण मृतक मजदूरों के शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए हैं। इस घटना में घायल मजदूरों को अस्पताल पहुंचाया गया है और बाकी बचे लोगों को बचाने के प्रयास जारी हैं। घटना सोमवार सुबह की है जब मजदूर कोयला निकालने के काम में लगे हुए थे। शुरूआती जांच में यह अंदेशा जताया जा रहा है कि कोयला निकालने के दौरान विस्फोटक का असावधानी से इस्तेमाल इस दुर्घटना का कारण बना। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है और घायलों को बीरभूम के सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है, वहीं बाकी मजदूरों को सुरक्षित निकालने के लिए राहत कार्य तेज कर दिया गया है।

नक्सल प्रभावित राज्यों को छत्तीसगढ़ के सफल ऑपरेशन की रणनीति अपनानी चाहिए : शाह

- 801 नक्सली गिरफ्तार हुए एवं 742 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया
- मुठभेड़ में 18 पुरुष और 13 महिला नक्सली मारे गए

रायपुर/नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को देश के नक्सल प्रभावित राज्यों को छत्तीसगढ़ में हाल में हुए सफल ऑपरेशन की रणनीति अपनाने की अपील की। श्री शाह ने देश के नक्सल प्रभावित राज्यों में जारी नक्सलवाद के खिलाफ चल रहे अभियानों पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक अहम बैठक में यह बात कही।उन्होंने राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह किया कि वे भी छत्तीसगढ़ की खुफिया तकनीकी और आपसी समन्वय के आधार पर अपने अपने राज्यों में ऑपरेशन को अंजाम दे सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ सहित अन्य नक्सल प्रभावित राज्यों को हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य में विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए पूरा समर्थन देगी।

इस बैठक की अध्यक्षता श्री शाह ने की, जिसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और अन्य नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा लिया। इस महत्वपूर्ण बैठक का केंद्र बिंदु छत्तीसगढ़ का हाल ही में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ नक्सल विरोधी ऑपरेशन था, जिसमें राज्य की पुलिस ने 31 नक्सलियों को ढेर किया। इस ऑपरेशन में छत्तीसगढ़ पुलिस की कुशल रणनीति और राज्य सरकार की योजनाओं की सफलता पर विशेष चर्चा की गई। श्री अमित शाह ने इस ऑपरेशन में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय और उनकी टीम के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष जनवरी से लेकर अब तक छत्तीसगढ़ के सुरक्षा बलों ने लगभग 194 नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराए हैं। वहीं 801 नक्सली गिरफ्तार हुए एवं 742 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया है। उन्होंने कहा आज भी जो युवा नक्सलवाद में लिप्त है उनसे आग्रह है कि हथियार छोड़ कर मुख्य धारा से जुड़े। सभी राज्यों ने आपके पुनर्वास के लिए बेहतर योजनाएं बनाई हैं उसका फायदा लीजिए। श्री शाह ने छत्तीसगढ़ में हुए सफल ऑपरेशन की तारीफ करते हुए अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह किया कि वे भी छत्तीसगढ़ की खुफिया तकनीकी और आपसी समन्वय के आधार पर अपने अपने राज्यों में ऑपरेशन को अंजाम दे सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ सहित अन्य नक्सल प्रभावित राज्यों को हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य में विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए पूरा समर्थन देगी। श्री साय ने बैठक में नक्सल ऑपरेशन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे राज्य पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने महीनों की मेहनत और प्लानिंग के बाद इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। ऑपरेशन में करीब 1000 जवान शामिल थे, जिन्होंने 15 किलोमीटर के दायरे में स्थित गवाड़ी पहाड़ को घेरकर 31 नक्सलियों को ढेर किया। इस ऑपरेशन में कई बड़े नक्सली नेता मारे गए, जिनमें 16 पर कुल 1 करोड़ 30 लाख का इनाम घोषित था। मुठभेड़ में 18 पुरुष और 13 महिला नक्सली मारे गए। श्री साय ने अपने प्रेजेंटेशन में बताया कि कैसे राज्य की पुलिस फोर्स ने सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। मुख्यमंत्री ने बैठक में केवल ऑपरेशन की सफलता पर ही नहीं, बल्कि राज्य में चल रहे विकास कार्यों पर भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा,ह्लनक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों की गति बढ़ाई गई है। हम निरंतर गाँवों तक बुनियादी सुविधाएँ पहुंचा रहे हैं, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, और महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लगातार मिल रहे मार्गदर्शन में हमने माओवादियों के कोर को तोड़ा। ऐसे एरिया में हमने 32 नये कैम्प स्थापित किये हैं, जिसे वो अपनी राजधानी तक कहते थे। उनकी बटालियन के कमांडर हिड़मा के गाँव में भी हमने कैंप स्थापित किया और उसकी माँ को भी स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई। श्री साय ने छत्तीसगढ़ सरकार की आगे की योजनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार का मुख्य लक्ष्य नक्सलियों के बचे हुए गढ़ों को समाप्त करना और इन इलाकों में स्थाई शांति और विकास सुनिश्चित करना है। निकट भविष्य में, दक्षिण बस्तर में 29 नए सुरक्षा कैंपों की स्थापना की जाएगी, ताकि नक्सलियों के प्रभाव को खत्म किया जा सके। बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय तथा छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

भारत की पड़ोसी प्रथम नीति में मालदीव का अहम स्थान : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत की पड़ोसी प्रथम पॉलिसी और सागर विजन में मालदीव का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने आपसी सहयोग को रणनीतिक दिशा देने के लिए एक व्यापक, आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी विजन अपनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को हैदराबाद हाउस में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के साथ संयुक्त रूप से मीडिया को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, दोनों पड़ोसी देशों ने मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा करने का फैसला किया है और साथ ही स्थानीय मुद्रा में व्यापार निपटाने पर भी काम किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के बीच सदियों पुराने संबंधों का हवाला देते हुए कहा कि भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी और सबसे करीबी मित्र है। पीएम मोदी ने कहा, भारत ने हमेशा मालदीव के लिए फर्स्ट रिस्पॉन्डर की भूमिका निभाई है। चाहे मालदीव के लोगों के तक जरूरी वस्तुओं को पहुंचाना हो, प्राकृतिक आपदा के दौरान पीने का पानी उपलब्ध कराना हो या कोविड के दौरान टीके उपलब्ध कराना हो, भारत ने हमेशा एक पड़ोसी के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाई है। दोनों नेताओं ने डेवलपमेंट पार्टनरशिप, ऊर्जा, व्यापार, वित्तीय जुड़ाव और रक्षा सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में रिश्तों को और गहरा करने के लिए व्यापक चर्चा की और कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। पीएम मोदी ने कहा, आज हमने रीडेवलप्ड हनीमाधू एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। अब ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट में भी तेजी लाई जाएगी। थिलाफुशी में एक नए कमर्शियल बंदरगाह के विकास के लिए भी मदद दी जाएगी। आज भारतीय सहायता से निर्मित 700 से अधिक सोशल हाउसिंग यूनिट्स भी सौंपी गई। भारत और मालदीव को यूपीआई से जोड़ने के लिए भी काम किया जाएगा। दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी के लिए भारत-मालदीव दृष्टिकोण को अपनाने की घोषणा की। मालदीव के तटरक्षक जहाज हुरवी की मरम्मत का काम भी भारत सरकार द्वारा निःशुल्क किया जाएगा। मालदीव में रुपे कार्ड के लॉन्च के अलावा, दोनों नेताओं ने हनीमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एचआईए) के नए रनवे का भी उद्घाटन किया।

जनगणना में देरी क्यों कर रहे हैं प्रधानमंत्रीः कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से जनगणना में विलंब को लेकर सोमवार को सवाल किया और कहा कि जाति आधारित जनगणना के माध्यम से ही शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में पूरी तरह से सार्थक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर लिखा, ह्यराजनीतिक परिवर्तन और आर्थिक उथल-पुथल के बीच श्रीलंका ने अभी घोषणा की है कि ताजा जनसंख्या एवं आवास जनगणना आज से शुरू होगी। वहां पिछली बार 2012 में जनगणना हुई थी।ह्ल उन्होंने कहा, ह्यभारत में इसे लेकर क्या हो रहा है? दशकीय जनगणना 2021 में होनी थी लेकिन अब भी इसके होने के कोई संकेत नहीं हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, हम अब भी 2011 की जनगणना से प्राप्त आंकड़ों का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस वजह से 10 करोड़ से अधिक भारतीयों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 यानी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मिलने वाले लाभ से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि जनगणना में जाति के प्रश्नों को जोड़ने को लेकर सरकार का क्या विचार है, जैसा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और अन्य सभी राजनीतिक दलों द्वारा मांग की जा रही है। रमेश ने कहा, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की विस्तृत गणना 1951 से हर 10 साल में होती रही है।

संवैधानिक पद पर पीएम मोदी के 23 साल हुए पूरे, अमित शाह ने दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संवैधानिक पद (पहले मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री) पर बैठे हुए सोमवार को 23 साल पूरे हो रहे हैं। इस अवसर पर पिछले कई दशकों से गुजरात से लेकर दिल्ली तक की राजनीति में हमेशा उनके साथ रहने वाले वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उनके 23 वर्षों के कार्यकाल को याद करते हुए पीएम मोदी को बधाई दी है। अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टैग करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के रूप में 23 वर्ष पूरे हुए हैं। एक व्यक्ति अपना पूरा जीवन राष्ट्रहित और जनसेवा को कैसे समर्पित कर सकता है, यह 23 वर्ष की साधना उस अद्वितीय समर्पण की प्रतीक है। यह 23 वर्षीय यात्रा, सामाजिक जीवन जीने वालों के लिए जीवंत प्रेरणा है। मेरे लिए यह सौभाग्य की बात है कि मैं उनकी इस यात्रा का साक्षी रहा हूं। शाह ने आगे कहा, पीएम मोदी ने यह दिखाया कि कैसे गरीब कल्याण, विकास, देश की सुरक्षा व वैश्विक पहचान को मजबूती देने के कार्य समानांतर किए जा सकते हैं। उन्होंने समस्याओं को टुकड़ों में देखने की जगह, समग्र समाधान का विजन देश के सामने रखा। पीएम मोदी को बधाई देते हुए अमित शाह ने आगे कहा, बिना रुके, बिना थके, बिना अपनी परवाह किये देश और देशवासियों के लिए समर्पित ऐसे राष्ट्र साधक मोदी जी को सेवा और समर्पण के 23 वर्ष पूर्ण करने पर बधाई देता हूं। आपको याद दिला दें कि, नरेंद्र मोदी 7 अक्टूबर 2001 को पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे। वर्ष 2014 में देश के प्रधानमंत्री बनने तक, वह लगातार चुनाव जीत कर गुजरात के मुख्यमंत्री बनते रहे। वर्ष 2014 में लोकसभा का चुनाव जीतने के बाद उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री का पद छोड़कर देश के प्रधानमंत्री की बागडोर संभाली। इसी वर्ष झ 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में तीसरी बार चुनाव जीतकर नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने हैं। भाजपा के कार्यकर्ताओं से लेकर तमाम दिग्गज नेता और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे प्रतिष्ठित व्यक्ति भी इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्हें बधाई दे रहे हैं।

'आप' सांसद संजीव अरोड़ा के ठिकानों पर ईडी रेड, भड़के सिसोदिया

गुरुग्राम, एजेंसी

सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) नेता और राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा के विभिन्न ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रेड डाली। इस कार्रवाई पर आप नेताओं ने नाराजगी जताई है। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा है कि ये फर्जी मामला है। सांसद संजीव अरोड़ा पर फर्जी तरीके से जमीन खरीदने का आरोप है। ईडी का कहना है कि यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की गई है। गुरुग्राम में अरोड़ा की कंपनी है यहां पर छापा पड़ा इसके अलावा आप सांसद के लुधियाना स्थित आवास पर भी ईडी पहुंची। लुधियाना स्थित उनके आवास पर मौजूद अन्य लोगों से भी पूछताछ जारी है। आम आदमी पार्टी के नेता व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने इस कार्रवाई को लेकर ईडी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ईडी लगातार हमारे सभी नेताओं के घरों पर छापेमारी कर रही है, लेकिन अभी तक इन्हें कुछ नहीं मिला है। यह लोग सिर्फ फर्जी केस बनाने में लगे हुए हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, आज सुबह से आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद संजीव अरोड़ा जी के घर एऊवाले रेड कर रहे है। पिछले दो सालों में इन्होंने अरविंद केजरीवाल के घर रेड कर लिया, मेरे घर रेड कर दिया, संजय सिंह के घर रेड दिया, सत्येंद्र जैन के घर रेड कर दियाह्ल कहीं भी कुछ भी नहीं मिला। लेकिन पूरी शिद्दत से मोदीजी की एजेंसियां लगी हुई है एक के बाद एक फर्जी केस बनाने में। आप सांसद संजय सिंह ने भी ईडी की कार्रवाई पर रोष जाहिर किया है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, ह्लएक और सुबह, एक और रेड। आप सांसद संजीव अरोड़ा के घर ईडी वाले पहुंचे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार इनको लताड़ा की झूठे केस बनवाना बंद करो, लेकिन फिर भी ईडी को समझ नहीं आ रहा। फर्जी केस और रेड वाले हथकंडों से आप एक कट्टर ईमानदार पार्टी को तोड़ नहीं सकते मोदी जी। बता दें कि संजीव अरोड़ा एक राजनेता होने के साथ-साथ एक रियल स्टेट कारोबारी भी हैं। उनका होजरी बिजनेस भी है। आम आदमी पार्टी ने उन्हें 2022 में राज्यसभा के लिए मनोनीत किया था। उन्होंने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर लिखा, मैं कानून का पालन करने वाला नागरिक हूं। तलाशी अभियान के कारणों के बारे में मैं निश्चित नहीं हूं, लेकिन मैं एजेंसियों का पूर्ण सहयोग करूंगा और यह सुनिश्चित करूंगा कि उनके सभी सवालों का जवाब दिया जाए।

योजना केंद्र सरकार ने विश्व की सबसे बड़ी सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित स्वास्थ्य आश्वासन योजना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री, जन आरोग्य योजना.....

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने डब्ल्यूएचओ दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र की क्षेत्रीय समिति के 77वें सत्र को संबोधित किया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की स्वास्थ्य प्रणाली सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) प्राप्त करने के लिए ₹संपूर्ण सरकार₹ और ₹संपूर्ण समाज₹ के दृष्टिकोण को अपनाती है, जिसमें प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल और आवश्यक सेवाओं को मजबूत करने पर जोर दिया जाता है।₹ यह बात केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज विश्व स्वास्थ्य संगठन दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र (एसईएआरओ) के 77 वें सत्र के उद्घाटन भाषण के दौरान कही। क्षेत्रीय समिति की बैठक के उद्घाटन सत्र में पदाधिकारियों का चुनाव, ₹प्रस्तावों और निर्णयों के लिए मसौदा समूह₹ की स्थापना, सत्र के संचालन को विनियमित करने के लिए ₹विशेष प्रक्रियाओं₹ को अपनाना और प्रोविजनल एजेंडा को अपनाना शामिल था। इस कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोगों में डॉ रजिया पेंडसे, शेफ डी कैबिनेट, डब्ल्यूएचओ मुख्यालय; श्री ल्योनपो टंडिन वांगचुक, स्वास्थ्य मंत्री, भूटान; श्री अब्दुल्ला नाज़िम इब्राहिम, स्वास्थ्य मंत्री, मालदीव; श्री प्रदीप पौडेल, स्वास्थ्य और जनसंख्या मंत्री, नेपाल; डॉ एलिया एंटोनियो डी अरुजो डॉस रीस अमरल, स्वास्थ्य मंत्री, तिमोर लेस्ते; श्री एमए अकमल हुसैन आजाद, वरिष्ठ सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, बांग्लादेश; श्री कुंटा विबावा दासा नुग्रहा, महासचिव, स्वास्थ्य मंत्रालय, इंडोनेशिया श्री चोई हुई चोल, भारत में कोरिया लोकतांत्रिक जनवादी गणराज्य के राजदूत और डॉ. वीरवुत इमसमरान, थाईलैंड के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय के उप स्थायी सचिव शामिल थे। श्री नड्डा ने कहा, ह्लसभी को स्वास्थ्य कवर प्रदान करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप, केंद्र सरकार ने विश्व की सबसे बड़ी सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित स्वास्थ्य आश्वासन योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री - जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) शुरू की है। इस पहल में 120 मिलियन से अधिक परिवार शामिल हैं, जो अस्पताल में भर्ती होने पर प्रति परिवार 6,000 अमेरिकी डॉलर का वार्षिक लाभ प्रदान करते हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकार ने हाल ही में इस योजना का विस्तार 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों के लिए किया है। उन्होंने कहा, ह्लइस विस्तार से 60 मिलियन बुजुर्ग आबादी सहित लगभग 45 मिलियन परिवारों को मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कवरेज का लाभ होगा। यह भारत की बढ़ती बुजुर्ग जनसांख्यिकी के लिए सार्वभौमिक और समावेशी स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, ₹गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) से उत्पन्न होने वाली बढ़ती सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों को पहचानते हुए भारत उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय संबंधी बीमारियों जैसी स्थितियों से निपटने के लिए 2010 से एनसीडी की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम लागू कर रहा है। इस पहल के कारण प्रारंभिक चरण में निवारक उपायों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 753 एनसीडी क्लीनिक, 356 डे केयर सेंटर और 6,238 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए गए हैं। श्री नड्डा ने कहा कि डिजिटल स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक प्रकाश स्तंभ देश के रूप में भारत, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, ई-संजीवनी, एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच (आईएचआईपी), सक्षम आदि जैसे अपने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई) को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करके साझा करने के लिए तैयार है। एक डब्ल्यूएचओ-प्रबंधित नेटवर्क को भारत की जी20 प्रेसीडेंसी के दौरान लॉन्च किया गया था। यह डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल के माध्यम से तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। उन्होंने यह भी कहा कि ₹कोविड-19 महामारी के दौरान कोविन डिजिटल प्लेटफॉर्म की उल्लेखनीय सफलता के बाद, भारत ने सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन डिजिटल प्लेटफॉर्म-यूविन की अवधारणा बनाई है। पोर्टल सभी टीकाकरण कार्यक्रमों को पंजीकृत, ट्रैक और मॉनिटर करेगा। श्री नड्डा ने इस बात पर जोर दिया कि दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में पारंपरिक और पूरक चिकित्सा की महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हुए भारत ने वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र बनाने में डब्ल्यूएचओ का समर्थन किया है, जिसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर इन प्रणालियों को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि ₹इस प्रणाली को पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के साथ एकीकृत करने में भारत के अनुभव ने समग्र स्वास्थ्य सेवा के प्रावधान को बढ़ावा दिया है, जिससे समग्र कल्याण को बढ़ावा मिला है और स्वास्थ्य सेवाओं की सीमा का विस्तार हुआ है₹। उन्होंने कहा, ₹हमारे आयुष्मान आरोग्य मंदिर जो सामुदायिक स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र हैं, पारंपरिक और पारंपरिक दोनों चिकित्सा प्रणालियों के माध्यम से व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में महत्वपूर्ण हैं, जो हमारे नागरिकों की शारीरिक और मानसिक भलाई सुनिश्चित करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में शादी कर हल्द्वानी आए प्रेमी युगल को पुलिस ने पकड़ा

हल्द्वानी, एजेंसी। दिल्ली से प्रेम विवाह कर आए प्रेमी जोड़े को हल्द्वानी पहुंचते ही पुलिस ने पकड़ लिया। युवती के परिजनों ने मुरादाबाद में पुलिस से शिकायत दर्ज कराई थी। मुरादाबाद पुलिस की सूचना पर ही हल्द्वानी पुलिस ने प्रेमी युगल को भोटिया पड़ाव के पास पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार युवक दिल्ली में ऑटो रिक्शा चलाता है। वहीं युवती के पिता दिल्ली के एक अस्पताल में साफ-सफाई का काम करते हैं। 12 अगस्त को दोनों ने शादी कर ली। इसके बाद से एक से दूसरे शहर भाग रहे थे। इधर बेटी के लापता होते ही परिजनों ने यूपी पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई थी। दो दिन पहले ही वे दोनों कोतवाली क्षेत्र निवासी अपने एक परिचित के घर आए थे। पता लगाते हुए उन्हें पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार लड़का मुरादाबाद और लड़की धामपुर की रहने वाली है। दोनों दिल्ली में आसपास ही किराये के मकानों रहते थे। दोनों के परिजनों को कोतवाली बुलाया गया है। युवती के परिजन और पुलिस हल्द्वानी के लिए रवाना हो गई है।

डीएनए लैब देहरादून और एमबीपीजी कॉलेज के बीच हुआ करार

हल्द्वानी, एजेंसी। एमबीपीजी कॉलेज के बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग और डीएनए लैब देहरादून की ओर से आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया है। इसमें छात्र-छात्राओं से तकनीक का प्रयोग कर भविष्य संवारने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान आयोजित भाषण, रंगोली प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया गया। वहीं, एमपीबीजी कॉलेज और डीएनए देहरादून के बीच भविष्य में साथ कार्य करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। शनिवार को आयोजित कार्यशाला के समापन के अवसर पर प्राचार्य प्रो. एनएस बनकोटी ने सभी प्रतिभागियों से कार्यशाला के अनुभव सुनें और कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान और तकनीक को भविष्य संवारने के लिए उपयोग करने को कहा। विभागाध्यक्ष डॉ. अंशुलिका उपाध्याय ने कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. सीएस नेगी और डीएनए लैब देहरादून के एमडी डॉ. नरोत्तम शर्मा ने कार्यशाला में सीखीं चीजों का प्रयोग भविष्य संवारने के लिए करने को कहा। भाषण प्रतियोगिता में प्रगति कोरंगा प्रथम, आशी रस्तोगी द्वितीय और खुशी मटियाली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में डॉ. जीतिका सिद्धू और डॉ. मनीषा बिष्ट प्रथम, करण और हिमांशु पांडे द्वितीय और राहुल और परीक्षित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

रघुवंशी फार्म में तेंदुए ने गाय को मार डाला

किच्छा, एजेंसी। शहदौरा क्षेत्र के रघुवंशी फार्म निवासी निष्कर्ष रघुवंशी ने बताया कि शुक्रवार शाम फार्म का गेट खुला हुआ था। फार्म के अंदर से कर्मचारी ओमकार व रहमान निकले तो बाहर चार तेंदुआ देखकर दहशत में आ गए। बताया कि उनके आने से पहले तेंदुआ एक गाय को मार चुका था। सूचना पर वन विभाग के रेंजर महेंद्र सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। निष्कर्ष ने बताया कि वन विभाग की टीम ने भी फायरिंग की। तेंदुए की दस्तक से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

यूरोलॉजी विभाग में मरीजों को मिल रही छह माह की तारीख

हल्द्वानी, एजेंसी। डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल के यूरोलॉजी विभाग में एक ही ऑपरेशन थियेटर होने और हफ्ते में सिर्फ दो दिन ऑपरेशन किए जाने के कारण अधिकांश मरीजों का इलाज समय पर नहीं हो पा रहा है। मरीजों को छह महीने तक की तारीख मिल रही है। गंभीर मरीजों को मजबूरन बरेली के मेडिकल कॉलेज और ऋषिकेश एम्स जाना पड़ रहा है। यूरोलॉजी विभाग ने समस्या के समाधान के लिए बंद पड़े दूसरे ऑपरेशन थियेटर को खुलवाने का प्रस्ताव अस्पताल प्रशासन को भेजा है। साथ ही हफ्ते में दो के बजाय तीन दिन ऑपरेशन कराने के लिए कहा है। हालांकि इन प्रस्ताव पर अब तक ठोस कदम नहीं उठाया गया है। हफ्ते में सिर्फ दो दिन ही तय होने के कारण महीने में 50 से 60 ऑपरेशन ही हो रहे हैं। दो बड़े ऑपरेशन केस आ गए तो हफ्ते भर में वे ही निपट पाते हैं।

तिरुपति प्रसाद विवाद के बीच उत्तराखंड में एक्शन, घी सप्लाई करने वाली फैक्ट्री पर छापेमारी; सैंपल लिए गए

रुड़की, एजेंसी। भगवानपुर के चौल्ली शाहाबुद्दीनपुर में स्थित भोले बाबा आर्गेनिक डेयरी मिल्क प्राइवेट लिमिटेड से तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को लड्डू प्रसादम बनाने के लिए घी की सप्लाई होने की बात सामने आने के बाद रविवार को उत्तराखंड का खाद्य सुरक्षा विभाग भी हरकत में आया।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त के निर्देश पर अधिकारियों की टीम ने फैक्ट्री में छापा मारा। पता चला कि फैक्ट्री में एक महीने से उत्पादन नहीं हो रहा है। इस दौरान वहां करीब ढाई हजार खाली टिन रखे मिले। घी, दूध के कुछ रेपर और गत्ते के बाक्स मिलने पर उन्हें सील किया गया।

मौके पर फैक्ट्री प्रबंधन का कोई जिम्मेदार अधिकारी, लाइसेंसधारक और लेब टेक्नीशियन नहीं मिला। मैनेजर ने फैक्ट्री में आने से असमर्थता जाहिर कर दी। विभाग ने अब फैक्ट्री प्रबंधन से यह जानकारी मांगी है कि पिछले दो साल में कहां-कहां किस उत्पाद की आपूर्ति की गई है। रविवार को उत्तराखंड के आयुक्त खाद्य

सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आर राजेश कुमार और अपर आयुक्त ताजवर सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम छापा मारने पहुंची। मौके पर चौकीदार सहित पांच लोग मिले। पूछताछ करने पर बताया गया कि एक महीने से यहां उत्पादन बंद है। टीम ने जिम्मेदार अधिकारियों से दूरभाष पर बात की लेकिन उनके फोन ही बंद मिले। मैनेजर से संपर्क हुआ तो उसने आने से असमर्थता जाहिर कर दी। हालांकि उसने यह बताया कि उनका घी राजस्थान, गुजरात और दिल्ली आदि को भेजा जाता है। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी महिमानंद जोशी ने बताया कि फैक्ट्री प्रबंधन को नोटिस दिया गया है। साथ ही फैक्ट्री में प्रयुक्त होने वाले कच्चे माल के स्रोत के संबंध में जानकारी मांगी गई है। फोन पर एक प्रबंधक से वार्ता हुई है। उससे कहा गया है कि पिछले दो साल में इस फैक्ट्री से क्या-क्या उत्पाद हुआ और उसे किस जगह भेजा गया है, इसकी जानकारी उपलब्ध कराएं। टीम में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी रुड़की योगेंद्र पांडे, दलीप जैन, खाद्य सुरक्षा अधिकारी कपिल देव आदि भी शामिल रहे। एफएसएसएआइ की ओर से जारी किया गया है लाइसेंस भोले बाबा आर्गेनिक डेयरी मिल्क प्राइवेट लिमिटेड को लाइसेंस भारतीय खाद्य संरक्षा मानिक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) की ओर से जारी किया गया। यही कारण है कि स्थानीय खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने कभी इसका निरीक्षण नहीं किया। सूत्रों की मानें तो राज्य सरकार की एजेंसी को केंद्रीय लाइसेंसधारकों की जांच का अधिकार नहीं है। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी महिमानंद जोशी ने बताया कि एफएसएसएआइ से लाइसेंस की जांच केंद्रीय एजेंसी ही करती है। केंद्रीय उपायुक्त से उनकी फोन पर वार्ता हुई है। स्टाक ठिकाने की चर्चा यह फैक्ट्री देहरादून राजमार्ग पर रुड़की से 22 किमी दूर है। फैक्ट्री का रकबा 1648 मीटर है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को मौके पर कुछ न मिलने और एक महीने से उत्पादन बंद होने से आशंका जताई जा रही है कि स्टाक को पहले ही ठिकाने लगा दिया गया।

आप पूजा करें...टेंपल बेल बजाएगी संगीत, मेले में स्टॉल पर किसानों के आकर्षण का केंद्र बना यंत्र

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। किसान मेले में दिल्ली के अब्दुल इलेक्ट्रॉनिक्स के स्टॉल पर टेंपल बेल किसानों के आकर्षण का केंद्र बनी है। स्टॉल पर मौजूद ओएस खलील ने बताया कि यह टेंपल बेल विद्युत से संचालित होती है। अब आपको घर में पूजा करते समय घंटी या अन्य वाद्य यंत्र बजाने की आवश्यकता नहीं होगी। इलेक्ट्रिकल टेंपल

बेल आपकी इस जरूरत को पूरा कर देगी। किसान मेले में दिल्ली के अब्दुल इलेक्ट्रॉनिक्स के स्टॉल पर यह टेंपल बेल किसानों के आकर्षण का केंद्र बनी है। स्टॉल पर मौजूद ओएस खलील ने बताया कि यह टेंपल बेल विद्युत से संचालित होती है। इसमें पांच तरह के अलग-अलग साउंड प्रोग्राम किए गए हैं, जो ट्यूनर के माध्यम से सेट किए जा सकते हैं। यह बेल 12 ओल्ट के मोटर से संचालित होती है। इस बेल का स्विच ऑन करते ही ड्रम, ढोलक, बांसुरी व मंजीरा आदि स्वतः संचालित होते हैं। उन्होंने इस बेल को विशेष मांग पर दिल्ली में बनवाया है। इसकी कीमत आठ हजार रुपये निर्धारित की गई है।

पैगंबर पर आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में मुस्लिम समुदाय का प्रदर्शन, आरोपितों को फांसी की सजा की मांग

बाजपुर, एजेंसी। पैगंबर मोहम्मद साहब के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियों से आक्रोशित सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम समाज के लोग रविवार की देर सायं सड़कों पर उतर आए और मुड़िया पिस्तौर ईदगाह से मुख्यमार्ग पर जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए भगत सिंह चौक पर पहुंच गए, जहां दो आरोपितों के पुतले दहन कर अपना आक्रोशित व्यक्त किया। इसके पश्चात लोग कोतवाली जा पहुंचे और कोतवाल नरेश चौहान से मुलाकात कर तहरीर सौंपी गई।

यह लोग आरोपितों को कम से कम फांसी की सजा देने की मांग कर रहे थे। उनका कहना था कि गाजियाबाद के डासना देवी मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद ने पैगंबर मोहम्मद साहब के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं, जोकि अत्यंत अपमानजनक और दिल दुखाने वाली हैं। ऐसा ही कार्य महाराष्ट्र के रामगिरि महाराज ने भी किया था।

इन टिप्पणियों को इन्हीं लोगों ने वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर साझा किया जिससे वह वायरल हो गईं। वीडियो में कही गईं बातें असहनीय और अत्यंत निंदनीय हैं, जिसने विश्वभर के मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाई है। इन टिप्पणियों के माध्यम से मुस्लिम समुदाय में आक्रोश पैदा कर दंगे भड़काने की साजिश की गई है।

मांग की गई है कि हमारे मुल्क की गंगा-जमुनी तहजीब को तार-तार करने की कोशिश करने वाले ऐसे राष्ट्र विरोधी लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर कठोर सजा दिलवाई जाए।

इस मौके पर मुड़िया कलां के पूर्व प्रधान लियाकत अली, मौलाना गुलाम नूर मोहम्मद, मौलाना अमीर अहमद, इरशाद अली, सुहैल अहमद, इमरान, मो.फैजान, मोईन, नाजिर, उस्मान, नवाब अली, खलील, अतीक, उवेश, आशु खान, शारिम खान, असलम, शाहरूख, रिहान, फिरोज, अनवार, इरफान, सुलेमान, नादिश खान, राजा, सारिक खान, अरमान, गुलफाम, मोहम्मद आलम आदि सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

टमाटर और गोभी के दाम सौ पार, सेहत पर भारी पड़ रहे सब्जियों के दाम

देहरादून, एजेंसी। इन दिनों टमाटर का स्वाद पाना बेहद महंगा हो गया है। मंडी के भीतर 80 से 90 रुपये तो बाहर 100 रुपये प्रति किलो तक में टमाटर की बिक्री हो रही है।

जिन सब्जियों में सेहत का राज छिपा है, बढ़ती महंगाई के चलते उनका सेवन मुश्किल होता जा रहा है। आलम यह है कि टमाटर और गोभी के दाम 100 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। जबकि अदरक तो 200 रुपये किलो तक में मिल रहा है। यही नहीं अधिकांश सब्जियों के दाम 50 रुपये प्रति किलो से अधिक हैं। वहीं नवरात्र में फल का सेवन भी महंगा साबित हो रहा है।

नवरात्र या सामान्य दिनों में बनने वाले भोजन में टमाटर का इस्तेमाल होता ही है। लेकिन इन दिनों टमाटर का स्वाद पाना बेहद महंगा हो गया है। मंडी के भीतर 80 से 90 रुपये तो बाहर 100 रुपये प्रति किलो तक में टमाटर की बिक्री हो रही है। इसी तरह गोभी का सीजन अभी शुरू होने वाला है। लेकिन अभी आवक कम है तो इसके दाम भी 100 रुपये किलो पर बने हुए हैं। इसी तरह तुरई के दाम 50 रुपये प्रति किलो और प्याज 60 रुपये प्रति किलो में बिक रही है। नवरात्र में सबसे ज्यादा आलू का प्रयोग होता है। लेकिन आलू भी 40 रुपये प्रति किलो तक में बिक्री किए जा रहे हैं। इसी के साथ लौकी भी 40 से 45 रुपये प्रति किलो तक में मिल रही है। अगर अदरक की बात करें तो 50 रुपये प्रति पाव में इसकी बिक्री हो रही है। नवरात्र में फलों का सेवन भी महंगा पड़ रहा है। इन दिनों केला प्रति दर्जन 70 से 80 रुपये में मिल रहा है। जबकि सेव के दाम 100 से 120 रुपये प्रति किलो हैं।

कबूतरबाजों पर कार्रवाई के बाद पुलिस के पास पहुंचने लगे पीड़ित

देहरादून, एजेंसी। देश भेजने के नाम पर ठगी करने वाले कबूतरबाजों के खिलाफ कार्रवाई के बाद अब अन्य पीड़ित भी पुलिस के पास पहुंचना शुरू हो गए हैं। रविवार को दो युवकों ने पुसिल को आपबीती बताई। वर्क एब्रॉड नाम की इस कंसलटेंसी के संचालकों ने इनसे भी लगभग 10 लाख रुपये ठगे हैं। संचालकों ने इन्हें पोलैंड और कनाडा भेजने के नाम पर यह रकम ली थी, लेकिन अब तक कोई जवाब कंसलटेंसी से नहीं आया है। कंसलटेंसी के संचालक दंपती और उनके दोनों साथी अभी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। बता दें कि बीते दिनों दो युवकों का एक वीडियो वायरल हुआ था। ये दोनों आर्मेनिया में फंसे हुए थे और सरकार से खुद को वहां से निकालने की गुहार लगा रहे थे। यह वीडियो जब पुलिस के पास पहुंचा तो पुलिस ने कंसलटेंसी का पता लगाया। शनिवार को पुलिस पटेलनगर थाना क्षेत्र के चंद्रबनी स्थित वर्क एब्रॉड कंसलटेंसी फर्म के दफ्तर में पहुंची। यहां बैठी एचआर मैनेजर से पूछताछ की गई तो पता चला कि इसे अंकुल सैनी और उसकी पत्नी तराना सैनी संचालित करते हैं।

पुलिस के आने की भनक लगते ही दोनों अपने दो अन्य साथियों के साथ वहां से भाग निकले। आरोपियों ने इन दोनों युवकों को आर्मेनिया की एक कंपनी का फर्जी ऑफर लेटर भी बनाकर दिया था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जालसाजी और धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया। मीडिया में जब रविवार को यह खबर प्रसारित हुई तो इसे पढ़कर दो युवक अमित नौटियाल निवासी नैनबाग टिहरी मनदीप सिंह निवासी उत्तरकाशी भी रविवार को पुलिस के पास पहुंचे।

उन्होंने इस बाबत आईएसबीटी चौकी पर प्रार्थनापत्र दिया। इसमें उन्होंने बताया कि अंकुल सैनी और तराना सैनी ने उन्हें पोलैंड और कनाडा भेजने के नाम पर पैसे लिए थे। इनमें अमित से 7.50 लाख रुपये और मनदीप से 2.34 लाख रुपये लिए गए। इसके बाद से उन्हें कुछ नहीं दिया गया। सैनी दंपती से संपर्क का प्रयास किया गया तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि मुकदमे में इन दोनों पीड़ितों के प्रार्थनापत्रों को भी शामिल कर लिया गया है। मामले में जांच की जा रही है।

प्रदेश में सरकारी आनलाइन सेवाएं तीन दिन से बंद, सिस्टम धड़ाम; जनता हलकान

हल्द्वानी, एजेंसी। सरकारी स्तर की आनलाइन सेवाएं तीन दिन से ठप हैं। इसकी वजह से लोग परेशान हैं। न ही पेंशन मिल पा रही है और न ही किसी तरह के प्रमाण पत्र जारी हो रहे हैं।

लोग कार्यालयों में पहुंच रहे हैं, लेकिन निराश लौटने को मजबूर हैं। सबसे अधिक परेशानी अपणि सरकार पोर्टल बंद होने से पैदा हुई है। पूरी व्यवस्था ही धड़ाम हो गई है। इस मामले में अधिकारी से लेकर कर्मचारी भी भी कुछ भी जवाब देने में असमर्थ हैं।

माह के प्रारंभ में कर्मचारियों को वेतन, पेंशनर्स को पेंशन की प्रतीक्षा रहती है, लेकिन अक्टूबर माह प्रारंभ होते ही राज्यस्तर पर सर्वर प्रभावित होने का प्रभाव कोषागार की भुगतान प्रणाली पर भी पड़ा है। इसका असर राजकीय सेवा में कार्यरत व सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों के भुगतान पड़ा रहा है।

पोर्टल के काम नहीं करने से हल्द्वानी उपकोषागार से जुड़े 12 हजार से अधिक पेंशनर्स का पेंशन भुगतान अटक गया है। वहीं, 30 सितंबर के बाद वेतन बिल जमा करने वाले कुछ विभागों के कर्मियों का वेतन भुगतान भी नहीं हो पाया है। इसके अलावा पेंशनरों के जीवन प्रमाण के सत्यापन की कार्यवाही भी नहीं हो पा

रही है। इससे पेंशनभोगियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मुख्य कोषाधिकारी दिनेश राणा के अनुसार कोषागार में आनलाइन काम होने से विभागों के बिल तथा तमाम पेंशन राशि अटकी है। कई विभागों के वेतन का भुगतान भी नहीं हो सका है। हालांकि कहा कि अधिकांश विभागों का वेतन तथा पेंशन के बिल तीन अक्टूबर को जारी हो गए थे। उधर, कलेक्ट्रेट में उपनिबंधक रजिस्ट्री रमा तिवारी के अनुसार आनलाइन काम प्रभावित होने का रजिस्ट्री पर असर पड़ा है। बैंकों के चालान नहीं भर पा रहे हैं।

तीन सितंबर से उत्तराखंड में अचानक सर्वर ठप होने से सरकारी विभागों के आइटी सिस्टम शोपीस बन गए हैं। पूरे कुमाऊं में पुलिस का क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम (सीसीटीएनएस) ठप पड़ चुका है। सिस्टम के ठप होने से कुछ पुलिस कर्मियों पर काम का बोझ बढ़ गया, क्योंकि थानों में रोज पंजीकृत होने वाली प्राथमिकी इसी साइट पर अपलोड होती हैं।

वहीं, लोगों को भी पुलिस की ओर से की जा रही कार्रवाई की सूचना नहीं मिल पा रही है। हल्द्वानी सर्किल में एक कोतवाली समेत तीन थाने हैं। बनभूलपुरा, काठगोदाम व मुखानी व कोतवाली में सीसीटीएनएस सर्वर काम करता है। दो सितंबर को बनभूलपुरा पुलिस ने गांधीनगर वार्ड नंबर 27 निवासी 12 वर्षीय बालक के लापता होने की अंतिम सूचना सीसीटीएनएस में अपलोड की थी।

इसी दिन मुखानी पुलिस ने 6.22 ग्राम स्मैक के साथ युवक के पकड़े जाने व कोतवाली पुलिस ने हल्द्वानी फर्नीचर मार्ट से चंदन का पेड़ काटने की प्राथमिकी सीसीटीएनएस में अपलोड है, जबकि काठगोदाम में कोई मामला पंजीकृत नहीं हुआ था। इसके बाद से यह सर्वर ठप पड़ा है। हल्द्वानी के अलावा कुमाऊं के किसी भी थाने का सीसीटीएनएस काम नहीं कर पा रहा है।

कलेक्ट्रेट में उपनिबंधक कार्यालय में रजिस्ट्री का कामकाज भी प्रभावित है। बैंकों के चालान नहीं लगने से रजिस्ट्री काम नहीं हो रहा है। खतौनी नहीं निकलने की वजह से भी रजिस्ट्री भी नहीं हो पा रही है, लेकिन सबसे अधिक परेशानी अपणि सरकार पोर्टल की वजह से है, क्योंकि सभी तरह के प्रमाण पत्र इसी पोर्टल के जरिये जारी किए जाते हैं। लोग तहसील पहुंच रहे हैं लेकिन स्पष्ट जवाब नहीं मिलने की वजह से निराश लौटने को मजबूर हैं। जिला विकास प्राधिकरण में भी नक्शे स्वीकृत नहीं हो पा रहे हैं।

साइबर हमले के कारण तीसरे दिन भी तहसील से लेकर थानों में तक मुसीबत

हल्द्वानी, एजेंसी। बृहस्पतिवार को हुए साइबर हमले के प्रभाव से उत्तराखंड राज्य को सूचना प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी (आईटीडीए) अभी बाहर नहीं निकल पाई। राज्य में तीन दिनों से लोगों को जरूरी सूचनाएं नहीं मिल पा रही हैं। शनिवार को भी तहसील से स्थायी निवासी प्रमाणपत्र, जाति प्रमाणपत्र आदि जारी नहीं हो सके। वहीं पुलिस को भी ऑफलाइन ही मुकदमे दर्ज करने पड़े।

साइबर हमला का प्रभाव इसी से समझा सकता है कि राज्य और केंद्र की एजेंसियां मिलकर भी अभी तक डाटा सेंटर रिकवर नहीं कर पाई हैं। शनिवार को राशन कार्ड बनवाने के लिए एआरओ कार्यालय, स्थायी, जाति आदि के प्रमाण पत्र के लिए तहसील व सीएससी सेंटर पहुंचे लोगों को मायूस होना पड़ा। बिजली और पानी के बिल भी सीएससी सेंटर पर जमा नहीं हो पा रहे हैं। रेता-बजरी का कारोबार भी ठप पड़ा है। इस वजह से मकान के निर्माण कार्य भी बंद होने लगे हैं। सड़क के लिए रेता-बजरी नहीं मिल पा रही है। हॉटमिक्स प्लांटों को भी बजरी नहीं मिल पा रही है। इस कारण डामरीकरण का कार्य भी प्रभावित हो रहा है। अगर दो दिन और यह स्थिति रही तो सभी निर्माण कार्य ठप हो जाएंगे।

पुलिस को 100 दिन तक दौड़ाती रही महिला तस्कर, लोगों ने पकड़कर पीटा; कार में भी की तोड़फोड़

हल्द्वानी।, एजेंसी। जिस महिला तस्कर ने पुलिस को 100 दिनों तक दौड़ाया, उसे नवाबी रोड क्षेत्र के लोगों ने शनिवार रात जज फार्म के पास कार में पकड़ लिया। आक्रोशित लोगों ने महिला की पिटाई कर दी। साथ ही कार में तोड़फोड़ भी की।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कराया और महिला को अपने संग ले गई। महिला को नारी निकेतन भेज दिया गया है।

28 जून को कुल्यालपुरा गली नंबर तीन निवासी पूनम देवी के किराना की दुकान में एक अंजान महिला थैला छोड़कर चली गई थी। थैले में 900 ग्राम चरस बरामद हुई थी। पूनम की सूचना पर तत्कालीन प्रभारी सीओ संगीता ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की थी। 23 अगस्त को कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने दो लोगों पर प्राथमिकी की थी।

पिछले तीन महीने से पुलिस दुकान में चरस रखने वाली महिला को तलाश रही थी, लेकिन उसका पता

नहीं लगा सकी। इधर, पीड़ित पक्ष ने खुद ही महिला की जानकारी देने वाले को पांच हजार रुपये का इनाम देने की बात कहकर प्रयास शुरू किए।

शनिवार को फेसबुक के जरिये अंजान व्यक्ति ने महिला के बारे में पीड़ित पक्ष को बताया। इसके बाद पीड़ित पक्ष ने महिला को जज फार्म के पास दबोचकर हंगामा कर दिया। महिला से महिलाओं ने मारपीट की। साथ ही उसकी कार में तोड़फोड़ कर दी।

हंगामा बढ़ने पर कोतवाल राजेश कुमार यादव व हीरानगर चौकी इंचार्ज विजयपाल मौके पर पहुंचे। महिला ने दो युवकों का नाम लेकर उनके कहने पर थैला दुकान पर रखने की बात कही है।

सीओ सिटी नितिन लोहनी ने बताया कि महिला को पूछताछ के बाद नारी निकेतन भेज दिया है। मामले की जांच होने तक वह नारी निकेतन में रहेगी।

पहले पुलिस चरस को बरामद कर तस्कर को पकड़ने के लिए हवा में लकीरें पीटती रही। अब तस्कर पकड़ी गई तो चरस गायब हो गई है। दुकान से पकड़ी गई 900 ग्राम चरस गायब होने की बात से विभाग में अफरातफरी मच गई है। तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। दिलचस्प यह होगा कि पुलिस इस मामले का पटाक्षेप कब करती है।

प्रधानमंत्री देश को बताएं, जब आप नेताओं के यहां कुछ नहीं मिला तो उन्हें जेल में क्यों रखा?- संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने ईडी-सीबीआई के दुरुपयोग पर प्रधानमंत्री पर पलटवार किया है। वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने प्रधानमंत्री प्रश्न किया कि आपकी एजेंसियों ने अरविंद केजरीवाल को छह महीने, मनीष सिसोदिया को 17 महीने और मुझे छह महीने जेल में रखा गया, जबकि सत्येंद्र जैन दो साल से जेल में हैं। प्रधानमंत्री को देश को बताना चाहिए कि जब आप नेताओं के यहां से कुछ नहीं मिला तो उन्हें जेल में क्यों रखा गया? उन्होंने कहा कि संजीव अरोड़ा का गुनाह सिर्फ इतना है कि वह आप के सांसद हैं। इसीलिए उनके यहां ईडी की रेड हुई। मोदी जी एजेंसियों का दुरुपयोग कर अरविंद केजरीवाल और आप को खत्म करने का प्रयास तो कर रहे हैं, लेकिन सफल नहीं होंगे।

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी एक गंभीर बीमारी का शिकार हो चुके हैं। उनकी बीमारी का नाम नफरती बीमारी है, जो एक लाइलाज बीमारी है। प्रधानमंत्री मोदी आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल के प्रति नफरत और घृणा से इतने भरे हुए हैं कि उन्हें देश के किसी और काम से कोई मतलब नहीं है। उनके पास देश की शिक्षा, इलाज, रोजगार, और किसान के लिए काम करने की फुर्सत नहीं है, उन्हें मणिपुर की हिंसा पर ध्यान नहीं देना है। देश का एक हिस्सा जल रहा है, पर प्रधानमंत्री को उसकी चिंता नहीं है। रोज सुबह उठने के बाद उनके जीवन का एकमात्र मकसद आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल की राजनीति को खत्म करना है। उनके नेताओं को पकड़-पकड़कर जेल में डाल रहे हैं।

संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री की ईडी-सीबीआई को कई बार सुप्रीम कोर्ट से लताड़ पड़ चुकी है। इसके बावजूद उन्हें समझ में नहीं आता कि यह देश उनकी तानाशाही से नहीं, बल्कि संविधान और कानून से चलेगा। वो हर दिन सुबह उठकर कभी इस पर तो कभी उस पर छापेमारी करवाते हैं। प्रधानमंत्री जी ने दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 6 महीने जेल में रखा। उन्हें इंसुलिन नहीं दी गई। उन्हें मारने तक की साजिश की गई। प्रधानमंत्री देश को बताएं कि उनके घर से क्या मिला? केजरीवाल के घर से एक रुपया भी बरामद नहीं हुआ। फिर भी उन्हें 6 महीने तक जेल में क्यों रखा गया? मनीष सिसोदिया को 17 महीने जेल में रखा, उनके घर भी छापेमारी की गई, लेकिन कुछ नहीं मिला। सत्येंद्र जैन को दो साल से अधिक समय से जेल में रखा हुआ है। जेल में उस व्यक्ति का 36 किलो वजन कम हो गया। इन्होंने मेरे घर पर छापेमारी करवाई, मुझे 6 महीने जेल में रखा। हमारे घर से क्या मिला? कहीं से एक रुपया भी बरामद नहीं हुआ, कोई कागज नहीं मिला। प्रधानमंत्री में हिम्मत है तो वह देश के सामने आकर बताएं। संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री केवल एक काम कर रहे हैं कि किसी के खिलाफ कुछ मिले न मिले, ईडी-सीबीआई का इस्तेमाल करके उसे जेल में डालो, केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को खत्म करो। लेकिन यह एक निरर्थक प्रयास है, इसमें उन्हें सफलता मिल ही नहीं सकती। इन्होंने सब करके देख लिया, सबको जेल में डाल दिया, लेकिन कोई नहीं टूटा। सबको झुकाने और तोड़ने की कोशिश की, लेकिन कोई नहीं टूटा। अब उन्होंने हमारे साथी सांसद संजीव अरोड़ा के घर पर छापा मार दिया। कल हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में भाजपा का सफाया होने जा रहा है। उस खबर को दबाना इनका मकसद है और आम आदमी पार्टी के पीछे तो ये पड़े ही हैं। संजय सिंह ने कहा कि संजीव अरोड़ा बहुत सारे चैरिटी के काम करते हैं, अच्छे आदमी हैं। उनका गुनाह सिर्फ इतना है कि वह आम आदमी पार्टी के सांसद हैं। उनके इतने लंबे सार्वजनिक जीवन में आज तक कभी उनके यहां ईडी नहीं पहुंची। उनके खिलाफ कभी कोई कार्रवाई नहीं हुई। लेकिन क्योंकि वह आम आदमी पार्टी के सांसद हैं, इसलिए उनके यहां छापेमारी हुई। एक नफरती बीमारी से ग्रसित व्यक्ति इस देश का प्रधानमंत्री बन गया है, जो न तो नौजवानों को रोजगार दे सकता है, न किसानों को उनकी फसल का दाम दे सकता है, न महिलाओं को सुरक्षा दे सकता है, न मणिपुर की हिंसा रोक सकता है और न लोगों को अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य दे सकता है। उसकी जिंदगी का एक ही मकसद है कि ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल करो, आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल की राजनीति को खत्म करो। लेकिन प्रधानमंत्री और भाजपाई जितनी कोशिश करेंगे, वह नाकाम होंगे और आम आदमी पार्टी का कारवां और मजबूती से आगे बढ़ता जाएगा।

भगवान आप के साथ है, डरने की कोई जरूरत नहीं : केजरीवाल ने ईडी के छापों पर कहा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि भगवान उनकी पार्टी के साथ है और डरने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि कुछ भी गलत नहीं किया गया है। उन्होंने धन शोधन की जांच के सिलसिले में आप के राज्यसभा सदस्य संजीव अरोड़ा से जुड़े कई स्थानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापों के बाद यह टिप्पणी की। केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार भ्रष्टाचार की जांच के नाम पर अपनी एजेंसियों के जरिए उनकी पार्टी को निशाना बना रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री आतिशी भी उनके साथ थीं।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि एजेंसियों ने पहले उन्हें, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और पार्टी के अन्य नेताओं को गिरफ्तार किया था। केजरीवाल ने पत्रकारों से कहा, ऐसा नहीं है कि भ्रष्टाचार की कोई जांच हो रही है। ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री एक पार्टी के पीछे पड़े हैं और उन्होंने उस पार्टी तथा उसके नेताओं को खत्म करने के लिए सभी संसाधन और एजेंसियां लगा दी हैं। ईडी ने आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजीव अरोड़ा तथा अन्य लोगों के खिलाफ जमीन धोखाधड़ी के एक मामले की जांच के सिलसिले में सोमवार को जालंधर, लुधियाना, गुरुग्राम तथा दिल्ली में कई स्थानों पर छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 61 वर्षीय सांसद के, पंजाब के लुधियाना और हरियाणा के गुरुग्राम में स्थित आवास समेत करीब 16-17 स्थानों पर तलाशी ली गयी। केजरीवाल ने कहा, भगवान हमारी पार्टी के साथ है। डरने की कोई जरूरत नहीं हैकुछ भी गलत नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि धीरे-धीरे पर्दा खुल रहा है, प्रधानमंत्री की असलियत सामने आ रही है और लोगों को एहसास हो रहा है कि वह कहते कुछ हैं और करते कुछ हैं।

झील वाला पार्क के पास से ऑटो लिफ्टर दबोचा

संवादाता

पंजाबी बाग थाना के मादीपुर पुलिस चौकी की टीम ने 37 मामलों में शामिल एक ऑटो लिफ्टर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से तीन स्कूटी और मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस ने हरी नगर, राजौरी गार्डन और विजय विहार थाना के तीन मामलों का खुलासा करने का दावा किया है। डीसीपी वेस्ट विचित्र वीर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान विकास उर्फ जैकी के रूप में हुई है। यह जेजे कॉलोनी, मादीपुर का रहने वाला है। ऑटो लिफ्टिंग इत्यादि वारदात को अंजाम देता है। एसएचओ संजय दहिया की देखरेख में चौकी इंचार्ज संदीप बिश्नोई की टीम ने पेट्रोलिंग के दौरान झील पार्क के पास से इसको उस समय पकड़ा जब यह संदिग्ध हालत में घूम रहा था। पुलिस टीम को देखते ही यह बाइक की स्पीड बढ़कर भागने की कोशिश किया। पुलिस ने पीछा करके पकड़ा, जिस मोटरसाइकिल से यह भाग रहा था, वह रोहिणी जिला के विजय विहार थाना इलाके से चोरी की निकली। फिर इसकी निशान देही पर दो और स्कूटी बरामद की गई जो हरी नगर और राजौरी गार्डन थाना इलाके से चुराई गई थी।

हथियार के साथ दबोचा जेल बेल ने बदमाश

संवादाता

द्वारका जिला के जेल बेल सेल की पुलिस टीम ने एक वांटेड बदमाश को गिरफ्तार किया है। उसके पास से पिस्टल और कारतूस भी बरामद किया गया है। जिसकी पहचान ऋतिक के रूप में हुई है। यह उत्तम नगर का रहने वाला है और पहले से नजफगढ़, मोहन गार्डन और उत्तम नगर थाना में दर्ज मामलों में शामिल भी रहा है। डीसीपी अंकित सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इसके बारे में एक इनफॉरमेशन मिला था। उसके बाद इंस्पेक्टर मनजीत सिंह की देखरेख में सहायक सब इंस्पेक्टर हंस की टीम ने पता लगाना शुरू किया था फिर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर इसके बारे में पता लगाया और द्वारका सेक्टर 16 बी के पास से इसको दबोच लिया। यह हाल में ही छूटकर जेल से बाहर आया था। द्वारका जिला के अलग-अलग थाना इलाकों में वारदात को अंजाम देता था।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में दर्ज की गयी, न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली। दिल्ली में सोमवार सुबह धूप खिली और न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 122 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब तथा 401 से 500 के बीच को गंभीर माना जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता 83 प्रतिशत दर्ज की गयी। शहर में अधिकतम तापमान 35.7 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

शाही ईदगाह में रानी लक्ष्मी बाई की प्रतिमा स्थापना मामले की सुनवाई बंद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को शाही ईदगाह में रानी लक्ष्मी बाई की प्रतिमा की स्थापना से संबंधित कार्यवाही बंद कर दी। दरअसल, शाही ईदगाह प्रबंध समिति ने कहा कि प्रतिमा की स्थापना धार्मिक कार्य करने के अधिकार में दखल नहीं दे रही है। समिति की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विराज दातार ने मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और जस्टिस तुषार राव गेडेला की पीठ के समक्ष कहा कि अविश्वास का समाधान हो गया है क्योंकि चारदीवारी के निर्माण के बाद एक कोने में मूर्ति स्थापित कर दी गई है। अदालत ने कहा- ताजा घटनाक्रम (याचिकाकर्ता के वकील के यह कहने पर कि अविश्वास दूर हो गया है) को देखते हुए मौजूदा अपील का निपटारा किया जाता है। बता दें कि समिति ने न्यायमूर्ति धर्मेश शर्मा के 23 सितंबर के आदेश के खिलाफ अपील की थी। न्यायमूर्ति धर्मेश शर्मा की ओर से जारी आदेश में प्रतिमा की स्थापना के खिलाफ याचिका खारिज कर दी गई थी। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा था कि ईदगाह के आसपास का क्षेत्र दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) का है। ऐसे में समिति के पास प्रतिमा की स्थापना का विरोध करने का कोई कानूनी या मौलिक अधिकार नहीं है। दिल्ली हाईकोर्ट ने बीते मंगलवार को समिति से पूछा कि क्या वह दिल्ली के सदर बाजार क्षेत्र में ईदगाह के भीतरी कोने वाले हिस्से में प्रतिमा की स्थापना के लिए सहमत है। अदालत ने यह भी कहा था कि रानी लक्ष्मी बाई एक राष्ट्रीय शख्सियत हैं, ना कि धार्मिक... अदालत ने हैरानी जताई कि समिति स्थापना का विरोध क्यों कर रही है। इस मामले में अदालत आदेश दे उससे बेहतर है कि आप खुद आगे आएं। अदालत ने कहा था कि अपने मुवक्किलों से पूछें कि क्या वे इसके लिए कोई व्यवस्था कर सकते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा था कि समझ नहीं आता कि इतना जुनून क्यों है? हम समझ नहीं पा रहे हैं। यह विरोध क्यों है?

36 घंटों के अंदर बजुर्ग महिला से लूटपाट करने वाले तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

मोती नगर थाना पुलिस ने शनिवार को एक बुजुर्ग महिला से लूटपाट में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में भी लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई सोने की बालियां, 3780 नकद व वारदात के वक्त आरोपियों द्वारा पहने कपड़े बरामद कर लिए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पश्चिमपुरी निवासी हिमांशु सागर, जेजे कॉलोनी मादीपुर निवासी रमेश कुमार और शिंटू कुमार के रूप में हुई है। हिमांशु उर्फ चीनू उर्फ कमल पर लूट, चोरी व झपटमारी के 25 मामले दर्ज मिले हैं और वह पंजाबी बाग थाने का घोषित अपराधी है। वहीं, हिरासत में लिए गये आरोपी की पहचान कर्मपुरा निवासी प्रभजीत सिंह सूरी के रूप में हुई है। ये पेशे से सुनार है और आरोपियों ने लूटी गई बालियां इसी को बेची थीं। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता बुजुर्ग महिला सरला भाटिया 17/3, मोती नगर इलाके में परिवार के साथ रहती हैं। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि गुरुवार रात करीब 7.45 बजे वह अपनी नातिन को ट्यूशन से वापस लाने के लिए जा रही थी। इसी दौरान उनके घर से थोड़ी दूरी पर ही पीछे से आए दो बदमाशों ने उनका गला चोक करके जबरन उनकी सोने की बालियां लूट लीं। इस दौरान पीड़िता को चोटें भी आईं और वह अचेत होकर वहीं गिर गईं और आरोपी मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने पीसीआर कॉल कर पुलिस को मामले की सूचना दी। इसके बाद मोती नगर थाना एसएचओ (इंस्पेक्टर) वरुण दलाल की टीम ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने मौके के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इनमें से एक फुटेज में दो संदिग्ध वहां पुलिस को दिखाई दिए। दोनों पीड़िता के पीछे मौजूद थे। पुलिस ने फुटेज में उनका पीछा करते हुए 70-80 फुटेज खंगाली और मादीपुर, पंजाबी बाग पहुंची। वहां स्थानीय सूत्रों की मदद से पुलिस ने आरोपी रमेश के घर छापा मारकर उसे दबोच लिया। इसकी निशानदेही पर हिमांशु को इलाके के एक पार्क से दबोच लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने सोने की बालियों को 14 हजार में अपने दोस्त शिंटू को बेच दिया था। इसके बाद पुलिस ने तीसरे आरोपी शिंटू को भी गिरफ्तार कर लिया। इनकी निशानदेही पर वारदात के वक्त पहले कपड़ों के अलावा एक आरोपी हिमांशु सागर के पास से 3780 रुपये नकद भी बरामद कर लिये गए। शिंटू के बयान के आधार पर पुलिस ने ज्वाला हेड़ी, पश्चिम विहार स्थित एक सुनार की दुकान पर छापा मारा और लूटी गई सोने की बालियां बरामद कर लीं। इसके बाद पुलिस ने दुकान के मालिक प्रभजीत सिंह सूरी को हिरासत में ले लिया। साथ ही दुकान की सीसीटीवी फुटेज भी जब्त कर ली। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों को जेल भेज दिया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मानहानि केस में आतिशी की याचिका पर भाजपा नेता प्रवीण शंकर कपूर से जवाब तलब

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राउज एवेन्यू स्थित एक विशेष अदालत ने सोमवार को भाजपा के नेता प्रवीण शंकर कपूर को मानहानि मामले में मुख्यमंत्री आतिशी की ओर से दाखिल की गई पुनरीक्षण याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। आतिशी ने पहले ही प्रवीण शंकर कपूर की ओर से दाखिल किए गए मानहानि मामले में समन आदेश को चुनौती दी है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने प्रवीण शंकर कपूर को जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए 23 और 24 अक्टूबर की अगली तारीख दी। इन दोनों तारीखों पर बहस होगी। भाजपा नेता ने आतिशी के खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। पिछली तारीख पर कोर्ट ने प्रवीण शंकर कपूर को नोटिस जारी किया था। इस बीच, अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने मामले की सुनवाई 5 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी है क्योंकि अपीलीय अदालत ने केस रिकॉर्ड तलब किया है। आतिशी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश गुप्ता, अधिवक्ता शैलेंद्र सिंह और अधिवक्ता मुदित जैन पेश हुए। वहीं प्रवीण शंकर कपूर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अजय बर्मन, शौमेंदु मुखर्जी पेश हुए। राउज एवेन्यू स्थित कोर्ट के मजिस्ट्रेट ने इस साल 28 मई को आतिशी को समन जारी किया था। राउज एवेन्यू कोर्ट ने 23 जुलाई को आतिशी को जमानत प्रदान कर दी थी। वह अदालत में पेश हुई थीं। उन्होंने जमानत बांड भरा था। दिल्ली भाजपा नेता ने आतिशी को उनके इस दावे पर कानूनी नोटिस भेजा था कि भाजपा ने पार्टी में शामिल होने के लिए एक करीबी के जरिए उनसे संपर्क किया था। नोटिस में कहा गया है कि आतिशी ने 2 अप्रैल को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसमें उन्होंने दावा किया था कि भाजपा ने उनसे पार्टी में शामिल होने के लिए संपर्क किया था। प्रवीण शंकर की ओर से भेजे गए नोटिस में कहा गया है कि आतिशी ने जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण इरादे से ऐसे बयान दिए। ये बयान झूठे, निंदनीय, मनगढ़ंत और भ्रामक हैं। ये बयान भाजपा की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाने के लिए दिए गए। ये बयान पार्टी सदस्यों की भी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाते हैं। नोटिस में कहा गया है, आतिशी ने ना तो सूचना के स्रोत के बारे में कोई जानकारी दी, ना ही आरोपों के बारे में कोई विवरण दिया। ऐसे में बिना सबूत के दिया गया आतिशी का बयान उनकी कल्पना और आशंका को दर्शाने का जानबूझकर किया गया कृत्य है।

शीशमहल पर केजरीवाल का ही कब्जा, कैमरे के सामने देकर वापस ली चाबी : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर बड़ा आरोप लगाया है। भाजपा के दिल्ली अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि केजरीवाल ने अभी तक सीएम आवास को खाली नहीं किया है। सचदेवा ने कहा कि सुनीता केजरीवाल ने कैमरे के सामने बंगले की चाबी एक ऐसे अधिकारी को सौंपी जो उसके लिए अधिकृत नहीं थे। बाद में यह चाबी वापस ले ली गई और पीडब्ल्यूडी को अभी तक वापस नहीं की गई है। आम आदमी पार्टी की ओर से अभी इस पर प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वीरेंद्र सचदेवा ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि नियमों के तहत चाबी अभी तक पीडब्ल्यूडी विभाग को नहीं सौंपी गई है और बंगला अब भी अरविंद केजरीवाल के नाम ही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चाबी भी उन्हीं के कब्जे में हैं। सचदेवा ने कहा, अरविंद केजरीवाल के भ्रष्टाचार का प्रतीक शीशमहल कभी खाली नहीं किया गया।

दिल्ली के लोग नरक से बदतर जीवन जीने को मजबूर : एलजी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सोमवार को कहा कि 10 साल से सरकार की अनदेखी और उपेक्षा के कारण दिल्ली के अधिकांश लोग नरक से बदतर जीवन जीने को मजबूर हैं। सोशल माध्यम मंच ह्यएक्स पर रंगपुरी, आयानगर और जौनापुर क्षेत्र में किए गए निरीक्षण की तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने लिखा है कि मुख्यमंत्री को कम से कम अब तो शासन पर ध्यान देना चाहिए। उपराज्यपाल ने पोस्ट में लिखा है... स्थानीय निवासियों के लगातार अनुरोध पर रविवार शाम उन्होंने रंगपुरी, आयानगर और जौनापुर क्षेत्र का निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्हें सरकार की नाकामी और कुव्यवस्था का भयावह उदारण देखने को मिला। यहां जानलेवा ढंग से लटके हुए बिजली के तारों का जाल देखने को मिला। पीने के पानी के लिए हाथों में पाइप लिए हुए महिलाएं दिखीं। खुले मेनहोल और कूड़े के ढेर दिखे। गलियों में बहते सीवर के पानी से उपजी अक्षम्य स्थिति नजर आई। उन्होंने लिखा है कि जो कुप्रबंधन यहां पर दिखाई दिया वही उत्तर-पूर्वी दिल्ली और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के निरीक्षण के समय भी नजर आया था।

हज बैतुल्लाह 2025 के लिए दिल्ली के 2690 हज यात्री चयनित

नई दिल्ली। हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा हज बैतुल्लाह 2025 के लिए कम्प्यूटरीकृत स्वचालित चयन प्रक्रिया के माध्यम से दिल्ली राज्य के दो हजार छह सौ नब्बे (2690) हज यात्रियों का चयन कर लिया गया है। जबकि, 867 आवेदक हज यात्रियों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर दिल्ली के लिए ड्रा पूरा होने के बाद दिल्ली स्टेट हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां ने विशेष बयान जारी कर दिल्ली से हज बैतुल्लाह के लिए चुने गए सभी हज यात्रियों को बधाई दी। इस विश्वास को दोहराया कि दिल्ली स्टेट हज कमेटी हर साल की तरह न केवल दिल्ली के हज यात्रियों को बल्कि दिल्ली से प्रस्थान करने वाले सभी हज यात्रियों को भी सभी प्रकार की सेवाएं और सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। दिल्ली स्टेट हज कमेटी के कार्यकारी अधिकारी अशफाक अहमद आरफी ने कहा कि इस वर्ष दिल्ली से कुल 3557 हज आवेदकों के आवेदन में से चयनित भाग्यशाली हज यात्रियों की संख्या 2690 है। इनमें सामान्य श्रेणी के 2412, जबकि 65 वर्ष से अधिक उम्र के हज यात्रियों की संख्या अपने एक साथी के साथ 252 है। इस वर्ष दिल्ली से बिना महरम के 45 वर्ष और उससे अधिक उम्र की महिलाओं की संख्या 65 है। उन्होंने बताया कि पिछले साल हज सीजन के दौरान गंभीर स्थिति को देखते हुए इस साल दिल्ली स्टेट हज कमेटी हज यात्रियों के लिए पूर्व निर्धारित और विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगी। हज कमेटी ऑफ इंडिया की सूचना के अनुसार, सभी चयनित हज यात्रियों को हज खर्च की पहली किस्त एक लाख 30 हजार अक्टूबर-2024 तक हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया या अन्य किसी माध्यम से किसी भी शाखा में भुगतान करने के बाद सभी आवश्यक दस्तावेज यानि बैंक में पहली किस्त जमा करने की रसीद, बाद में पासपोर्ट जमा करने के लिए एक हलफनामा, चिकित्सा प्रमाण पत्र, सफेद पृष्ठभूमि के साथ दो हालिया तस्वीरें, स्व-हस्ताक्षरित और एक फोटो चिपका हुआ हज आवेदन पत्र आदि

केजरीवाल और आप को खत्म करने के मकसद से मोदी जी के तोता-मैना ने संजीव अरोड़ा के यहां की रेड : सिसोदिया

अदालतों से इनको हर दिन फटकार पड़ रही है फिर भी एजेंसियों के दुरुपयोग से बाज नहीं आ रहे

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजीव अरोड़ा के यहां हुई ईडी की रेड पर पार्टी ने प्रधानमंत्री पर तीखा हमला बोला है। वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि यह रेड भ्रष्टाचार के खिलाफ नहीं है, बल्कि अरविंद केजरीवाल और आप को खत्म करने के मकसद से हमारे नेताओं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तोता-मैना ने संजीव अरोड़ा के यहां रेड की है। मोदी जी, अरविंद केजरीवाल और आप को चुनाव में नहीं हरा पा रहे हैं। इसलिए ऐसी हरकतें कर रहे हैं। हालांकि जांच एजेंसियों के दुरुपयोग से इनकी ताकतें कम हो रही हैं, लेकिन प्रधानमंत्री को इसकी बिल्कुल भी चिंता नहीं है। प्रधानमंत्री को देश में महंगाई-बेरोजगारी की चिंता नहीं है। क्योंकि वह अहंकारी हैं। इसलिए लोग इंतजार कर रहे हैं कि कब वह 75 साल के हों और उनकी विदाई हो। अदालतों से इनको हर दिन फटकार पड़ रही है फिर भी एजेंसियों के दुरुपयोग से बाज नहीं आ रहे।

सोमवार को पार्टी मुख्यालय पर प्रेसवार्ता कर वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि कोर्ट कई बार कह चुका है कि यह जांच एजेंसियां गैरकानूनी तरीके से काम कर रही हैं। कोर्ट ने कहा है कि जांच एजेंसियां पिंजरे में बंद तोते की तरह व्यवहार कर रही हैं। वहीं, पीएमएलए का पूरा ढांचा एक के बाद एक कोर्ट के आदेश से ध्वस्त होता जा रहा है। मोदी सरकार द्वारा विपक्ष को निशाना बनाने के लिए ईडी और सीबीआई को दी गई बेलगाम शक्तियां खत्म होती जा रही हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नहीं रुक रहे हैं, क्योंकि वह अहंकारी हो गए हैं। उन्हें लगता है कि वह कोर्ट से ऊपर हैं, यहां तक कि भगवान से भी ऊपर हैं। हरियाणा के एग्जिट पोल आते ही, जब उन्हें लगा कि एक और राज्य उनके हाथ से निकल गया है तो वे फिर से विपक्ष को निशाना बना रहे हैं।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि अब प्रधानमंत्री मोदी जी के जाने का वक्त आ गया है। इसलिए जाने से पहले वह जहां मिले, वहां पर हाथ-पांव मारने में लगे हुए हैं। जिसको तोड़ सकते हैं, तोड़ लो, जिसको डरा सकते हैं, डरा लो। लेकिन पूरा देश जानता है कि जिन ज्यादातर नेताओं पर ईडी छापे मारती है, वह बीजेपी जॉइन करते हैं और फिर केस बंद हो जाता है। बीजेपी की यह वॉशिंग मशीन अब जनता के बीच में एक्सपोज हो चुकी है। बीजेपी के खुद के वोटर्स इस वॉशिंग मशीन से परेशान हैं। यहां तक कि आरएसएस के कार्यकर्ता भी कह रहे हैं कि कल तक वो जिसके खिलाफ प्रचार कर रहे थे, वो अब खुद बीजेपी में हैं। उनके सिर शर्म से झुक चुके हैं।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तोता-मैना को फिर से इशारा किया है और वो आम आदमी पार्टी के एक नेता पर टूट पड़े। पीएम नरेंद्र मोदी का एक ही मकसद है कि आप को कैसे खत्म करें। उन्होंने कहा कि हमारे पंजाब से राज्यसभा एमपी संजीव अरोड़ा के घर पर प्रधानमंत्री ने रेड करवाई है। यह रेड किसी भ्रष्टाचार की वजह से नहीं हुई है। यह रेड इसलिए हो रही है क्योंकि संजीव अरोड़ा आप के सांसद हैं। यह प्रधानमंत्री की कार्य प्रणाली है। वह आप को चुनाव में नहीं हरा पा रहे हैं और ना केजरीवाल व उनकी टीम को तोड़ पा रहे हैं। इसलिए एक बार फिर से आप के सांसद को घेरने की कोशिश की जा रही है।

मनीष सिसोदिया ने आगे कहा कि इन्होंने सबसे पहले सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार किया। उसके बाद मुझे गिरफ्तार किया। फिर संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल को ईडी से गिरफ्तार करवाया। लेकिन सब बाहर आ गए और इनका केस तहस-नहस हो गया। सुप्रीम कोर्ट ने उस केस के बारे में जिस तरह की टिप्पणियां की हैं उसके बाद तो नरेंद्र मोदी के इशारे पर झूठे-झूठे केस बना रहे अधिकारियों को डूब मरना चाहिए। इसके बावजूद भी प्रधानमंत्री रुक नहीं रहे हैं। एजेंसियों का इससे बड़ा गलत इस्तेमाल और क्या हो सकता है?

जोमैटो डिलीवरी ब्वॉय को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

किशनगढ़ इलाके में सोमवार को अज्ञात व अनियंत्रित तेज रफ्तार वाहन ने एक जोमैटो डिलीवरी ब्वॉय को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे की चपेट में आने के बाद पीड़ित को तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर मौके के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से आरोपी वाहनचालक की पहचान करने की कोशिश कर रही है। वहीं, पुलिस का यह भी कहना है कि आरोपी के वाहन की पहचान कर ली गई है, इसकी मदद से आरोपी को दबोचने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान मकान संख्या 751, सेक्टर एक, आरके पुरम निवासी 27 वर्षीय हरेंद्र के रूप में हुई है। जांच में पता चला कि वह जोमैटो में डिलीवरी ब्वॉय का काम करता था और उसके परिवार में पत्नी के अलावा एक छह माह का बेटा भी है। इनकी पत्नी गृहिणी हैं। इसके अलावा मृतक के पिता डीडीए में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी हैं। यह भी बताया जा रहा है कि हरेंद्र सफदरजंग अस्पताल में भी पार्ट टाइम नौकरी करता था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोमवार तड़के 2.45 बजे बाहरी मुद्रिका मार्ग पर डीडीए फ्लैट्स गेट, मुनिरका के पास फुट ओवर ब्रिज के नीचे हादसे की पीसीआर कॉल मिली थी। सूचना के बाद पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और वहां घायल हालत में एक व्यक्ति मिला। जांच में पता चला हादसे के वक्त पीड़ित अपनी मोटरसाइकिल सड़क के एक किनारे खड़ी करके सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार में आए अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी और हादसे के बाद मौके से वाहन समेत फरार हो गया। पुलिस ने घायल को तत्काल सफदरजंग अस्पताल में पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी वाहन की पहचान कर ली है। पुलिस किशनगढ़ थाने में मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी है। फिलहाल उसका शव पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया गया है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें
पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

मुझे जेल भेजकर भाजपा ने सड़कों की मरम्मत का काम भी रुकवा दिया था, जिसे फिर शुरू किया है : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री आतिशी बीते कई दिनों से दिल्ली की सड़कों पर हो रहे गड्ढों का जायजा लेते दिखाई दे रहे हैं। दिल्ली सरकार ने एक बार फिर सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए काम शुरू कर दिया है। दिल्ली सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा है कि मेरे जेल जाने के बाद विकास के कई कार्यों को रोकने के साथ-साथ भाजपा के लोगों ने सड़क मरम्मत के कार्य को भी रोक दिया था। जिसकी वजह से पूरी दिल्ली की कई सड़कों में गड्ढे दिखाई दे रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा, मेरे जेल जाने के बाद भाजपा ने दिल्ली की जनता को परेशान किया। हमारी सरकार के काम रोके। भाजपा के लोगों ने सड़कों की मरम्मत का काम भी रुकवा दिया। जेल से बाहर आने के बाद मैं और आतिशी सड़कों का मुआयना करने निकलें और मैंने आतिशी से कहा कि पीडब्ल्यूडी की जो सड़कें टूटी हुई हैं, उन्हें जल्द ठीक कराया जाए। सरकार ने इस ओर ध्यान दिया और जहां भी सड़कें टूटी हुई थीं, वहां मरम्मत का काम शुरू हो गया है। अरविंद केजरीवाल ने बताया है कि दिल्ली में हमारी सरकार को लगभग 10 साल हो गये हैं। पिछले 9 साल में हमने जनता को कोई दिक्कत नहीं आने दी। हमने सभी सुविधाएं दिल्ली वालों को दी। लेकिन पिछले एक साल से भाजपा ने हमारे मंत्रियों को साजिशन जेल में डाल दिया। सरकार और दिल्ली के काम रोके और दिल्ली को ठप करने की कोशिश की। भाजपा ने तमाम जनहित के काम बंद कर दिए। अब हम सभी कामों को दोबारा चालू करायेंगे। इस दौरान लोगों को जो समस्याएं हुई, उनका निवारण करने का प्रयास करेंगे।

इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार ने एक साजिश रचकर अरविंद केजरीवाल को जेल में रखा। इस साजिश का मकसद ही दिल्लीवालों का काम रोकना था। लेकिन भाजपा की एक भी साजिश सफल नहीं हुई। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को लताड़ते हुए अरविंद केजरीवाल को जमानत दी। आतिशी ने कहा है कि इसके बाद हमने पीडब्ल्यूडी की सड़कों का निरीक्षण किया और सारा डाटा पीडब्ल्यूडी की एप पर अपलोड किया। सड़कों के निरीक्षण के दौरान सामने आया कि दिल्ली में पीडब्ल्यूडी की 89 सड़कों को पूरी तरह से रिकार्पेटिंग किया जाना है। इनमें से 74 सड़कों की मरम्मत के काम का टेंडर कर दिया गया है। 15 सड़कों की मरम्मत के लिए टेंडर किया जा रहा है और यहां भी काम शुरू हो जाएगा। इसके साथ ही कई सड़कों को पूरी तरह से बनाने की जरूरत नहीं है, वहां केवल मरम्मत कराए जाने की जरूरत है। इसमें से ज्यादातर काम कराया जा चुका है। आतिशी ने बताया है कि दिल्ली में कई जगहों पर विभिन्न एजेंसियों के काम की वजह से सड़क टूटी हुई हैं। इनकी जल्द ही पीडब्ल्यूडी के साथ बैठक कराई जाएगी और जल्द ही ऐसी सड़कों की मरम्मत की जायेगी। वहीं दिल्ली में न्यू रोहतक रोड की हालत सबसे ज्यादा खराब है। इसके पीछे सड़क पर ज्यादा पानी होना कारण है। यहां पीडब्ल्यूडी द्वारा एक नया ड्रेन बनवाया जाएगा। इसके लिए 183 करोड़ रुपए का प्रस्ताव दिया गया है।

उमर खालिद, शरजील इमाम की जमानत याचिका पर 25 नवंबर को सुनवाई करेगी अदालत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायालय फरवरी 2020 में यहां हुए सांप्रदायिक दंगों के पीछे कथित बड़ी साजिश से संबंधित यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) मामले में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व छात्र उमर खालिद और छात्र कार्यकर्ता शरजील इमाम की जमानत याचिकाओं पर 25 नवंबर को सुनवाई करेगा। खालिद और इमाम के अलावा मामले के अन्य सह-आरोपी ह्यूनाइटेड अगेंस्ट हेट के संस्थापक खालिद सैफी की जमानत याचिका भी न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति शालिंदर कौर की पीठ के समक्ष सोमवार को नये सिरे से सुनवाई के लिए सूचीबद्ध की गई थी लेकिन यह पीठ सुनवाई के लिए आज नहीं बैठी।

इससे पहले ये मामले न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष सूचीबद्ध थे, लेकिन हाल में उनका तबादला मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में हो गया है। खालिद, इमाम और कई अन्य लोगों पर, फरवरी 2020 के दंगों के कथित तौर पर मास्टरमाइंड होने के लिए यूएपीए और भारतीय दंड संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इन दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक घायल हुए थे।

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के विरोध के दौरान यह हिंसा भड़की थी। दिल्ली पुलिस ने खालिद को सितंबर 2020 में गिरफ्तार किया था। उसने 28 मई को निचली अदालत द्वारा जमानत याचिका खारिज किए जाने के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने जुलाई में इस मामले में नोटिस जारी किया। इमाम, सैफी और अन्य आरोपियों की याचिकाएं 2022 में दायर की गईं और तब से समय-समय पर इन्हें विभिन्न पीठों के समक्ष सूचीबद्ध किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन पर सेवाएं कुछ देरी से संचालित हुईं

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन पर सोमवार को सुबह के व्यस्त समय में सेवाएं प्रभावित होने से यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने कहा कि हैदरपुर बादली मोड़ और जहांगीरपुरी स्टेशनों के बीच तकनीकी कारणों से सेवाएं देरी से संचालित हो रही हैं। मेट्रो की येलो लाइन गुरुग्राम में मिलेनियम सिटी सेंटर और दिल्ली में समयपुर बादली के बीच संचालित होती है। डीएमआरसी ने सुबह 8:50 बजे सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, हैदरपुर बादली मोड़ और जहांगीरपुरी के बीच सेवा में देरी हुई। अन्य सभी लाइनों पर सेवा सामान्य है।

विधानसभा चुनाव से पहले क्षतिग्रस्त सड़कों और गड्ढों की मरम्मत की जाएगी: आतिशी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार सड़क मरम्मत समेत विभिन्न कार्यों को फिर से शुरू करेगी, जिन्हें आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल के जेल में रहने के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कथित तौर पर बाधित किया था।

आतिशी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनकी सरकार अगले साल की शुरूआत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत करवाएगी।

उन्होंने कहा कि पार्टी ने 89 क्षतिग्रस्त पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) सड़कों की पहचान की है, जिनकी मरम्मत की जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए 74 टेंडर जारी किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप नेताओं ने कई निरीक्षणों के दौरान कुल 6,671 गड्ढों की पहचान की है और इनमें से 3,454 को पहले ही भरा जा चुका है। संवाददाता सम्मेलन को केजरीवाल ने भी संबोधित किया। केजरीवाल ने कहा, ह्यजब मैं जेल में था, तो इन लोगों (भाजपा) ने दिल्ली सरकार के कई काम रोक दिए थे। मेरे लौटने के बाद, मैंने और आतिशी ने सड़कों का निरीक्षण किया और पाया कि वे अच्छी स्थिति में नहीं थीं। मैंने उन्हें पत्र लिखा और अनुरोध किया कि आतिशी जी तुरंत प्रभाव से इन सड़कों की मरम्मत करवाएं।

डकैती और हत्या के प्रयास में 5 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

डाबड़ी थाना की पुलिस टीम ने डकैती और हत्या के प्रयास के मामले में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान रोहित उर्फ बाबा, साहिल, कार्तिक, रोहित और शंभू के रूप में हुई है। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया की ये सभी आदर्श अपार्टमेंट, सोलंकी मार्केट के पास किसी वारदात को अंजाम देने की नियत से घूम रहे थे। लेकिन इनके बारे में इंफॉर्मेशन मिल गई और पुलिस ने ट्रैप लगाकर गंदा नाला के पास से सभी को दबोच लिया। ये सभी वही आरोपी हैं, जिन्होंने 25 सितंबर को बिंदापुर के मदर डेयरी बूथ के पास रात में डकैती की वारदात को अंजाम दिया था। एक सख्स गोविंद को घायल करके उससे लूटपाट भी किया था। वारदात कोली रात आईजीआई हॉस्पिटल से पुलिस को सूचना मिली थी। एक सख्स घायल हालत में भर्ती कराया गया है। पुलिस को राजापुरी में रहने वाले गोविंद नाम के घायल सख्स ने बताया की वह सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम करता है। जेजे कलोनी की तरफ जा रहा था। इसी दौरान बब्बू उर्फ लंबू का कॉल आया की वह उससे मिलना चाहता है। रात में बबलू अपने दोस्तों मुस्तफा, विजय, रोहित, कार्तिक, पोली सहित और दो तीन दोस्तों के साथ उससे मिलने के लिए आया। मुस्तफा के पास पिस्टल था, उसने पीड़ित गोविंद पर फायर किया लेकिन गोली पिस्टल में ही फस गई। उसके बाद उसने पिस्टल के बट से उसके सिर पर हमला करके उसे घायल कर दिया। बाकी लोगों ने उसकी पिटाई कर दी और 20 हजार उससे लूटकर फरार हो गए। उस मामले में डाबड़ी थाना में एफआईआर दर्ज हुआ और आरोपियों की तलाश शुरू की गई थी। एसएचओ वीरेंद्र सिंह की देखरेख में सब इंस्पेक्टर शंकर, एएसआई धर्मेंद्र की टीम ने टेक्निकल सर्विलेंस की मदद से इन आरोपियों के बारे में पता लगाना शुरू किया और फिर इन पांचो को गंदा नाला के पास से ट्रैप लगाकर गिरफ्तार कर लिया गया। यह सभी आरोपी सीतापुरी, चाणक्य प्लेस के अलावा बिंदापुर एक्सटेंशन के रहने वाले हैं।

चंडीगढ़ और हरियाणा की शराब की खेप नजफगढ़ में बरामद

संवाददाता

द्वारका जिला के स्पेशल स्टाफ की पुलिस टीम ने चंडीगढ़ और हरियाणा में सिर्फ बिकने के लिए मान्य शराब की एक बड़ी खेप को बरामद किया है। इस मामले में 4450 क्वार्टर शराब का बरामद किया है और तस्करी में इस्तेमाल टेंपो को भी पुलिस ने जब्त किया है। इस मामले में एक इंटर स्टेटस शराब तस्कर को भी पुलिस ने गिरफ्तार करने में कामयाबी पाई है।

डीसीपी अंकित सिंह के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान सनी के रूप में हुई है, यह हरियाणा के सोनीपत का रहने वाला है। इसके खिलाफ नजफगढ़ थाना में एक्साइज एक्ट के तहत मामला भी दर्ज किया गया है। इंस्पेक्टर कमलेश कुमार की देखरेख में एसआई राकेश, एएसआई रेशम सिंह इत्यादि की टीम ने एक इनफॉरमेशन मिलने पर द्वारका एक्सप्रेसवे के पास ट्रैप लगाया और एक टेंपो को रोका। जिसके अंदर तलाशी ली गई तो 89 कार्टून शराब की पेटियां भरी हुई थी। जिसमें से 4450 क्वार्टर शराब के बरामद किए गए। यह हरियाणा से लाकर द्वारका में फेस्टिवल सीजन में ड्राई डे के दिन बेचने के लिए लाए गए थे।

एग्जिट पोल ने दिखा दिया हरियाणा से भाजपा की विदाई तय है : सिसोदिया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

हरियाणा में 90 विधानसभा सीटों के लिए हुए विधानसभा चुनाव के बाद जारी एग्जिट पोल के पूर्वानुमानों में भाजपा राज्य में सत्ता गंवाती दिख रही है। आधा दर्जन से ज्यादा एग्जिट पोल में भाजपा को हैट्रिक से चूकते दिखाया गया है। वहीं, कांग्रेस को बहुमत का आंकड़ा दिया है। एग्जिट पोल के आंकड़ों से कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक में शामिल राजनीतिक दल खुश हैं। हालांकि, भाजपा को भरोसा है कि परिणाम उनके पक्ष में ही आएंगे, क्योंकि ह्यपिक्चर अभी बाकी है।

दरअसल, 5 अक्टूबर को हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों पर मतदान संपन्न होने के बाद 8 अक्टूबर को मतगणना होगी। एग्जिट पोल के पूर्वानुमान सामने आने के बाद विपक्ष भाजपा पर हावी है। सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा है कि हरियाणा के एग्जिट पोल ने दिखा दिया है कि हरियाणा से इनकी विदाई तय है। भारत के लोग भारतीय जनता पार्टी को विदा कर रहे हैं। हरियाणा के एग्जिट पोल भी यही बात साबित कर रहे हैं। मनीष सिसोदिया ने कहा, हरियाणा के विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद आए एग्जिट पोल ने भाजपा का समीकरण इनके सामने कर दिया है। एग्जिट पोल ने दिखा दिया है कि भाजपा की इस राज्य से विदाई तय हो गई है। उन्होंने कहा कि इसकी शुरूआत लोकसभा चुनाव के परिणाम से ही हो चुकी थी। अब हरियाणा के एग्जिट पोल से लोग अंतिम बार भाजपा की सरकार देख रहे हैं। एग्जिट पोल ने साफ कर दिया है कि हरियाणा से भाजपा के जाने का समय आ गया है। यह पूछे जाने पर कि आम आदमी पार्टी ने भी पूरी ताकत के साथ हरियाणा का विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन एग्जिट पोल में उसे एक भी सीट मिलती हुई नहीं दिख रही है, मनीष सिसोदिया सवाल को टालते दिखे। उन्होंने कहा, मैं आश्वस्त हूं कि केंद्र सरकार जिस तरह से केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है, वह खुद को खत्म कर रही है। भारत के लोग भाजपा को अब विदा कर रहे हैं।

बुजुर्ग दादी के गले में चॉक लगा खींचा कान की बालियां

बेहोश होकर गिरी, घायल दादी के कान से निकले खून

संवाददाता

- 36 घंटे में 3 को दबोचकर बरामद किया कान की बालियां

बुजुर्ग महिलाओं को टारगेट करके उनसे लूटपाट करने वाले एक गैंग का मोती नगर पुलिस ने खुलासा किया है। जो पीछे से गले में चॉक लगाकर कान की बालियां और अन्य जेवरात लूटकर फरार हो जाते थे। वे इस तरह से ज्वैलरी खींचते की बुजुर्ग महिला घायल भी हो जाती थी। जायदा गला दबाने से बेहोश होकर जमीन पर गिर जाती थी। इन तीन बदमाशों को गिरफ्तार 36 घंटे के अंदर दबोच कर बुजुर्ग महिला से लूटी गई गोल्ड ज्वेलरी को भी बरामद कर लिया गया है। डीसीपी वेस्ट विचित्र वीर के अनुसार गिरफ्तार बदमाशों की पहचान हिमांशु सागर, रमेश कुमार और चिंटू कुमार के रूप में हुई है। यह तीनों पश्चिम पुरी, मादीपुर और पंजाबी बाग इलाके के रहने वाले हैं। इन्होंने 3 अक्टूबर की रात के समय एक बुजुर्ग महिला से उसके घर के बाहर वारदात को अंजाम दिया था। जब वह बुजुर्ग महिला पोती को ट्यूशन से लाने जा रही थी। बदमाश पीछे से पहुंचे एक ने गले में चौक लगाया और दूसरे ने कान की बाली खींच ली। जिसमें महिला घायल भी हुई थी और वह अनकॉन्शियस होकर वहीं पर गिर गई थी। उस मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू की। एसीपी विजय सिंह की देखरेख में एसएचओ वरुण दलाल, सब इंस्पेक्टर रॉबिन खटाना और गंगाराम की टीम ने दर्जनों सीसीटीवी फुटेज को खंगाला और आखिरकार कुछ सीसीटीवी फुटेज को शॉर्ट लिस्ट किया फिर उसके आधार पर छानबीन करती हुई इनके बारे में पुलिस ने पता लगाया। पहले हिमांशु सागर और रमेश कुमार को पकड़ा फिर इसकी निशानदेही पर इसके तीसरे साथी सिंटू कुमार को भी पकड़ा गया। इन्होंने छीनी गई कान की बालियां 14000 रुपए में बेची थी। पुलिस ने कान की बालियां बरामद कर ली और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करके आगे की छानबीन कर रही है।

रघुवीर नगर सेवा बस्ती में खेल महोत्सव हुआ आयोजित

- बच्चों को गिफ्ट देकर की गई उनकी हौसला अफजाई

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

पश्चिमी दिल्ली के रघुवीर नगर में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा द्वारा संचालित झुग्गी खेल महोत्सव के तहत खेल महोत्सव आयोजित हुआ। यहां टंकी वाली झुग्गी परिसर में में आयोजित खेल महोत्सव में काफी संख्या में लड़के/लड़कियों ने खिलाड़ियों के रूप में भाग लिया। यहां दिल्ली बीजेपी के वरिष्ठ नेता, महरौली विधानसभा के प्रभारी राजीव बब्बर और भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री रिंकू रेडनाल भी पहुंचे। इन्होंने खेल महोत्सव में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की हौसला अफजाई किया और उन्हें पुरस्कृत भी किया।

राजीव बब्बर ने रघुवीर नगर टंकी वाली सेवा बस्ती में आयोजित झुग्गी बस्ती खेल महोत्सव के खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। कहा की खेल में हारना, जीतना जरूरी नहीं, खेलना अत्यंत जरूरी है। यह भावना खेल की सच्ची भावना को दशार्ती है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समुदाय को एक साथ लाना और खेल के माध्यम से एकता और सौहार्द को बढ़ावा देना है। यह आयोजन न केवल खेलों का जश्न मनाता है, बल्कि यह विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों को एक साथ लाने और उनके कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर भी प्रदान करता है।

ऐसे आयोजनों से न केवल खिलाड़ियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने का मौका मिलता है, बल्कि यह समुदाय के लिए भी एक सकारात्मक संदेश भी देता है। खेल केवल जीतने के बारे में नहीं है, बल्कि यह एकता, सौहार्द और खेल भावना के बारे में बताता है। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री रिंकू रेडनाल ने बताया की दिल्ली की झुग्गियों के अंदर पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा द्वारा खेल महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। यह कार्यक्रम दिल्ली की हर झुग्गी में हो रहा है।

चोरी के मामले में नए आपराधिक कानून के तहत पहली दोषसिद्धि

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नए आपराधिक कानूनों के तहत पहली बार चोरी के एक मामले में 20 वर्षीय व्यक्ति को दोषी करार देने का दावा किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शकरपुर निवासी नीरज को एक जुलाई से लागू भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के नए कानूनों के तहत चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उसे तीन महीने की कैद की सजा सुनाई गई है। पुलिस उपायुक्त (रोहिणी) जी. एस. सिद्धू ने कहा कि रोहिणी के बुध विहार इलाके में एक घर से कुछ आभूषण और कीमती सामान चोरी करने के आरोप में नीरज के खिलाफ नौ जुलाई को धारा 305 (ए) / 332 (सी) / 3 (5) के तहत चोरी का मामला दर्ज किया गया था। अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उसकी पहचान होने के बाद अगले दिन उसे गिरफ्तार कर लिया गया। सुनवाई के दौरान रोहिणी की एक अदालत में नीरज के खिलाफ आरोप तय किए गए। अधिकारी ने बताया कि अदालत को रिकॉर्ड पर पर्याप्त सामग्री मिलने के बाद यह साबित हो गया कि नीरज ने अपराध किया है। अदालत ने उसे दोषी करार दिया और नौ सितंबर को उसे तीन महीने की सजा सुनाई। डीसीपी ने एक बयान में कहा कि दिल्ली में नए आपराधिक कानूनों के तहत यह पहली दोषसिद्धि है। नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नए आपराधिक कानूनों के तहत पहली बार चोरी के एक मामले में 20 वर्षीय व्यक्ति को दोषी करार देने का दावा किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शकरपुर निवासी नीरज को एक जुलाई से लागू भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के नए कानूनों के तहत चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उसे तीन महीने की कैद की सजा सुनाई गई है। पुलिस उपायुक्त (रोहिणी) जी. एस. सिद्धू ने कहा कि रोहिणी के बुध विहार इलाके में एक घर से कुछ आभूषण और कीमती सामान चोरी करने के आरोप में नीरज के खिलाफ नौ जुलाई को धारा 305 (ए) / 332 (सी) / 3 (5) के तहत चोरी का मामला दर्ज किया गया था। अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उसकी पहचान होने के बाद अगले दिन उसे गिरफ्तार कर लिया गया। सुनवाई के दौरान रोहिणी की एक अदालत में नीरज के खिलाफ आरोप तय किए गए। अधिकारी ने बताया कि अदालत को रिकॉर्ड पर पर्याप्त सामग्री मिलने के बाद यह साबित हो गया कि नीरज ने अपराध किया है। अदालत ने उसे दोषी करार दिया और नौ सितंबर को उसे तीन महीने की सजा सुनाई। डीसीपी ने एक बयान में कहा कि दिल्ली में नए आपराधिक कानूनों के तहत यह पहली दोषसिद्धि है। वर्ष 2017 में उसकी शादी उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में हुई थी। सात वर्ष बाद भी कोई संतान न होने की वजह से ससुराल वाले उसे ताना मारते थे। उसे बांझ बुलाते थे। जिससे वह काफी परेशान चल रही थी। काफी इलाज भी कराया, लेकिन संतान की प्राप्ति नहीं हो सकी।

पूर्वी दिल्ली में रामलीला के दौरान करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली । पूर्वी दिल्ली में रामलीला के दौरान एलईडी पैनल की मरम्मत करते समय 20 वर्षीय युवक की करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। शाहदरा निवासी वीरू रविवार शाम आनंद विहार इलाके में कड़कड़डूमा न्यायालय परिसर के पास सीबीडी ग्राउंड में आयोजित रामलीला के दौरान पैनल की मरम्मत कर रहा था, तभी यह दुर्घटना हुई। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और वीरू को हेडगेवार अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रामलीला समिति के सदस्य श्वेत गोयल ने बताया कि वीरू उस विक्रेता के अधीन काम करता था, जिसने एलईडी पैनल लगाया था। गोयल ने कहा, काम करते समय उसने गलती से किसी अन्य तार को छू लिया, जिससे उसे करंट लग गया और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज किया गया है।

ससुराल वालों को बताया गर्भवती हूं फिर सूनी गोद भरने के लिए चुराई बच्ची

नई दिल्ली। खुद की सूनी गोद भरने के लिए एक महिला ने दो वर्षीय बच्ची का अपहरण कर लिया। विजय विहार पुलिस को जैसे ही इसकी सूचना मिली, कई टीम गठित कर तुरंत छानबीन शुरू कर दी। 300 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद पुलिस को आरोपित महिला का सुराग मिला। जैसे ही महिला बच्ची को लेकर उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर भागने वाली ही थी, इससे पहले पुलिस ने आरोपित महिला को दबोच लिया। इसके कब्जे से बच्ची को सुरक्षित बरामद कर उसके मां-बाप को सौंप दिया। आरोपित ने बच्ची को कुरकुरे के पैकेट का लालच देकर अगवा किया था। वह बच्ची को लेकर अपने एक परिचित के घर आ गई थी। उसने बच्ची को अगवा करने से काफी समय पहले ही ससुराल वालों को बता दिया था कि वह प्रेग्नेंट है। आरोपित महिला की पहचान निर्जला देवी उर्फ प्रीति के रूप में हुई है। जो कुछ समय से विजय विहार फेज-2 में रहती थी। जानकारी के मुताबिक बीते शनिवार को विजय विहार में रहने वाले मोहम्मद कमरुल हक विजय विहार थाना पहुंच अपनी दो साल की बच्ची के लापता होने की जानकारी दी। पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर, बच्ची को ढूढने के लिए आनन-फानन में कई टीम बनाई। पीड़ित के घर के आसपास सीसीटीवी फुटेज को खंगालने में पुलिस की कई टीम जुट गई। इस दौरान एक फुटेज में महिला बच्ची को अपने साथ ले जाती दिखी। महिला के जाने के दिशा में पुलिस ने एक के बाद एक करीब 300 कैमरे खंगाले। जिसके बाद महिला का सुराग मिल सका। जिसके बाद पुलिस ने रोहिणी सेक्टर-5 के पास से महिला को पकड़ लिया। इसकी निशानदेही पर बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस पूछताछ में महिला ने उसका मायका बिहार के पटना में है।

श्री राम ने किया शिव धनुष का खंडन

नई दिल्ली (जीतेन्द्र शर्मा)

श्री धार्मिक लीला कमिटी (रजि.), लाल किला मैदान रामलीला मे 03अक्टूबर 2024 से शुरू हो गई और इस साल की 101 साल पूरे होने पर इस साल की सभी झलकियों और तैयारियों को साझा किया। 06 अक्टूबर 2024 को श्री रामजी ने शिव धनुष को तोड़ दिया जिससे सभी दर्शक आश्चर्यचकित रह गए और राम सीता विवाह हुआ । और विशेष मेहमान जो इसमें शामिल हुए श्री पवन जिंदल (फर संघ के संघचालक),अनिल बालिनी (सांसद),रामप्रीत मंडल (सांसद), हरहा शर्मा ,चिंटू लीडर पुरानी दिल्ली ,विंदू दारा सिंह,भारतीय अभिनेता, शिल्पा रायजादाभारतीय अभिनेत्री,शहबाज खान, अभिनेता

और 06 अक्टूबर2024 को कवि सम्मेलन ,12 अक्टूबर को दशहरा है और 13 अक्टूबर को विशेष आतिशबाजी के साथ भरत मिलाप है और 14 अक्टूबर को रामजी भव्य यात्रा है। भारत के वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी और भारत के प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी और विभिन्न देशों के कई राजदूतों और राजनयिकों को रामलीला के लिए आमंत्रित किया गया।

इस वर्ष रामलीला के 101 वर्ष हैं और इस वर्ष हम उन सभी को सम्मानित कर रहे हैं जो सामाजिक गतिविधि कर रहे हैं विकास, अनाथालय, महिला सशक्तिकरण, वृद्धावस्था देखभाल, शिक्षा और शिक्षित भारत संरक्षित भारत, लैंगिक समानता, स्वच्छता और स्वच्छ भारत और सुरक्षित वातावरण.

जो लोग अच्छा काम कर रहे हैं उन्हें सम्मानित किया जाएगा ताकि समाज के लिए सभी की भलाई के लिए प्रेरित किया जा सके और श्री राम जी के सिद्धांतों का भी पालन किया जा सके।

श्री धार्मिक लीला कमिटी (रजि.), लाल किला मैदान के सभी सदस्यों आमंत्रित हैं और अपना समय रामलीला के लिए समर्पित किया और निम्नलिखित नाम हैं: धीरज धर गुप्ता, सुरेश गोयल,प्रदीप सरन,महेश गुप्ता,राकेश गुप्ता,रजत गुप्ता,अतुल गुप्ता,कमल कांत जैन,सतीश गर्ग,ब्रहम सोनी,मनीष गुप्ता,सुनील गुप्ता,मोहम्मद उस्मान,राजेश गुप्ता,सुशील जैन,ब्रहम सोनी,ओम किशन गुप्ता,अभिषेक गोयल,सोनल गुप्ता,शिवम गुप्ता,विकास गुप्ता,विनय शर्मा,चमन शर्मा ,उत्सव शर्मा '

चोरी के मामले में नए आपराधिक कानून के तहत पहली दोषसिद्धि

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस ने नए आपराधिक कानूनों के तहत पहली बार चोरी के एक मामले में 20 वर्षीय व्यक्ति को दोषी करार देने का दावा किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि शकरपुर निवासी नीरज को एक जुलाई से लागू भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के नए कानूनों के तहत चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उसे तीन महीने की कैद की सजा सुनाई गई है। पुलिस उपायुक्त (रोहिणी) जी. एस. सिद्धू ने कहा कि रोहिणी के बुध विहार इलाके में एक घर से कुछ आभूषण और कीमती सामान चोरी करने के आरोप में नीरज के

संक्षिप्त खबरें

भीड़ एवं ट्रैफिक व्यवस्था को नियंत्रित करने चौक चौराहे पर तैनात रहेगी पुलिसः अंचल अधिकारी

संग्रामपुर मुंगेर। दुर्गा पूजा को लेकर नगर पंचायत में तैयारियां शुरू हो चुकी है परंतु प्रत्येक साल अष्टमी नवमी एवं दशमी मैं श्रद्धालुओं एवं मेले में आने वालों की भीड़ की वजह से पूरे बाजार में जाम की समस्या लगी रहती है। इस वजह से परिवार के साथ मेला देखने आए लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।कुछ समय पहले संग्रामपुर थाना परिसर में आयोजित शांति समिति की बैठक में ही नगर पंचायत के लोगों के द्वारा मेले में ट्रैफिक और बेवजह जहां-तहां गाड़ी खड़ी करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए मेले को जाम मुक्त रखने पर भी चर्चा की गई।। नगर पंचायत में हटिया परिसर, डाक बंगला परिसर दुर्गा प्रतिमा स्थापित कर मेले का आयोजन होता है। मेले में भीड़ की वजह से एवं खासकर टोटो चालक के मनमानी रवैया की वजह से अक्सर जाम लगी रहती है। वैसे तो टोटो का कहीं भी वैध पड़ाव नहीं रहने की वजह से टोटो चालक जहां-तहां अपनी गाड़ी खड़ी कर देते हैं।

संजय हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, पिता और दो भाई निकला हत्यारा

संजय और उसके भाई में आमलेट बनाने को लेकर हुआ था विवाद

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] सोमवार को हत्याकांड का खुलासा को लेकर झाझा थाना में एसडीपीओ राजेश कुमार के द्वारा पीसी किया गया जिसमें हत्या में संल्पित तीनो गिरफ्तार आरोपी के संदर्भ में पूरी जानकारी दी। बीते 3 अक्टूबर को धोबियाकुरा गांव के समीप खेत में मिले गोंगाकुरा गांव निवासी संजय मांझी के शव मामले में पुलिस ने 72 घंटे में हत्याकांड का खुलासा करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

एसडीपीओ ने घटना के दिन संजय मांझी और उसके भाई में घर में आमलेट बनाने को विवाद हुआ था जिसके बाद संजय की हत्या उसके भाई ने कर दिया और घटना को दूसरा रूप देने के लिए उसके शव को दूसरे जगह पर फेंक दिया था। एसडीपीओ ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंचकर छानबीन किया और उसके बाद पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश पर मेरे नेतृत्व में एक टीम गठन किया गया जिसमें एसएचओ संजय सिंह के अलावे अन्य पुलिस पदाधिकारी डीआईयू टीम को शामिल किया गया। हत्याकांड को लेकर घटना के दिन आसपास के लोगों से पूछताछ में यह बात सामने आई थी कि घरेलू विवाद में संजय की हत्या हुई है। जिसके बाद पुलिस अनुसंधान करते हुए हत्याकांड में संलिप्त मृतक के पिता द्वारिका मांझी और उसके दो भाई संदीप कुमार और अजय मांझी को गिरफ्तार किया गया। जिसके निशानदेही पर हत्या में उपयोग किए जाने वाले तलवार को जो घर से कुछ दूरी पर छिपाकर रखा हुआ था उसे बरामद किया तथा खून लगा कपड़ा को जब्त किया गया।

भाड़ा में बढ़ोतरी का निर्णय लेते हुए वाहन चालक मालिकों ने कि बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] झाझा चैती दुगार्मंदिर के समीप वाहन चालक एवं मालिकों के द्वारा एक बैठक आयोजित कि गयी। चालकों एवं मालिकों ने कहा कि बढ़ती मंहगाई में हमलोगों को कम भाड़ा मिल रहा है जिसके कारण हमलोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बैठक में चालक, मालिकों ने अलग अलग दिशाओं में अलग अलग भाड़ा भी तय किया। बैठक में भाड़ा बढ़ोतरी सहित अन्य कई बिंदुओं पर चर्चा किया गया। वाहन चालक, मालिकों ने निर्णय लिया कि नगर क्षेत्र में छोटे वाहन से लेकर बड़े वाहनों को जिसमें माल ढुलाई कि जाती है उन सभी वाहनों का भाड़ा में बढ़ोतरी कि जाए। इसके अलावे दुकानदारों के द्वारा ओवरलोड भी कर दिया जाता है। इसलिए अब वाहनों पर ओवरलोडिग नही होगा और झाझा से देवघर, जमुई या अन्य कई जगहों पर जो थोक विक्रेता अपना सामान वाहनों पर लोड कर भेजते है उनलोगों से अब कम भाड़ा नही लिया जाएगा। बैठक में मनोज कुमार दीपक कुमार, चंदन कुमार, मनोज कुमार सहित कई चालक, मालिक मौजूद थे।

गिद्धौर के कोल्हुआ गांव में देर रात्रि चोरों ने गेट का ताला तोड़ कर हजारों रुपये के संपत्ति को उड़ा ले गए चोर

- पुलिस मामले की कर रही छानबीन

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। खैरा थाना क्षेत्र के कोल्हुआ पंचायत अंतर्गत कोल्हुआ गांव में देर रात्रि चोरों ने एक घर में मेन गेट का ताला तोड़ कर लगभग दो लाख रुपये के चोरी कर ली। जानकारी अनुसार खैरा थाना क्षेत्र के कोल्हुआ निवासी गृहस्वामी नरेश राम के घर चोरों ने देर रात्रि गेट तोड़ कर घर के प्रवेश कर अलमीरा में रखे सोने चांदी के आभूषण बर्तन बेशकीमती सामान साहित चौतीस हजार रुपए नगदी की चोरी कर ली। पीड़ित नरेश राम की बहन सरिता देवी ने जानकारी देते हुए बताया हमारे भाई नरेश राम के परिवार कही बाहर गये हुए थे।इसी का फायदा उठते हुए चोरों ने घर के कमरे में रखे अलमीरा में आठ ग्राम सोना,पाँच ग्राम के अंगुठी,15 पीस चाँदी का सिक्का,स्टेट बैक का एटीएम,क्रेडिट कार्ड,जीएसटी का पेपर,जमीन के सभी कागजात, 34 हजार रुपये नकदी सहित कई जरूरी सामानों की चोरी कर ली हम सबों को कुछ पता नही चल सका। इधर चोरी के इस घटना की सूचना खैरा पुलिस को पीड़ित परिजनों द्वारा थाने को दी गयी है। वहीं मामले को लेकर थानाध्यक्ष ने कहा है कि पीड़ित द्वारा आवेदन दिया गया है छानबीन जारी है, जल्द ही घटना को अंजाम देने वाले चोर पुलिसिया गिरफ्त में होंगे।

नगर क्षेत्र में चलाया गया पुलिस प्रशासन के द्वारा फ्लैग मार्च

पूजा पंडालों का निरीक्षण करते हुए एसडीपीओ ने दिया आवश्यक दिशा निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] सोमवार को एसडीपीओ ने नगर क्षेत्र के चारो ओर फ्लैग मार्च करते हुए लोगों को पूजा में शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी कोई झूठी अफवाह पर ध्यान नही देने का अपील किया। फ्लैग मार्च के दौरान एसडीपीओ एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी रेलवे इंडियन इंस्टीच्यूट, बारोवारी दुगार्मंदिर, सार्वजनिक दुगार्मंदिर, एवं मुख्य बाजार स्थित बड़ी दुगार्मंदिर पहुंचकर पूजा समिति को कई तरह के गाइडलाइन को फिर से दुहराया।दुगार्पूजा में शांति व्यवस्था कायम रखने के साथ पूजा समिति को विभिन्न प्रकार का दिशा निर्देश देने को लेकर झाझा पुलिस प्रशासन की ओर से फ्लैग मार्च निकाली गई जिसमें एसडीपीओ राजेश कुमार, एसएचओ संजय सिंह, बीडीओ रविजी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल थे। हर पूजा पंडाल में पूजा समिति के सदस्यों के साथ सादे लिबास में पुलिस भी मौजूद रहेगे ताकि असामाजिक तत्व के लोगों पर नजर बनाया जा सके ।एसडीपीओ ने बताया कि लगातार पुलिस प्रशासन पूजा में शांति व्यवस्था को कायम रखने को अपने कार्यो को कर रहे है। पूजा पंडाल का भी निरीक्षण किया और पूजा समिति को दिशा निर्देश देते हुए पूजा पंडाल में आवश्यक नंबर, पूजा समिति के सदस्यों का नंबर लिखा हुआ रहने की बात कि इसके अलावे पूजा पंडाल में स्टेज की मजबूती भी देखा गया ताकि किसी भी तरह की कोई अप्रिय घटना न हो। सीसीटीवी कैमरा भी पूजा पंडाल में लगा है या नही इसकी भी जांच कि गई। एसडीपीओ ने बताया कि पूजा के दौरान ट्रेफिक व्यवस्था दुरूस्त रहेगी इसको लेकर शहर में 12 जगहों पर बेरिकेटिग भ लगाया जाएगा और पुलिस प्रशासन की नियुक्ति भी कि जाएगी।

घर के बाहर से हुई बाइक की चोरी

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर/जमुई। गिद्धौर में इन दिनों चोरी की वारदात बड़े पैमाने पर बढ़ रही है। ताजा मामला गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत पतसंडा पंचायत निवासी स्व. मोहन रावत के पुत्र रंजन कुमार की बाइक चोरी का है। पीड़ित ने गिद्धौर थानाध्यक्ष को आवेदन देते हुए बताया है कि रविवार, 6 अक्टूबर की रात घर के बाहर अपनी बजाज डिस्कवर बाइक (गाड़ी संख्या बीआर 46 ए 8737) हर दिन की तरह खड़ी किया। सुबह जब घर से निकला तो देखा की बाइक वहां नहीं थी। इधर उधर बहुत ढूंढने के बाद भी गाड़ी का थाह पता नहीं लगा। जिसके बाद थाना में आवेदन दे रहा हूं। पीड़ित रंजन कुमार ने गिद्धौर पुलिस से आग्रह किया है कि मामले में कानूनी कार्रवाई करते हुए चोरी की गई गाड़ी ढूंढने की कृपा की जाए।

भाकपा के प्रतिनिधिमंडल ने जिला बंदोबस्त पदाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मुजफ्फरपुर।भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल आज जिला बंदोबस्त पदाधिकारी को स्मार-पत्र देकर विशेष भूमि सर्वेक्षण और बंदोबस्त कार्य पर फिलहाल रोक लगाने तथा भू-धारियों के समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने की मांग की है। स्मार पत्र में कहा गया है कि भूस्वामियों को जमीन संबंधी दस्तावेज नहीं रहने, जमाबंदी तथा परिमार्जन सुधार नहीं होने, दाखिल-खारिज के मामले लंबित रहने से भूमि सर्वेक्षण कार्य में अत्यंत कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। बिचौलिए इन्हीं परिस्थिति का लाभ उठाते हुए नाजायज पैसे की उगाही कर रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने भूधारको को दस्तावेज उपलब्ध करने एवं अपलोड करने के लिए पर्याप्त समय देने, अंचल कार्यालय में लंबित म्यूटेशन तथा परिमार्जन के मामले का अभियान चलाकर निष्पादन करने, जमाबंदी सुधार के आवेदनों को प्राथमिकता देकर निदान करने एवं पर्चा धारियों को जमीन पर कब्जा तथा कब्जा वाली जमीन का शीघ्र पर्चा देने की मांग की।

मुख्यमंत्री द्वारा एक साथ कई योजनाओं की राशि का किया हस्तांतरण

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभुकों की स्वीकृति के पश्चात लाभुकों को एक साथ प्रथम किस्त का भुगतान, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत शौचालय निर्माण के उपरांत प्रोत्साहन राशि का भुगतान,सत्त जीविकोपार्जन योजना अंतर्गत लाभार्थियों को जीविकोपार्जन संवर्धन हेतु राशि का हस्तांतरण, जीविका अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों को बैंक ऋण की राशि का विभिन्न बैंकों के माध्यम से सोमवार 07 अक्टूबर को अपराह्न 4:00 बजे हस्तांतरण माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कर कमलों द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से किया गया। जिला स्तर पर ठक्ष में जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में सांकेतिक रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण के 04 लाभुकों की स्वीकृति पत्र दिया गया। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत शौचालय निर्माण के उपरांत 03 लाभुक को प्रतीक चिन्ह एवं जीविका के तत्वावधान में सत्त जीविकोपार्जन योजना अन्तर्गत लाभार्थियों को जीविकोपार्जन संवर्धन, स्वयं सहायता समूहों को सामुदायिक निवेश निधि, सहायता समूहों को बैंक ऋण की राशि के संकेतिक रूप से चेक का वितरण किया गया। जिला स्तर से इस कार्यकम हेतु सन्निहित राशि : स्तत जीविकोपार्जन योजना अन्तर्गत 562 दीदियों को 1.9266 करोड़ । स्वयं सहायता समूहों को सामुदायिक निवेश निधि के तहत 323 समूहों को 3.2835 करोड़ रू० दिया जायेगा। स्वयं सहायता समूहों को बैंक ऋण के रूप में कुल 183 समूहों को 4.905 करोड़ रू० दिया जायेगा। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत कुल 2141 लाभुकों को 2. 5692 करोड़ रू० दिया जायेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत कुल 911 लाभुकों को प्रथम किस्त की राशि 3.644 करोड़ रू० की राशि दिया जायेगा

ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत जिलाधिकारी ने राशि से संबंधित चेक वितरण किया

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। ग्रामीण विकास विभाग के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं के लाभुकों को सोमवार को समाहरणालय स्थित संवाद कक्ष में जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह द्वारा राशि से संबंधित चेक तथा आवास का स्वीकृति पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह, डीआरडीए निदेशक सहित अन्य उपस्थित थे। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत 996 लाभार्थियों को प्रथम कि स्त की 3.48 करोड़ की राशि जमालपुर प्रखंड के इन्द्ररूख पूर्वी पंचायत की तेतरी देवी, पे०-झकसू साह, रिंकी देवी, पे० भूपेन्द्र मंडल, नीलू देवी, पे०-उमेश तांती, सुलोचना देवी, पे०- ईश्वर चौधरी, पाटम पूर्वी पंचायत की निर्मला देवी, पे०-अर्जुन साव, शोभा कुमारी, पे० ललीत नारायण यादव, लक्ष्मी देवी, पे०-दिनेश यादव तथा बांक पंचायत की काशमीरी बेगम, पे०-मो० गुलाम नवी, लाडली खातून, पे०-मो० आरजू रेन, सोनी खातून, पे०- मो ० मुशताक को स्वीकृति पत्र वितरित किया। इसके अलावा सतत जीविकोपार्जन के तहत 631 अत्यंत गरीब परिवारों को 2.09 करोड़ की सहायता राशि, जीविका अंतर्गत एसएचजी क्रेडिट लिंकेज के 170 समूह के लाभार्थियों को 4.80 करोड़, जीविका अंतर्गत एसएचजी पराक्रमी एवं सामुदायिक निधि के 167 लाभार्थियों के समूह को 2.04 करोड़ की राशि, एलएसबीए अंतर्गत शौचालय निर्माण हेतु 2042 लाभार्थियों को 2.45 करोड़ की प्रोत्साहन राशि का वितरण किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जिला प्रशासन लगातार कार्य कर रही है। पदाधिकारी अथवा कर्मियों द्वारा संबंधित योजनाओं के लाभार्थियों के आवेदन के आधार पर जांचोपरांत चिन्हित कर उन्हें स्वीकृति प्रदान की जा रही है। जिले में संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ लाभार्थियों को दिलाया जा रहा है। उन्होंने सभी लाभार्थियों से कहा के आप सभी सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी अवश्य रखें। समाचार पत्रों तथा सभी सरकारी कार्यालयों में जा कर आप योजनाओं की जानकारी लें और उसका लाभ अवश्य उठाएं।

विभिन्न सनातनी संगठन की और से सनातन धर्म को बढ़ावा देने को लेकर हुई बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] भाजपा सहित अन्य विभिन्न संगठनों की एक बैठक नगर क्षेत्र स्थित सोमवार को बरनवाल धर्मशाला में आयोजित कि गई।

बैठक की अध्यक्षता भाजपा नगर अध्यक्ष सूरज सिंह। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री शंकर प्रसाद साह उपस्थित हुए। बैठक में आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, बजरंग दल सहित अन्य सनातनी संगठन के सदस्य उपस्थित हुए। बैठक में चर्चा सनातन धर्म को बढ़ावा देने पर विशेष रूप से चर्चा कि गई और लोगों ने कहा कि सनातन धर्म का हमसभी लोग पूरी आस्था के साथ सम्मान करे।

पूर्व जिला महामंत्री ने सनातन संस्कृति और सभ्यता के बारे में बाते हुए कहा कि भारत की संस्कृति और सभ्यता विकास का मुख्य आधार है। बैठक में अन्य कई सनातन धर्म से जुड़ी अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा हुई। मौके पर विजय अग्रहरी, बिंदेश्वरी साह, सत्यनारायण तुरी, कंचन देवी, उषा देवी, आरएसएस का श्रीकुमार कर्ण सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

रतनपुर- नयागांव रेलवे फाटक पर जान जोखिम में डाल रेलवे क्रॉसिंग पार कर रहे लोग

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। आम जनों के सुरक्षा के लिए बनाए गए रेलवे फाटकों की अहमियत को दरकिनार कर लोग फाटक बंद होने पर दोपहिया वाहन चालक जान जोखिम में डालकर फाटक को पार करते है। इन लोगों को न अपनी जान की परवाह है ना सुरक्षा का। गिद्धौर प्रखंड के रतनपुर- नयागांव सड़क मार्ग रेलवे क्रॉसिंग पर आए दिन इस प्रकार का नाजारा देखने को मिलता है। रेलवे के कर्मचारी रेल आने पर फाटक को बंद तो कर देते है। लेकिन दोपहिया वाहन जल्दबाजी में अपनी जान को जोखिम में डालकर बंद फाटक के नीचे से रेलवे लाईन पार करने से बाज नहीं आते। लोग अपनी जान व नियमों को ताक पर रखकर बिना किसी भय के बंद फाटक को पार करते रहते है। कई बार तो रेल बिलकुल समीप होने पर भी वे फाटक को पार करने से परहेज नहीं करते। लेकिन दिन भर नियमों को ताक पर रखकर कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ न ही स्थानीय प्रशासन कुछ करने के मूड में नजर आ रहा है और न ही रेलवे प्रशासन की ओर से कोई कदम उठाएं जा रहे है। रेलवे विज्ञापन इत्यादि के जरिए तो लोगों को बंद फाटक पार न करने के लिए जागरुक करता है और ऐसा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी की बात कही जाती है। लेकिन जमीनी हकीकत देखी जाए तो उक्त रेलवे क्रॉसिंग पर रेल आने पर जब फाटक बंद करने के बाद दिनभर दर्जनों दोपहिया वाहन नियमों का उल्लंघन कर फाटक को पार करते हैं और इस दौरान उन्हें कोई रोकने-टोकने वाला नहीं होता है। जिसके कारण एक दूसरे की देखा देखी रेल आने तक फाटक बंद होने के बाद भी लोगों के रेलवे लाइन से गुजरने का सिलसिला जारी रहता हैं। यदि स्थानीय प्रशासन, रेलवे प्रशासन ने समय रहते इस पर संज्ञान नहीं लिया तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

डीएम और एसपी ने संयुक्त रूप से जमालपुर व सफियाबाद थाना में जनप्रतिनिधि के साथ की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद द्वारा रविवार को दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय माहौल में संपन्न कराने को लेकर विधि व्यवस्था संधारण से संबंधित बैठक जमालपुर तथा सफियाबाद थाना में सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। जिलाधिकारी ने कहा कि दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय माहौल में संपन्न कराने को लेकर जिला एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह तत्पर है, परंतु इस पूरे पर्व को संपन्न कराने में आमजन सहित स्थानीय जन प्रतिनिधियों के सहयोग भी अपेक्षित हैं। उन्होंने सभी एसएचओ से कहा कि अपने क्षेत्र अंतर्गत सभी दुर्गा पूजा समितियों के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ बैठक कर पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरे के संधारण सहित श्रद्धालुओं के लिए सभी प्रकार की सुविधाओं की भी व्यवस्था करने का निर्देश दिया। साथ ही पुलिस टीम द्वारा लगातार अपने अपने क्षेत्र अंतर्गत सभी पूजा पंडालों का लगातार निरीक्षण अथवा गश्ती करने की भी बात कही। उन्होंने दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय माहौल में संपन्न कराने की अपील की।

डीएम और एसपी ने दुर्गा महारानी मंदिर परिसर का विधि व्यवस्था संधारण को लेकर किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर ।जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद द्वारा रविवार को बड़ी दुर्गा महारानी मंदिर परिसर का विधि व्यवस्था संधारण को लेकर निरीक्षण किया गया।

जिलाधिकारी ने बताया कि निरीक्षण का उद्देश्य दुर्गा पूजा के दौरान मंदिर परिसर में उमड़ने वाली भीड़ के नियंत्रण को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने वहां मंदिर के अध्यक्ष, सचिव सहित सभी कार्यकताओं के साथ बैठक कर मेले में उमड़ने वाली भीड़ के नियंत्रण हेतु नियंत्रण कक्ष बनाने, श्रद्धालुओं के प्रवेश और निकास द्वार बनाने,

दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों के लिए पड़ाव स्थल बनाने सहित पंडाल के अंदर पूरी सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल सहित संस्था के कार्यकताओं की प्रतिनियुक्ति का आदेश दिया।

उन्होंने कहा कि पूरे मेला अवधि के दौरान मंदिर परिसर सहित मुख्य चौक चौराहों पर भी ड्रोन कैमरों सहित सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जाएगी। पुलिस गश्ती भी लगातार किए जाने को लेकर पुलिस पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

इसके अलावा उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं देते हुए सभी से अपील की है कि मेले में जिला प्रशासन द्वारा संचालित विधि व्यवस्था संधारण में अपना सहयोग दें और मेले का भरपूर आनंद उठाएं।

उन्होंने कहा कि जिला एवं पुलिस प्रशासन की टीम पूरे मेला अवधि की पल पल निगरानी रखेगी। उन्होंने कहा कि असमाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी।

आदि शक्ति माता जगदम्बा की जय हो

महामाया ब्रह्म का ही स्वरूप हैं। इसलिए, यह ब्रह्म माया के रूप में विद्यमान हैं। ब्रह्म की समस्त क्रिया भाव महामाया के ही अधीन है और यह तमोगुण की अधिष्टिता है तथा त्रयी गुण विशेष हैं। दुष्टों का संहार करने वाली तथा अपने भक्तों को कल्याण प्रदान करती है। समस्त जीव में ब्रह्म जो आत्मा रूप में विद्यमान है, वह जीवात्मा सर्वप्रथम बुद्धि का निर्माण करता है, फिर अहंकार, मन आदि चौबीस तत्वों का निर्माण करता है। जोकि प्रकृति का भाव है। ब्रह्म और प्रकृति के मध्य ही महामाया क्रियाशील रहती हैं, वह समस्त माया की मूल हैं। इन्ही से जगत मोहित होता रहता है। इनकी इच्छा से ही आत्म दर्शन संभव है। क्योंकि, यह ब्रह्म स्वरूप का आवरण की तरह हैं। लेकिन, जो पुरुष आत्म स्थित है, उस पर माया का प्रभाव नहीं होता है। इसी संदर्भ में एक प्रसंग है; सृष्टि के आरंभ में जब भगवान विष्णु शेषनाग के शैया पर शयन कर रहे थे। उसी समय उनके कान से मधु - कैटभ नाम के दो राक्षस तमोगुण के प्रभाव से प्रकट हुआ और भगवान विष्णु के नाभि कमल में विराजमान ब्रह्मा जी को खाने के लिए दौड़ा तब ब्रह्मा जी अपने ब्रह्म स्वरूप श्री नारायण की सहायता प्राप्त करने के लिए; उनके पलकों पर स्थित महामाया की स्तुति किए और भगवान को जागृत करने हेतु आग्रह किया। भगवती महामाया प्रसन्न हुई और भगवान को जगाईं तथा भगवान जागे और मधु कैटभ का संहार किए और इस प्रकार से सृष्टि की उत्पति, स्थिति और प्रलय का आरंभ हुआ। वास्तव में, क्षीर सागर ही ह्रब्रह्म सागरह्व है जो अनंत कोटि में स्थित है और शेषनाग सपार्कार सृष्टि है तथा उसपर परब्रह्म परमात्मा श्रीहरि अपने स्वरूप स्थिति में स्थित हैं महामाया इस ब्रह्म सम्पूर्ण सृष्टि चक्र में व्याप्त होकर सृष्टि क्रम का संचालन कर रही हैं। यही भगवती ब्रह्मा की माया ब्राह्मणी है, नारायण की नारायणि और शिव की शिवा, गौरी आदि हैं।

सर्वमङ्गलमङ्गल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोऽस्तु ते॥

नारायणी! तुम सब प्रकार का मंगल प्रदान करने वाली मंगलमयी हो। कल्याणदायिनी शिवा हो। सब पुरुषार्थों को सिद्ध करने वाली, शरणागतवत्सला, तीन नेत्रों वाली एवं गौरी हो। तुम्हें नमस्कार है। मां जगदम्बा समस्त मंगल प्रदान करने वाली हैं तथा सभी अमंगलो का नाश करने वाली है। सभी प्रकार के भय, दुःख, रोग, व्याधि आदि हरने वाली हैं। दुषित बुद्धि में से दुष्टता हर लेती हैं। सभी हिंसात्मक प्रवृतियों का नाश कर देती हैं और सद्बुद्धि प्रदान करती हैं।

सर्वस्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्तिसमन्विते।
भयेभ्यस्त्राहि नो देवि दुर्गे देवि नमोऽस्तु ते॥

सर्वस्वरूपा, सर्वेश्वरी तथा सब प्रकार की शक्तियों से सम्पन्न दिव्यरूपा दुर्गे देवि! सब भयों से हमारी रक्षा करो; तुम्हें नमस्कार है। ब्रह्मांड, ब्रह्म का स्थूल शरीर है। इसमें, ब्रह्म के अतिरिक्त कुछ नहीं है। उसी तरह से हमारा यह शरीर ब्रह्म मंडल ही है। अर्थात ब्रह्म से ही निर्मित है और ब्रह्म में ही स्थित है तथा ब्रह्म से ही संचालित है। इस संचालन में जो शुभ और सुंदर वह ब्रह्ममाया का ही प्रतिफल है। वह महामाया सर्वस्वरूप हैं अर्थात अनंत कोटि रूपों में हैं। लेकिन, उनका वास्तविक स्वरूप महामाया की है, जो अपनी माया से जग को मोहित कर रखी हैं। संसार की समस्त कामनाओं की पूर्ति कर अंत में जीव को इसी माया से मुक्ति दिलाकर आत्म स्वरूप की प्राप्ति करवाती हैं। माता सर्वेश्वरी हैं तथा सभी ईश्वर में जो शक्ति है और सभी ईश्वरीय शक्ति का स्त्रोत माता ही हैं। माता आदि, अनादि और सनातन हैं। लेकिन, इनकी अवस्था हमेशा नित्य यौवन की ही हैं। इसलिए, माता देवी के रूप में विद्यमान हैं। क्योंकि, माता हमेशा ब्रह्म स्थिति में ही रहती हैं और ब्रह्म किसी भी अवस्था से परे है तथा उसकी अवस्था कभी क्षीण नहीं होता है। वह सभी शक्तियों से संपन्न हैं और शक्ति ही जिनकी श्रृंगार है, वह दिव्य स्वरूप माता हमारी सभी भय का नाश करती हैं। वास्तव में, आत्म स्थिति से जगत स्थिति और जगत से ब्रह्म स्थिति में जो अनंत काम, क्रोध, लोभ, मोह, भय और अहंकार आदि माया का जो बाधा है, उससे रक्षा माता ही करती हैं। उस माता को कोटि कोटि नमन है।

ॐ ज्ञानिनामपि चेतांसि देवी भगवती हि सा।
बलादाकृष्य मोहाय महामाया प्रयच्छति ॥

वे भगवती महामाया देवी ज्ञानियों के भी चित्त को बलपूर्वक खींचकर मोह में डाल देती हैं। महामाया जो सम्पूर्ण सृष्टि को अपनी माया से मोहित कर रखी हैं। उनका ही प्रभाव समस्त चरा चर में व्याप्त है। माता ज्ञानियों के चित्त में मोह उत्पन्न करती हैं। इसका तात्पर्य है कि ज्ञान का दो स्वरूप है। एक बुद्धि जो आत्मोन्मुख है वह आत्मज्ञान या ब्रह्मज्ञान में ही स्थित रहता है तथा दूसरा ज्ञान जो इंद्रिय द्वारा संग्रहित और बुद्धि द्वारा विस्तार किया जाता है, वह संसार का ज्ञान है। सांसारिक ज्ञान से जो मोह उत्पन्न होता है, उससे अनंत संसार का निर्माण होता है। इसलिए, माता संसार की इच्छा रखने वाले को अनंत संसार प्रदान करती है और ब्रह्म की इच्छा रखने वालों का समस्त मोह का नाश कर स्वरूप की स्थिति प्रदान करती है। जिसका जो स्वरूप स्थिति है, उस स्थिति में रखना ही माता की महामाया की माया है। यह स्थिति ब्रह्म, अब्रह्म या मोह वश भ्रम की स्थिति होती है।

मध्य पूर्व में होता समुद्र-मंथन

पूरा विश्व गोया इस समय बारूद के ढेर पर बैठा हुआ है। सामने से तो यही नजर आ रहा है कि एक तरफ कल तक सोवियत संघ के रूप में साथ रहने वाले दो देश रूस व यूक्रेन युद्धरत हैं तो दूसरी तरफ इस्राईल बनाम ईरान-हमास -लेबनान व हूती के बीच युद्ध चल रहा है। परन्तु दरअसल इन दोनों ही खूनी संघर्षों के पीछे उसी अमेरिका की मुख्य भूमिका है जो दुनिया में सबसे अधिक अमन पसंदी, शांति, मानवाधिकार, लोकतंत्र और आतंकवाद को कुचलने जैसी बातें करता है। परन्तु जहाँ अमेरिका को अपने राजनैतिक हित साधने होते हैं वहां उसके यह सभी आदर्श धरे के धरे रह जाते हैं। इस समय अमेरिकी शह और उसी के भरोसे पर जहां यूक्रेन, रूस जैसी महाशक्ति से टकरा कर स्वयं को तबाह कर बैठा है वहीँ इस्राईल भी अमेरिका की ही सरपरस्ती में खूनी खेल खेलने में लगा हुआ है। पश्चिमी देशों की शह पर ही वह इस्राईल जिसने कभी रहम की भीख मांगकर अरब की सरजमीं पर अपने अस्तित्व को बचाया था। वह इस्राईल जिसे लेकर पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत ने यह निर्णय दिया है कि फिलिस्तीनी कब्जे वाले क्षेत्रों में इस्राईल की उपस्थिति गैर कानूनी है। जिसके बारे में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) ने कहा है कि इस्राइल ने पश्चिमी तट और पूर्वी यरुशलम में कब्जा करने, स्थायी नियंत्रण लगाने और बस्तियां बनाने की नीतियों को लागू करके, वहां कब्जा करने वाली शक्ति के रूप में अपनी स्थिति का दुरुपयोग किया है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने यह भी कहा है कि इस तरह की हरकतें कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र में इस्राईल की मौजूदगी को गैर कानूनी ह्व बनाती हैं। इस क्षेत्र में इस्राईल की निरंतर मौजूदगी अवैध है और इसे जितनी जल्दी हो सके समाप्त किया जाना चाहिए। वही अवैध राष्ट्र आज उन्हीं अरब क्षेत्र के लोगों की जान का न केवल दुश्मन बना हुआ है बल्कि अमेरिकी शह और अपनी सैन्य शक्ति के बल पर इसी धरती पर ग्रेटर इस्राईल के गठन का सपना भी संजोये बैठा है। इन हालात को पैदा करने के लिये अमेरिका ने दशकों से एक बड़ी साजिश रची है। अमेरिका व इस्राईल ने शिया-सुन्नी विवाद का फायदा उठाकर अरब देशों के सामने ईरान का हौव्वा खड़ा करने का एक सफल चक्रव्यूह रचा। अरब देशों के सामने ईरान को विलेन के रूप में पेश किया और अमेरिकी संरक्षण में उनकी सुरक्षा का आश्वासन दिया। इसके बदले में अमेरिका सऊदी अरब सहित मध्य पूर्व के और भी कई तेल उत्पादक देशों से ईरान से सुरक्षा के नाम पर अपनी मर्जी की कीमत पर तथा मनचाही मात्रा में तेल दोहन किया करता है। इतना ही नहीं बल्कि अमेरिका के इन पिछलग्गू अरब देशों को अपने अपने देश में लोकतंत्र का गला घोंटने, किसी भी तरह का दमन चक्र चलाने, मानवाधिकारों का हनन करने अपनी बादशाहत चलाने व तानाशाही की भी खुली छूट है। मध्य पूर्व के अनेक देश ऐसे भी हैं जिनकी पूरी अर्थव्यवस्था अमेरिका के हाथों गोया गिरवी रखी हुई। अब इस क्षेत्र में कोई बड़ी ताकत सर न उठा सके अपने इसी षड्यंत्र के तहत अमेरिका ने पहले तो इराक को तबाह किया फिर ईरान को आतंकी देश और शैतान की धुरी तथा इसे समूचे अरब जगत के लिये खतरा बताना शुरू कर दिया। पूरी दुनिया के विभिन्न देशों में आतंक की इबारत लिखने व करोड़ों बेगुनाहों की मौत का जिम्मेदार अमेरिका ही अब खुद यह तय करता है कि कौन सा देश आतंकी है, कहाँ की सेना आतंकी है, और कहाँ का शासक आतंकवाद का संरक्षक है।

भारत के पोषण लाभ और प्रगति को और मजबूत करने और निरंतरता बनाए रखने की दिशा की ओर

डॉ. राजन शंकरः डॉ. राजन शंकर एक चिकित्सक और सेना मेडिकल कोर से चिकित्सा और एंडोक्रिनोलॉजी में सेवानिवृत्त वरिष्ठ सलाहकार हैं। उन्होंने इससे पहले टाटा ट्रस्ट में पोषण निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दी। टाटा ट्रस्ट में अपनी भूमिका से पहले, डॉ. शंकर ग्लोबल एलायंस फॉर इम्प्रूव्ड न्यूट्रिशन (जीएआईएन) में दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय प्रतिनिधि थे, जहाँ उन्होंने भारत में कार्यक्रम विकास और अनुदान प्रबंधन में योगदान दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने भारत में यूनिसेफ के बाल विकास और पोषण अनुभाग में एक परियोजना अधिकारी के रूप में काम किया। डॉ. शंकर ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 100 से अधिक वैज्ञानिक पत्र प्रकाशित किए हैं।

समग्र कल्याण के लिए अच्छा पोषण बेहद जरुरी है और राष्ट्र के स्वास्थ्य और विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। पर्याप्त पोषण मिलने से, खासकर गर्भावस्था के दौरान, जन्म लेने वाले शिशु स्वस्थ होते हैं और उनकी जीवनभर बेहतर स्वास्थ्य के साथ जीवन का आनंद लेने की संभावना ज्यादा होती है। बचपन में उचित पोषण प्राप्त होने का असर बच्चों की बेहतर आईक्यू, उत्पादकता में वृद्धि और वयस्क होने पर बेहतर धन संग्रह पर भी पड़ता है। गभार्धान के पहले 1,000 दिनों के दौरान पोषण को प्राथमिकता देना, किसी भी पीढ़ी में कुपोषण के चक्र को तोड़ने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। पिछले साल कोपेनहेगन सहमति की एक रिपोर्ट के अनुसार, सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पोषण में निवेश करना सबसे प्रभावी रणनीति है। 7वां राष्ट्रीय पोषण माह 1 सितंबर से 30 सितंबर, 2024 तक मनाया गया। इस संदर्भ में, यह जानना बेहद जरुरी है कि शारीरिक स्वास्थ्य के अलावा भी कुपोषण के दीर्घकालिक प्रभाव देखे जाते है, जो खासकर सामाजिक-आर्थिक स्थितियों को भी प्रभावित करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में पीएम-पोषण योजना, एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस), लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) जैसे विभिन्न मंत्रालयों के सहयोगात्मक प्रयास इसी समझ को दर्शाते हैं। पोषण में आत्मनिर्भरः आंगनवाड़ी और पोषण वाटिका महिला और बाल विकास मंत्रालय (एमओडब्ल्यूसीडी) के नेतृत्व में सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 जैसे कार्यक्रम, पोषण परिणामों में सुधार लाने और बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और नर्सिंग माताओं में कुपोषण की चुनौतियों का समाधान करने के मकसद से संस्थागत समर्थन का एक अनूठा मॉडल पेश करते हैं। सक्षम आंगनवाड़ी पहल के तहत, आंगनवाड़ी केंद्र (एडब्ल्यूसी) बुनियादी पोषण सहायता के इतर भी व्यापक सेवाएं प्रदान करते हैं। इन सेवाओं में स्वस्थ भोजन, प्रसवपूर्व और प्रसव के बाद की देखभाल, स्तनपान की प्रक्रिया और पूरक आहार के महत्व पर मार्गदर्शन देना शामिल हैं। अपने नियमित स्वास्थ्य जांच अभ्यासों के जरिए, यह कुपोषण और अन्य स्वास्थ्य मुद्दों के लिहाज से बच्चों का मूल्यांकन करता है और उचित सहायता प्रदान करता है। आंगनवाड़ी केंद्रों को बचपन के समय में ही प्रारंभिक विकास को बढ़ावा देते हुए मातृ एवं बाल पोषण प्रयासों में सहायता करके, देखभाल की निरंतरता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। कुपोषण से निपटने के लिए नीति निर्माण में डेटा-संचालित समाधान सुनिश्चित करने में होने वाली प्रगति ही पोषण ट्रैकर की शुरूआत है। यह बेहद सक्रिय मंच, पोषण सेवाओं की योजना, निष्पादन और निगरानी में सहायता करता है ताकि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कुपोषित बच्चों की पहचान कर सकें और सेवाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाया जा सके। इस योजना के तहत एक अन्य पहल पोषण वाटिका (पोषण उद्यान) की भी शुरूआत की गई है। आमतौर पर आंगनवाड़ी केंद्रों में स्थापित इन किचन गार्डन का मकसद ताजा, स्थानीय रूप से उगाई गई सब्जियां और फल प्रदान करके बच्चों और महिलाओं के पोषण को बेहतर बनाना है। यह पहल न केवल सबसे जरुरतमंद लोगों के लिए उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता में सुधार करती है बल्कि आत्मनिर्भरता और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देकर समुदायों को सशक्त भी बनाती है। यह खाद्य योजनाओं को स्थानीय कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप बनाने की अनुमति देता है, आहार विविधता और सतत भोजन लेने की विचारधारा का समर्थन करता है। जलवायु परिवर्तन के बीच खाद्य प्रणालियों की संवेदनशीलता के संदर्भ में भारत ने बाजरा को बढ़ावा दिया है, जो जलवायु के लिहाज से बेहतर और ज्यादा पौष्टिक हैं। वर्ष 2023 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मान्यता प्राप्त, ये फसलें प्रोटीन,जरुरी फैटी एसिड, फाइबर, विटामिन बी और प्रमुख खनिजों से भरपूर हैं, जो खासकर महिलाओं और बच्चों में एनीमिया जैसी कमियों को दूर करने में मदद करती हैं। बाजरा पोषण अभियान का एक प्रमुख भाग है और आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से किशोर लड़कियों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली महिलाओं और छोटे बच्चों को प्रदान किए जाने वाले पूरक पोषण में शामिल है। कमजोर लोगों तक पहुंच बनानाः ज्यादा कुपोषण वाले वर्ग का सामुदायिक प्रबंधन पोषण एक बहुक्षेत्रीय मुद्दा है, जिसके लिए बहु-क्षेत्रीय समाधानों की जरुरत है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से, कुपोषित बच्चों के प्रबंधन के लिए हाल ही में शुरू किया गया प्रोटोकॉल, बच्चों, खासकर गंभीर रुप से कुपोषण वाले बच्चों में कुपोषण की पहचान करने और उनका प्रबंधन करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। सामुदायिक सक्रियता, नियमित स्क्रीनिंग और निगरानी जैसी जरुरी कार्यनीतियों को रेखांकित करते हुए, ये दिशा-निर्देश न केवल एक समग्र दृष्टिकोण को दशार्ते हैं, बल्कि जमीनी स्तर पर कुपोषण के प्रबंधन को कारगर बनाने के लिए, लागत के लिहाज से अनुकूल उपाय भी प्रदान करते हैं। इस कार्यक्रम में जब गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम) वाले बच्चों का चिकित्सा संबंधी समस्याओं के लिए मूल्यांकन किया जाता है, तो ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण दिवस (वीएचएसएनडी) को लेकर अतिरिक्त जांच की जाती है। जटिलताओं या कम भूख लगने की समस्या से ग्रसित बच्चों को पोषणिक पुनर्वास केन्द्रों(एनआरसी) या कुपोषण उपचार केन्द्रों (एमटीसी) भेजा जाता है, जबकि चिकित्सीय जटिलताओं से रहित बच्चों का उपचार आंगनवाड़ी केन्द्रों में किया जाता है। कई राज्यों में, सामुदायिक प्रणाली में गंभीर तीव्र कुपोषण के जटिल मामलों के प्रबंधन पर फोकस करने के लिए ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण दिवस के दौरान फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं झ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा और एएनएम के बीच बैठकें भी आयोजित की जाती हैं। सुधार के अवसर कुपोषण के खिलाफ हमारी लड़ाई में हमने एक लंबा सफर तय किया है, लेकिन फिर भी चुनौतियां बरकरार हैं। मौजूदा कार्यक्रमों ने बच्चों में मध्यम और गंभीर तीव्र कुपोषण दर में सुधार और गर्भवती महिलाओं के लिए पोषण संबंधी परिणामों को बढ़ाते हुए एक ठोस नींव रखी है। हांलाकि, विशेष रूप से गैर-गर्भवती और गैर-स्तनपान कराने वाली महिलाओं, खासकर ऐनीमिया जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से पीड़ित किशोरियों के लिए निरंतर कोशिशें होना जरुरी है। इस समूह के लिए समर्पित हस्तक्षेप और मंचों की आवश्यकता है। पोषण से जुड़े परामर्श कई पहलों का अभिन्न अंग है। समुदाय के नेताओं और समुदाय को शिक्षित और प्रशिक्षित करना, स्थानीय सांस्कृतिक संदर्भों के अनुसार संदेशों को तैयार करना और कार्यक्रम के विकास में समुदायों को शामिल करना, पोषण की आदतों में सुधार लाने के लिए बेहद जरुरी है। रणनीतियों को खाद्य उपलब्धता, आर्थिक स्थितियों और सामाजिक कारकों को भी संबोधित करना चाहिए, ताकि पोषण सेवाएं सुलभ और व्यावहारिक हो सकें।

नवरात्र में छठे दिन होती है मां कात्यायनी की पूजा

मां कात्यायनी की भक्ति और उपासना द्वारा मनुष्य को बड़ी सरलता से अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति हो जाती है। वह इस लोक में स्थित रहकर भी अलौकिक तेज और प्रभाव से युक्त हो जाता है। मां कात्यायनी को जो सच्चे मन से याद करता है उसके रोग, शोक, संताप, भय आदि सर्वथा विनष्ट हो जाते हैं। जन्म-जन्मांतर के पापों को विनष्ट करने के लिए मां कात्यायनी की शरणागत होकर उनकी पूजा-उपासना के लिए तत्पर होना चाहिए। मां कात्यायनी की उपासना से अद्भुत शक्ति का संचार होता है और दुश्मनों का संहार करने में ये सक्षम बनाती हैं। इनका ध्यान गोधुली बेला में करना होता है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा,
लेखक

चैत्र नवरात्र और शारदीय नवरात्र के रूप में नवरात्र वर्ष में दो बार मनाई जाती है। शारदीय नवरात्र सतयुग में शुरू हुई थी और आज भी इसे उतनी ही श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाया जाता है। भक्त अपनी इच्छानुसार मां दुर्गा का 9 दिन का व्रत रखते हैं। नवरात्र पर मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की अलग-अलग दिन पूजा होती हैं। मां दुर्गा शक्ति स्वरूपा है और इस व्रत को करने वाले को भी शक्ति की प्राप्ति होती है। शारदीय नवरात्र का पांच पूजा तक में मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कुष्मांडा और मां स्कंदमाता की आराधना हो चुकी है। अब छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा - आराधना होगी। मां कात्यायनी की उत्पत्ति या प्राकट्य के बारे में वामन और स्कंद पुराण में अलग-अलग बातें बताई गई है। मां कात्यायनी देवी दुर्गा का ही छठा रूप है। स्कंद पुराण में कहा गया है कि मां कात्यायनी की उत्पत्ति परमेश्वर के नैसर्गिक क्रोध से हुई थी। वहीं वामन पुराण के अनुसार सभी देवताओं ने अपनी ऊर्जा को बाहर निकालकर कात्यायन ऋषि के आश्रम में इकट्ठा किया और कात्यायन ऋषि ने उस शक्तिपुंज को एक देवी का रूप दिया जो देवी पार्वती द्वारा दिए गए सिंह (शेर) पर विराजमान थी। चूकि कात्यायन ऋषि ने देवी का रूप दिया था इसलिए देवी मां कात्यायनी कहलाई और मां कात्यायनी ने ही महिषासुर का वध की। कालिका पुराण जैसे ग्रंथों में अन्यत्र, यह उल्लेख किया गया है कि ऋषि कात्यायन ने सबसे पहले उनकी पूजा की थी, इसलिए उन्हें कात्यायनी के नाम से जाना जाने लगा । किसी भी स्थिति में, वह दुर्गा का एक प्रदर्शन या स्वरूप है और उसकी पूजा नवरात्र उत्सव के छठे दिन की जाती है । संस्कृत में देवी महात्म्य, शक्तिवाद का केन्द्रीय पाठ, दिनांक 11 ई.पू. वामन पुराण में उनकी रचना की कथा का विस्तार से उल्लेख किया गया है : ह्वजब देवताओं ने अपने संकट में विष्णु की खोज की, तो उन्होंने और उनके आदेश पर शिव, ब्रह्मा और अन्य देवताओं ने अपनी आंखों और चेहरे से ऐसी ज्वालाएं निकाली कि चमक का एक पहाड़ बन गया। जिससे मां कात्यायिनी प्रकट हुई, हजारों सूर्यों के समान देदीप्यमान, तीन आंखें, काले बाल और अठारह भुजाएं। शिव ने उन्हें अपना त्रिशूल, विष्णु ने सुदर्शन चक्र या चक्र, वरुण ने एक शंख, अग्नि ने एक तीर, वायु एक धनुष, सूर्य एक तीरों से भरा तरकश, इंद्र एक वज्र , कुवेर एक गदा , ब्रह्मा एक माला और जल-पात्र, कला एक ढाल और तलवार, विश्वकर्मा एक युद्ध-कुल्हाड़ी और अन्य हथियार। इस प्रकार देवताओं द्वारा सशस्त्र और सम्मानित किया गया। मां कात्यायनी मैसूर की पहाड़ियों की ओर बढ़ीं। वहां, असुरों ने उन्हें देखा और उनकी सुंदरता से मोहित हो गए, उन्होंने अपने राजा महिषासुर से उनका इतना वर्णन किया कि वह उन्हें पाने के लिए उत्सुक हो गए। कात्यायनी ने उनसे हाथ मांगा, तो उन्होंने कहा कि उन्हें जीतना ही होगा। लड़ाई में। उसने महिष, बैल का रूप धारण किया और युद्ध किया। अंत में मां दुर्गा अपने सिंह से उतरी और महिष की पीठ पर चढ़ गई, जो एक बैल के रूप में था और अपने कोमल पैरों से उसके सिर पर इतनी भयानक ताकत से प्रहार किया कि वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। फिर उसने अपनी तलवार से उसका सिर काट दिया और तब से उसे महिषासुर का वध करने वाली महिषासुरमर्दिनी कहा जाने लगा। इस कथा का उल्लेख वराह पुराण और शक्तिवाद के शास्त्रीय पाठ , देवी-भागवत पुराण में भी मिलता है। स्कंद पुराण का एक अन्य संस्करण है, जहां कात्यायनी दो भुजाओं वाली देवी के रूप में प्रकट होती हैं और बाद में 12 भुजाओं वाली देवी के रूप में विस्तारित होती हैं। कार्तिकेय के तेज के कारण ही इनका यह नाम पड़ा। इस संस्करण में पार्वती अपना शेर उपहार में देती हैं। कात्यायनी द्वारा महिष को क्षमा करने का यह अनूठा संस्करण है अमरकोष में पार्वती को ही कात्यायनी कहा गया है, संस्कृत शब्दकोश में उमा, कात्यायनी, गौरी, काली, हेमवती एवम ईश्वरी कहा गया है। शक्तिवाद में उन्हें शक्ति या दुर्गा, जिसमे भद्रकाली और चंडिका भी शामिल है, में भी प्रचलित के हैं। स्कन्द पुराण में उल्लेख है कि मां कात्यायनी परमेश्वर के नैसर्गिक क्रोध से उत्पन्न हुई थीं, जिन्होंने देवी पार्वती द्वारा दी गई सिंह पर आरूढ़ होकर महिषासुर का वध किया। मां कात्यायनी शक्ति की आदि रूपा है, जिसका उल्लेख पाणिनि पर पतञ्जलि के महाभाष्य में किया गया है, जो दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व में रचित है। उनका वर्णन देवी भागवत पुराण, और मार्कंडेय ऋषि द्वारा रचित मार्कंडेय पुराण के देवी महात्म्य में किया गया है, जिसे 400 से 500 ईसा में लिपिबद्ध किया गया था। बौद्ध और जैन ग्रंथों और कई तांत्रिक ग्रंथों, विशेष रूप से कालिका पुराण (10वीं शताब्दी) में उनका उल्लेख है, जिसमें उद्यान या उड़ीसा में देवी कात्यायनी और भगवान जगन्नाथ का स्थान बताया गया है। परम्परागत रूप से देवी दुर्गा की तरह वे लाल रंग से जुड़ी हुई हैं। नवरात्र उत्सव के षष्ठी को मां कात्यायनी की पूजा की जाती है। उस दिन साधक का मन ह्यआज्ञा चक्रह्व में स्थित होता है। योग साधना में इस आज्ञा चक्र का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। इस चक्र में स्थित मन वाला साधक मां कात्यायनी के चरणों में अपना सर्वस्व निवेदित कर देता है। परिपूर्ण आत्मदान करने वाले ऐसे भक्तों को सहज भाव से मां कात्यायनी के दर्शन प्राप्त हो जाते हैं। ऐसी भी कथा मिलती है कि ये महर्षि कात्यायन के यहां पुत्री रूप में मां कात्यायनी उत्पन्न हुई थी। आश्विन कृष्ण चतुर्दशी को जन्म लेकर शुक्ल सप्तमी, अष्टमी तथा नवमी तक तीन दिन कात्यायन ऋषि की पूजा ग्रहण कर दशमी को महिषासुर का वध किया था।

अब नहीं चलेगा जेल में जातिवाद

मनोज कुमार अग्रवाल

यह नितान्त दुखद और विस्मित करने वाली खबर है कि हमारे लोकजीवन में जाति कहीं भी पीछा नहीं छोड़ती। यहां तक कि जेल में अभिरक्षा में होने के बाद भी जाति पांति कायम रहती है। देश की आजादी के 77 साल बाद भी जेलों के अंदर कैदियों के साथ जातिगत भेदभाव होना दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ ही शर्मनाक भी हैं। हाल ही में चीफ जस्टिस ने इस बात पर गंभीर प्रश्न खड़े करते हुए एक आदेश दिया है। हमारे यहां जेलों में जाति के आधार पर कैदियों को काम पर लगाया जाता रहा है। इस का सीधा तात्पर्य यह है कि यदि निम्न कही जाने वाली जाति से है तो उन कैदियों को सफाई कर्मी जैसे काम पर लगाया जाता है और यदि उच्च जाति से है तो खान पान यानि की मैस का काम दिया जाता है। यह भेदभाव बताता है कि जाति का जहर हमारे तंत्र की जड़ों को आज भी दूषित किए है। औपनिवेशिक काल में अंग्रेजों के समय से चली आ रही इस कुप्रथा को पहले ही बंद होना चाहिए था, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण घटिया जातिवादी सोच आज भी बरकरार है। सजा के बाद कैदियों को जेल में रखने का उद्देश्य उनको सुधारना और समाज की मुख्यधारा में वापस लाने में मदद करना होता है, ताकि जेल से छूटने के बाद वे समाज के साथ फिर से जुड़ सकें। लेकिन अगर जेलों में ही कैदियों से जातिगत स्तर पर भेदभाव होता है, तो समझना मुश्किल नहीं है कि उनकी मानसिक स्थिति पर क्या असर पड़ता होगा। मगर अच्छी बात है कि देश की सबसे बड़ी अदालत ने अपने एक ऐतिहासिक फैसले में जेलों में जातिगत भेदभाव के साथ श्रम विभाजन पर रोक लगाने की दिशा में अहम फैसला दिया है। शीर्ष न्यायालय ने भारत की जेलों में बंद कैदियों के बीच जाति के आधार पर भेदभाव करने को गैर कानूनी तथा असंवैधानिक करार देते हुए स्पष्ट तौर पर कहा है कि देश की किसी भी जेल में जाति के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। जेल नियमावली में मौजूद ऐसे सभी प्रावधानों को हटाया जाना चाहिए, जो इस तरह के भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। कोर्ट ने इसे संविधान के आर्टिकल 15 का सरासर उल्लंघन बतलाया है और साफतौर पर कहा है कि रसोई व सफाई का काम जाति के आधार पर बांटा जाना अनुचित है। दरअसल एक महिला पत्रकार द्वारा दायर जनहित याचिका पर ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए शीर्ष अदालत की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि जेल नियमावली जाति के आधार पर कामों के बंटवारे में भेदभाव करती है। खाना बनाने का काम ऊंची जाति के लोगों को देना व सफाई का काम निचली जातियों के कैदियों को देना संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है, जो जेलों में जातिगत भेदभाव को बढ़ाता है। कोर्ट का कहना था कि जाति के आधार पर कामों का बंटवारा औपनिवेशक सोच का पर्याय है, जिसे स्वतंत्र भारत में जारी नहीं रखा जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि यह बात स्पष्ट है कि जेल नियमावली साफतौर पर भेदभाव करती है। साथ ही कहा कि नियमावली में जाति से जुड़ी डिटेल्स का उल्लेख असंवैधानिक है। कोर्ट ने खरी-खरी सुनाते हुए सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के जेल मैन्युअल में तुरंत बदलाव करने को कहा है। साथ ही राज्यों को इस फैसले के अनुपालन की रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने को कहा है। उल्लेखनीय है कि चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली इस बेंच में जस्टिस जेबी पारदीवाला व जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल थे। दरअसल एक पत्रकार सुकन्या शांता ने सबसे पहले यह मामला उठाया था। उनका कहना था कि देश के 17 राज्यों की जेलों में कैदियों के साथ यह भेदभाव हो रहा है। उन्होंने दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट में यह जनहित याचिका दायर की थी। इस याचिका पर फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने तीन महीनों में नियमों में बदलाव करने को कहा है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने कहा है कि सम्मान के साथ जीने का अधिकार कैदियों को भी है। कैदियों को सम्मान प्रदान न करना औपनिवेशिक काल की निशानी है, जब उन्हें मानवीय गुणों से वंचित किया जाता था। संविधान- पूर्व युग के सत्तावादी शासन ने जेलों को न केवल कारावास के स्थान के रूप में देखा, बल्कि वर्चस्व के उपकरण के रूप में भी देखा। इस अदालत ने संविधान द्वारा लाए गए बदले हुए कानूनी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करते हुए माना है कि कैदियों को भी सम्मान का अधिकार है। फैसले में कहा गया है कि मानव गरिमा एक संवैधानिक मूल्य और संवैधानिक लक्ष्य है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मगलवार, 08 अक्टूबर, 2024

संक्षिप्त खबरें

सांसद निधि के तौर पर पांच करोड़ हुए जारी

गाजियाबाद, । जिले के लिए अच्छी खबर है। सांसद निधि की पहली किस्त के रूप में पांच करोड़ की राशि शासन की तरफ से जारी की जा चुकी है। पांच करोड़ की लागत से जिले में विकास कार्य करवाए जाएंगे। सांसद अतुल गर्ग की तरफ से विकास कार्यों के प्रस्ताव परियोजना निदेशक विभाग को भेजे जाएंगे, जिसके बाद परियोजना निदेशक विभाग उन जगहों पर विकास कार्य करवाएगा। सांसद निधि के तौर पर पांच करोड़ की राशि प्रत्येक वर्ष जारी की जाती है। आम तौर पर ढाई ढाई करोड़ की दो किस्तों में सांसद निधि की राशि जारी की जाती है। सांसद निधि को पर वित्तीय वर्ष में खर्च किया जा सकता है। 2024.24 वित्तीय वर्ष खत्म होने में कम समय रह गया है, इसलिए पहली किस्त में ही पांच करोड़ की राशि को जारी कर दिया गया है। बताते चले इसी वर्ष से सांसद और विधायक निधि को ऑनलाईन कर दिया गया है। इसके लिए सांसद और विधायक के प्रतिनिधियों को ट्रेनिंग भी दे दी गई है। परियोजना निदेशक विभाग अधिकारी प्रज्ञा श्रीवास्तव ने बताया कि सांसद निधि को जारी किया जा चुका है। सांसद अतुल गर्ग के प्रस्ताव देने पर विकास कार्य करवाए जाएंगे।

मेट्रो विस्तार के लिए चल रहे अभियान को व्यापारियों ने समर्थन दिया

लोनी, । तहसील बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं द्वारा मेट्रो विस्तार के लिए चलाए जा रहे अभियान को व्यापारियों ने भी समर्थन दिया है। सोमवार को खन्ना नगर कॉलोनी में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद कुमार ने बताया कि लोनी बार एसोसिएशन के अधिवक्ता मेट्रो को शिवविहार से लेकर मंडोला विहार तक विस्तार करने की मांग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री, प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा शहरी विकास मंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन 16 सितम्बर को एसडीएम लोनी को सौंप चुके हैं। जबकि हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। अभी तक करीब 15 हजार लोग हस्ताक्षर कर चुके हैं। जबकि उनका लक्ष्य एक लाख हस्ताक्षर कराने का है। जिसके लिए डोर टू डोर हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को खन्ना नगर कॉलोनी में सैकड़ों लोगों ने हस्ताक्षर किए। जबकि लोनी व्यापार मंडल के अध्यक्ष भोपाल प्रधान ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ हस्ताक्षर अभियान का समर्थन दिया। विनोद कुमार ने बताया कि मंडोला विहार बागपत जनपद की सीमा तक है। वहां तक मेट्रो पहुंचने पर लोनी ही नही बागपत जनपद के भी लाखों लोगों को इसका लाभ मिलेगा और दिल्ली के लोग मंडोला विहार में अपना निवास बनाना पसंद करेंगे। जिससे दिल्ली पर आबादी का दबाव भी कम होगा।

एजाइयल टाइगर्स इलेवन ने आठ विकेट से वॉरियर्स इलेवन को हराया

गाजियाबाद, 07 अक्टूबर (वेब वार्ता)। एजाइयल टाइगर्स इलेवन ने सोमवार को ड्रीम पार्क क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मैच में वॉरियर्स इलेवन को आठ विकेट से हरा दिया। मैच में 89 रन की शानदार पारी खेलने वाले कमल हिमडा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। राजनगर एक्सटेंशन स्थित ड्रीम पार्क क्रिकेट ग्राउंड पर अनुज त्यागी टी 20 मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट खेला जा रहा है। सोमवार को टूर्नामेंट में एजाइयल टाइगर्स इलेवन और वॉरियर्स इलेवन के बीच मुकाबला खेला गया। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वॉरियर्स इलेवन ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 173 रन बनाए। पराग ने 36, नितेश साहू ने 32 और मृदुल ने 26 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की तरफ से सोनू ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एजाइयल टाइगर्स इलेवन ने 17 ओवर में दो विकेट पर 174 रन बनाकर आठ विकेट से मैच जीत लिया। कमल हिमडा ने 89 रन की शानदार पारी खेली। इसके लिए कमल को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

विद्युत बिल अधिक निकलने से उपभोक्ता परेशान,एसडीओ से की शिकायत

रामपुर /मसवासी। विद्युत उपभोक्ताओं के विद्युत बिल अधिक निकालने से विद्युत उपभोक्ता परेशान है ग्राम पंचायत सदस्य व ग्रामीणों ने एस डी ओ से शिकायत की है। बिल निकालने वाले एम आर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। अलीगंज निवासी ग्राम पंचायत सदस्य मोहम्मद यूसुफ मलिक व विद्युत उपभोक्ता मंजूर अहमद ने एस डी ओ सहित जिला अधिकारी से की शिकायत में कहा है कि अलीगंज गांव में विद्युत बिल निकालने वाला एम आर गांव अलीगंज में विद्युत बिल निकालने नही जाता घर बैठे ही विद्युत उपभोगताओ के बिल निकाल देता विद्युत उपभोगताओ का आरोप है कि मिटर मे यूनिट कम होते है ओर यह एम आर घर बैठे ही बिल अधिक यूनिट का बना देता है जिसकी वजह से विद्युत उपभोगता परेशान है इसकी शिकायत अलीगंज निवासी ग्राम पंचायत सदस्य मोहम्मद युसूफ मलिक, व विद्युत उपभोगता मंजूर अहमद ने स्वार एस डी ओ विद्युत व जिला अधिकारी से कर बिल निकालने वाले एम आर के खिलाफ कारवाई करने की मांग की है।

क्रिकेट के मैदान में सीएम योगी ने दिखाया अपना हुनर लगाए गजब के शॉट

प्रात: किरण, संवाददाता

लखनऊ, । यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ इकाना स्टेडियम में 36वें अखिल भारतीय एडवोकेट क्रिकेट टूनामेंट का शुभारंभ करने पहुंचे। जहां उन्होंने बल्लेबाजी में अपना हुनर दिखाया। सीएम योगी ने टूनामेंट का शुभारंभ कर हाथों में बल्ला थाम लिया और मैदान में पहुंचकर बल्लेबाजी करने लगे। इस दौरान सीएम योगी ने दो गेंदों पर गजब के शॉट लगाए। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हो रहा है। बल्लेबाजी में अपना हुनर दिखाने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने मौजूद खिलाड़ियों से चर्चा भी की। बता दें कि इस अवसर पर सीएम योगी ने देश भर से प्रतियोगिता में हिस्सा लेने आए अधिवक्ताओं को खेल में टीम भावना के महत्व के बारे में नसीहत दी। उन्होंने कहा कि खेल हम सभी को एक टीम भावना के साथ काम करने की प्रेरण देता है। हमारा पारिवारिक जीवन हो या सार्वजनिक जीवन हो। उन्होंने कहा कि अगर हमारे पास टीम वर्क करने की क्षमता है तो हमारी सफलता की गुजाइंश उतनी ही हो जाती है। खेल सबसे पहले एक टीम भावना के साथ हम सबको सम-विषम परिस्थिति में लड़ने की एक नई प्रेरणा देता है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर जीत हमें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है, लेकिन हर हार भी हमारे सामने एक नया सबक होती है और हमें और भी नए प्रोत्साहन के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने प्रतियोगिता में प्रदान की जाने वाली ट्रॉफी का भी अनावरण किया। उन्होंने प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रही सभी टीमों के कप्तानों के साथ ग्रुप फोटो शूट भी कराया और उन्हें किट का भी वितरण किया। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हमने ओलंपिक और पैरालंपिक्स में जिन खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया, देश के लिए मेडल जीते, उन सभी को गत सप्ताह ही भव्य समारोह में सम्मानित किया। आज प्रदेश का कोई खिलाड़ी यदि एकल गेम में ओलंपिक स्वर्ण पदक प्राप्त करता है तो हम उसे 6 करोड़ रुपये की राशि प्रदान करते हैं। अगर रजत प्राप्त करता है तो उसे 3 करोड़ की राशि प्रदान करते है। वहीं अगर कोई कांस्य पदक जीतता है तो एक करोड़ रुपये की राशि उसे प्रदान की जाती है। टीम गेम में यह राशि 3 करोड़, डेढ़ करोड़ और 75 लाख रुपये है।

कुंभ मेले में आग बुझाने के लिए पहली बार तीव्र गति से कार्रवाई करने वाले वाहन तैनात होंगे

प्रात: किरण संवाददाता

प्रयागराज। अगले साल जनवरी में प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ मेले में आग बुझाने के लिए पहली बार तीव्र गति से कार्रवाई करने वाले 75 वाहनों का उपयोग किया जाएगा। इन वाहनों की आग बुझाने की क्षमता, पानी की तुलना में 20 गुना अधिक प्रभावी है। पुलिस महानिदेशक (अग्निशमन) अविनाश चंद्रा ने बताया, ये वाहन एक टन क्षमता वाले हैं और आकार में छोटे होने के कारण ये संकरे स्थान पर आसानी से पहुंच सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस वाहन पर मौजूद 100 लीटर का टैंक, उतनी आग बुझाने में समर्थ होगा जितनी आग बुझाने में 2,000 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। साथ ही इस वाहन में ब्रेकिंग उपकरण, कटिंग उपकरण, लिफ्टिंग उपकरण, ड्रिलिंग उपकरण, प्राथमिक उपचार के उपकरण आदि सभी सुविधाएं मौजूद रहेंगी। चंद्रा ने कहा,मेले में पहली बार अग्निशमन नौकाओं का उपयोग किया जाएगा। ये नौकाएं संगम क्षेत्र में रहेंगी और नदी के तट पर लगे तंबुओं में यदि आग लगती है तो नौका नदी के पानी का इस्तेमाल करते हुए 300-400 मीटर तक आग बुझाने का काम कर सकती हैं। विभाग इस तरह की छह नौकाएं खरीद रहा है। साथ ही रेत में चलने में सक्षम अग्निशमन वाहन भी उपयोग में लाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि महाकुंभ मेले के लिए इस बार आग बुझाने के लिए इस्तेमाल होने वाली 135 मोटरसाइकिलें खरीदी गई हैं जिन्हें मेले में लगाया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य है कि आग लगने के दो से तीन मिनट में उसे बुझाने का काम शुरू हो जाए। चंद्रा ने कहा,हमारा मुख्य उद्देश्य है कि मेले में आग लगे ही ना। इसके लिए शुरूआती दौर से ही अग्निशमन विभाग, बिजली विभाग के साथ समन्वय रखेगा और तंबुओं में विद्युतीकरण के दौरान अग्निशमन विभाग के कर्मचारी मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस बार कुंभ मेले में 50 दमकल केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। साथ ही 50 अग्नि निगरानी टावर खड़े किए जा रहे हैं जहां से अग्निशमन कर्मचारी कहीं भी धुंआ उठने पर तत्काल इसकी सूचना नियंत्रण कक्ष को देंगे। चंद्रा ने बताया कि 2019 के कुंभ मेले में 166 दमकल गाड़ियां तैनात की गयी थीं और इस बार 350 के आसपास दमकल गाड़ियां तैनात करने की तैयारी है।

अब्बासी क्रिकेट अकैडमी द्वारा अमरोहा प्रीमियर लीग (अढछ-17) का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा।अब्बासी क्रिकेट अकैडमी द्वारा अमरोहा प्रीमियर लीग (अढछ-17) का भव्य आयोजन किया जा रहा है, जिसमें शहर और बाहरी खिलाड़ियों को हिस्सा लेने का सुनहरा अवसर मिलेगा। यह टूनामेंट रंगीन ड्रेस में, व्हाइट बॉल से खेला जाएगा। विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार और ट्रॉफी देखकर सम्मानित किया जाएगा। उपविजेताओं को भी नकद पुरस्कार और ट्रॉफी से नवाजा जाएगा। हर मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को मैन ऑफ द मैचह्न का पुरस्कार मिलेगा। इसके अलावा,मैन ऑफ द सीरीज,बेस्ट बॉलर,बेस्ट बैट्समैन, और बेस्ट फील्डर को भी सम्मानित किया जाएगा। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर है। इच्छुक खिलाड़ी अब्बासी क्रिकेट अकैडमी के कोच असलम सिद्दीकी से संपर्क कर सकते हैं।अकादमी के अध्यक्ष फिरोज अब्बासी ने बताया कि यह टूनामेंट पहले की तुलना में ज्यादा भव्य और शानदार तरीके से आयोजित किया जाएगा।
उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ियों को हर संभव मदद की जाएगी, और उनका उद्देश्य खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देना है।

सरकारी योजनाओं से वंचित नहीं रहेगा को भी गरीब व्यक्तिः तोमर

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की जन चौपाल /सदस्यता अभियान ग्राम पंचायत तरारा में पंचायत भवन पर सम्पन्न हुई जिसमें बोलते हुए जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की नीतियो के बारे में बताया।उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर सड़क से लेकर सदन तक गरीब, कमजोर, वंचित, पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग की लड़ाई लड़ रहे। हम सभी को गांव गांव जाकर सरकार की योजनाओं को बताना है कि इस वक्त पूरे उत्तर प्रदेश में मंत्री पंचायत राज ओम प्रकाश राजभर के प्रयासों से जो लोग आवास विहीन है उनका सर्वे चल रहा है कोई भी गरीब कमजोर व्यक्ति छूटना नही चाहिए उनको इसका लाभ मिलना चाहिए सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की मांग है की उत्तर प्रदेश में पूर्ण रूप से शराब बंद हो जातिवार जनगणना हो समान शिक्षा लागू हो सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट को लागू किया जाए प्रत्येक जनपद में सामान्य जाति पिछड़ी जाति अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं को आईएएस आईपीएस पीसीएस मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की तैयारी हेतु निशुल्क कोचिंग की व्यवस्था की जाए उत्तर प्रदेश को चार भागों में बांटा जाए पदअधिकारीयो/कार्यकर्ताओ को गांव गांव जाकर हमे सद्स्यता अभियान को तेज करते हुए बूथ स्तर तक सुभासपा को मजबूत करना है जिससे आने वाले पंचायत चुनाव में जिला पंचायत सदस्य, छेत्र पंचायत सदस्य और ग्राम प्रधानी में अधिक से अधिक लोगों को चुनाव लड़ाया जा सकें। इस दौरान जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर आदेश अमरोही,शीशपाल सिंह प्रधान जितेंद्र राणा चंद्रसेन खड़कवंशी चंद्रपाल सैनी विधानसभा अध्यक्ष हसनपुर नरेंद्र सिंह जाटव महिपाल सिंह अमोद कुमार जयराम खड़कवंशी नरेंद्र कुमार राणा अमरपाल ओमदत्त सिंह सतपाल सिंह देवेंद्र सिंह मयंक गुर्जर जगपाल सिंह सूरजपाल सिंह सुरेश कुमार कृष्णपाल मौजूद रहे।

स्योहारा में धूमधाम से निकला राम बारात का जुलूस

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा।नगर में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी रामलीला मैदान से राम बारात का जुलूस निकाला गया। राम बारात का जुलूस नगर के रामलीला मैदान से आरंभ होकर आरसीपी रोड, रियासत, ठाकुर मंदिर ,सब्जी मंडी ,शिवाजी मार्केट ,जुमेरातका बाजार, मुरादाबाद रोड ,स्टेशन रोड, से होते हुए श्री रामलीला मैदान में ही जाकर जुलूस का उत्साहपूर्वक समापन हुआ। राम बारात में ग्यारह बग्गी ,एक बैंड बाजा, एक अखाड़ा ,अखाड़े में जीत सिंह त्यागी व प्रकाश तोमर को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। राम बारात को सफल बनाने में नगर के गणमान्य लोग मौजूद रहे। जिसमें कमेटी के अध्यक्ष राजवीर सिंह त्यागी ,मंच प्रबंधक राजपाल सिंह प्रजापति, उपाध्यक्ष नीटू जोशी, महेंद्र शर्मा, महेंद्र रवि, प्रबंधक सुनील कुमार शर्मा, अमर सिंह वर्मा, पप्पू पंडित, पिन्टू कुमार प्रजापति ,धर्मेंद्र सिंह चौहन, पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष शशांक बिश्नोई,आदि रहे।जुलूस के दौरान पूरे समय थाना अध्यक्ष अवनीत मान पुलिस फोर्स के साथ शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये हुए मुस्तेद रहे।

नायाब अब्बासी डिग्री कालेज में ली सड़क सुरक्षा जागरूकता की सपथ

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा।सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत नायाब अब्बासी डिग्री कालिज में समस्त स्टाफ द्वारा यातायात नियमों पर अमल करने व जागरूक करने की शपथ ली गई तथा आव्हान किया गया कि सभी छात्र छात्राएं यातायात नियमों का पालन करें ताकि संभावित दुर्घटनाओं से बचा जा सके। इस अवसर पर महविद्यालय रोड सेफ्टी क्लब द्वारा आयोजित गोष्ठी में प्राचार्या डा.लुबना हामिद ने कहा कि आज युवा वर्ग वाहन चलाते हुए रोमांच उत्पन्न करना चाहते हैं और यही रोमांच उन के जीवन का शत्रु बन जाता है इस कारण रोजाना हजारों युवा भयंकर दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। क्लब के नोडल अधिकारी डा. महताब अमरोहवी ने कहा कि रफ्तार का कहर युवाओं में तेजी से पनप रहा है इस के लिए वह कार और बाइक निमार्ता कंपनियां भी जिम्मेदार हैं जो बहुत अधिक गतिमान वाहनों का निर्माण कर रही हैं सरकार को इन अधिक गतिमान वाहन कंपानियों पर लगाम लगाने की आवश्यकता है यह गति की अंधी दौड़ रोजाना लाखों युवाओं को मौत के मुंह में धकेल रही हैं। उन्हों ने कहा घर से निकलो तो पता जेब में रख कर निकलो ,हादसे चेहरे की पहचान मिटा देते हैं। कार्यक्रम समन्वयक डा. अंजलि पाठक ने कहा कि सब से महत्वपूर्ण सड़क पर पैदल चलने वाला व्यक्ति होता हैं हमें उस का ख्याल रखना है दो पहिया वाहन चालाक सदैव हेलमेट और चार पहिया वाहन चालक सीट बेल्ट का प्रयोग करें यदि हम सभी यातायात नियमों का पालन करेंगें तो बहुत सी दुर्घटनाओं से बचा जा सकता हैं इस के अतिरिक्त क्लब के सदस्य अनिकायादव,जेबा ,मुस्कान ,मंतशा ,आकाश ,अभिषेक और अयाद ने भी यातायात के नियमों का पालन की शपथ लेते हुए सभी को जागरूक करने का आह्वान किया।इस अवसर पर डा.नसीम अहमद ,डा. सरिता रानी ,डा.संगीता गुप्ता ,डा.तश्कील हैदर ,डा. रूचि अग्रवाल ,डा.रेशमा जैदी अरमान सिद्दीकी ,कसीम अशरफ ,दुदार्ना अकरम फारूक ी,डा.निकहत नकवी ,जुनैद आलम पम्मी ,डा. एम अथर कमाल ,इज्जत अली , अतुल कुमार सोनी ,अर्चना शर्मा ,अम्बर सुल्ताना ,रोमाना आबिदी,शिवानी सागर समेत सभी विभागों के सदस्य उपस्थित थे।अंत में कार्यक्रम समन्वयक डा. अंजलि पाठक ने सभी का आभार व्यक्त किया।

गंगा मेलाः डीएम ने तैयारियों को समय से पूर्ण करने के दिएं दिशानिर्देश

प्रात: किरण संवाददात

अमरोहा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में आगामी गंगा तिगरी मेला के आयोजन के संबंध में अंगूरी धर्मशाला ग्राम तिगरी में आयोजित की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों से एक-एक करके जानकारी ली। अपर जिलाधिकारी न्यायिक श्री माया शंकर यादव ने एक एक करके बिंदुवार की जाने वाली व्यवस्थाओं के सम्बंध में विभागों से प्रगति की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इस बार मेला पिछले बार की अपेक्षा अधिक सुंदर भव्य दिव्य आयोजित होगा इसके लिए सभी अधिकारी अभी से लग जाए।जिलाधिकारी ने कहा कि जो पिछले बार कमियां रह गई हैं उनको सुधार करें अबकी बार उनकी पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। कहा की स समय सभी तैयारियां हो जाएं पिछले बार अंत तक तैयारी होती रही हैं ।इस बार यह नहीं चलेगा मेला प्रारंभ होने की निर्धारित से पहले सभी व्यवस्थाएं पूर्ण होनी चाहिए। इस कार्य में किसी भी विभाग की लापरवाही संज्ञान में आती है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।लाइट शौचालय पानी चेंजिंग रूम घाट स्वच्छता रोड की व्यवस्था वैरिकेडिंग मचान गहरे स्थानों में बल्लियां नाव गोताखोर की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए ।जिलाधिकारी ने कहा कि मेले से संबंधित सभी अधिकारियों के बीच एक अच्छा समन्वय होना चाहिए। कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बिजली पानी शौचालय रोड घाटों का निर्माण मचान बेरी कटिंग बहुत ही महत्वपूर्ण है इनकी व्यवस्था अच्छी होनी चाहिए । मेले में प्रकाश की व्यवस्था अच्छी हो अधिशासी अभियंता विद्युत इसकी पहले से तैयारी कर लें।प्रकाश व्यवस्था अच्छी होगी तो मेला भी अच्छा होगा सड़को की चौड़ाई पर्याप्त हो। पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह ने बताया कि मेले को पूरी तरह से भव्य और दिव्य बनाया जाएगा सुरक्षा व्यवस्था अच्छी रहेगी प्रत्येक घाट सदर चौराहा और आवश्यक जगह पर पुलिस और महिला पुलिस भी लगाई जाएगी। कहा कि किसी भी श्रद्धालु को असुरक्षा का माहौल ना महसूस जो इसके लिए सभी व्यवस्थाएं कर ली गई हैं।सीसीटीवी प्रत्येक सेक्टर में लगाया जाएगा। कंट्रोल रूम बनाया जाएगा कंट्रोल रूम में बाढ़ फायर चिकित्सा सहित अन्य महत्वपूर्ण विभागों के कर्मचारी तैनात किए जाएंगे।कहा नाव और गोतोखोरों की अच्छी व्यवस्था हो गोताखोर सुरक्षा के सभी उपकरण से सुसज्जित रंहे।मेले को सकुशल शांतिपूर्ण सुरक्षित तरीके से निपटाया जाएगा।

पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा

प्रात: किरण संवाददाता

ढबारसी/रहरा। थाना क्षेत्र में अलीगढ़ मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत हो गई। महिला की मौत से परिवार के लोगों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जें में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है।बता दें कि सोमवार की दोपहर रहरा थाना क्षेत्र में अलीगढ़ मार्ग पर बालाजी मंदिर के निकट अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत हो गई थी। जिससे मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक महिला के शव की शिनाख्त कराने का भरसक प्रयास किया। लेकिन पुलिस को कोई सफलता नहीं मिल सकी। इसके बाद पुलिस ने मृतक महिला के शव को सीएचसी भेज दिया। हादसे के करीब दो घंटे बाद महिला की शिनाख्त जनपद संभल के थाना रजपुरा के गांव करकोरा निवासी 43 वर्षीय जगवती पत्नी जुगेंद्र यादव के रूप में हुई। मृतक महिला के पति जुगेंद्र यादव के द्वारा बताया गया कि वह अपने बेटे का इलाज कराने दिल्ली आया हुआ हूं। पत्नी के द्वारा बताया गया था कि वह बुखार से पीड़ित है। इस पर वह सोमवार को गांव से कस्बा गवां दवाई लेने के लिए आई थी। पता नहीं वह रहरा थाना क्षेत्र में कैसे पहुंच गई ?वहीं,पुलिस को,मृतक की जेब से धूप बत्ती का पैकेट एवं माचिस बरामद हुई है। पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा जा रहा है। परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर मामले में कार्रवाई की जाएगी।

अभयखंड, न्यायखंड में सीवर ओवरफ्लो से लोग परेशान

प्रात: किरण संवाददात

ट्रांसहिंडन, इंदिरापुरमकेअभयखंड,न्यायखंड औरज्ञानखंडक्षेत्रोंमेंसीवरओवरफ्लोकी समस्यालगातारबनीहुईहै ।सीवरलाइनमें तकनीकीखराबीकेकारणसड़कोंपरगंदापानी भरगयाहै,जिससेदसहजारसेअधिकलोग प्रभावितहोरहेहैं इंदिरापुरममेंसीवरओवरफ्लो कीसमस्याखत्मनहींहोरहीहै ।त्योहारोंके समयभीसीवरलाइनकीसफाईनहींकरानेसे समस्याबढ़रहीहै ।स्थानीयलोगोंकाआरोपहै किइससमस्याकीशिकायतगाजियाबादविकास प्राधिकरण(जीडीए)मेंकईबारकीजाचुकी है,लेकिनअभीतककोईठोसकार्रवाईनहींहुई है ।सड़कोंपरभरेगंदेपानीकेकारणलोगोंको आवाजाहीमेंकाफीपरेशानीहोरहीहै ।न्यायखंड निवासीअंजूकाकहनाहैकिसीवरओवरफ्लो केकारणघरोंमेंबदबूफैलरहीहैऔरलोगोंको दरवाजे-खिड़कियांबंदरखनेकोमजबूरहोना पड़रहाहै ।निगमपार्षदहरीशकड़ाकोटीकाभी आरोपहैकिजीडीएअधिकारीशिकायतोंको गंभीरतासेनहींलेरहेहैंऔरसमस्याकासमाधान करनेकेबजायटालमटोलकररहेहैं ।जीडीएके सहायकअभियंतापीयूषसिंहनेबतायाकिसीवर लाइनकीप्रेशरपाइपमेंतकनीकीखराबीआने केकारणकॉलोनीकासीवरकापानीमेनलाइन में नहीं पहुंच पा रहा है।

हेमा ने दुनिया में भारत का मान बढ़ायाः ओम बिरला

प्रात: किरण संवाददात

मथुरा, । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सांसद और सिने तारिका हेमामालिनी ने अपनी अनूठी नृत्य शैली के जरिये दुनिया में भारतीय लोकसंस्कृति को नया आयाम दिया है । पांचजन्य आडिटोरियम में हेमामालिनी द्वारा दुर्गा नृत्य नाटिका के जीवंत प्रस्तुतीकरण से प्रभावित होकर ओम बिरला ने कहा,भरतनाट्यम से प्रारंभ कर हेमा ने सिने जगत में अपनी अनूठी प्रस्तुति देकर भारत का नाम विश्व पटल पर रोशन किया है। हेममामालिनी ने आज अपनी नृत्य नाटिका में शिव पार्वती और दुर्गा के विभिन्न जनकल्याणकारी स्वरूपों को प्रस्तुत किया। मां दुर्गा जहां अपने भक्तों को संरक्षण देती है वही दुष्टों का वे संहार करती हैं तथा वे अभिमान और अत्याचार को भी बर्दास्त नही करतीं। उन्होने कहा, लगातार तीसरी बार बनी मथुरा की सांसद हेमामालिनी ने संसद के माध्यम से मथुरा की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाया। वे यहां के विकास, यहां की संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए और यहां के पर्यावरण को बचाने के लिए संसद के अंदर और संसद के बाहर प्रयत्नशील रहती हैं। उन्होने वृन्दावन के बंदरों द्वारा चश्मा छीनने तक की घटना का भी जिक्र संसद में किया है। लोकसभा अध्यक्ष ने कार्यक्रम के बाद रविवार देर रात पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हेमामालिनी ने यहां के आध्यात्म, धर्म और संस्कृति को विश्व के कोने कोने तक पहुंचाया।उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण की इस पावन भूमि पर लोगों को आध्यात्मिक शक्ति मिलती है तथा यह भूमि सत्य पर आचरण करने की प्रेरणा देती है।यह भूमि कर्म करने के लिए जानी जाती है तथा यह नसीहत देती है कि बिना फल की आशा किये समाज की सेवा करो। नवरात्र के पावन अवसर पर नाट्यविहार कला केन्द्र मुम्बई की ओर से हेमामालिनी ने नृत्य नाटिका दुर्गा पर जीवंत प्रस्तुति कर दर्शकों का मन मोह लिया।दक्ष बध, शिव तांडव, बमलहरी, शिव पार्वती विवाह और नमस्तस्ये की प्रस्तुति से वातावरण धार्मिकता से इतना रंग गया कि दर्शक समय समय पर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ भगवान भोलेनाथ और मां दुर्गा की जयकार करते रहे। कार्यक्रम की शुरूवात उन्होने जब शिव -सती कथा से की और उसमें भक्ति, प्रेम और रौद्र रूप का समिश्रण किया तो दर्शक भाव विभोर हो गए।सती और पार्वती के रूप में उनकी जीवंत प्रस्तुति देखकर दर्शक दांतों तले उंगली दबा बैठे। कार्यक्रम के अंत में इस नृत्य नाटिका के माध्यम से दुर्गा की अनूठी प्रस्तुति कर लोगों का दिल जीतनेवाली मथुरा की सांसद मालिनी ने कहा अपने पांचजन्य आडिटोरियम में नवरात्र के पावन पर्व पर यह कार्यक्रम प्रस्तुत कर मैं अभिभूत हूं। मैने यह आडीटोरियम यहां इसलिए बनावाया कि मै चाहती हूं कि लोग बाहर से आकर भी यहां पर अपनी कला का प्रस्तुतीकरण करें तथा यहां की युवा शक्ति कला, संगीत और नाट्य के माध्यम से अपनी प्रतिभा को निखारें। उन्होंने कहा कि वे समय समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम यहां पर आगे भी प्रस्तुत करेंगी। श्रीदुर्गासप्तशती हिन्दू धर्म का सर्वमान्य ग्रन्थ है महाभारत की रचना करनेवाले महर्षि वेदव्यास ने इसकी भी रचना की थी तथा इसका वर्णन मार्कण्डेय पुराण में भी है। इसमें भगवती की कृपा के सुन्दर इतिहास के साथ ही बड़े बड़े गूढ़ रहस्य भरे पड़े हैं । यह ग्रन्थ कर्म, भक्ति और ज्ञान की मन्दाकिनी बहानेवाला ग्रन्थ है ।इसमें 13 अध्याय और 700 श्लोक है तथा इसका पाठ करने से दिव्य शक्ति और सुरक्षा का आशीर्वाद मिलता है।

किसानों की समस्याओं को लेकर कलक्ट्रेट पर धरना-प्रदर्शन

प्रात: किरण संवाददात

अमरोहा।भाकियू शंकर गुट पदाधिकारियों ने किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर कलक्ट्रेट पर धरना-प्रदर्शन किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने धरना-स्थल पर पहुंचे संबंधित विभागीय अधिकारियों के सामने किसानों की समस्याओं को रखा। कहा कि भ्रष्टाचार के कारण जनता को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिले की कुछ बैंक शाखाएं क्रेडिट कार्ड पर ज्यादा ब्याज वसूल रही हैं। नया केसीसी बनवाने पर भी बीमा के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है। जाति, आय, अगला लेख निवास आदि प्रमाण पत्रों की वैधता तीन साल करने, रसायनिक उर्वरकों की ओवर रेटिंग करने वाली दुकानों के लाइसेंस निरस्त करने, गन्ना मूल्य 450 रुपये प्रति कुंतल घोषित करने, बकाया भुगतान नहीं करने वाली मिलों का गन्ना क्षेत्रफल घटाने, नेशनल हाईवे पर अवैध कट बंद करने, तिगरी से ब्रजघाट तक गंगा रिवर फ्रंट का निर्माण करने, तिगरी में विधुत शवदाह गृह व गजरौला में ट्रामा सेंटर निर्माण की मांग भी की। किसानों एवं क्षेत्रवासियों से जुड़ी अन्य समस्याओं को भी उठाया। समाधान नहीं होने तक धरना-प्रदर्शन जारी रखने की चेतावनी दी। इस दौरान चौधरी धर्मवीर सिंह, सत्यपाल सिंह अधाना, सिमरनजीत सिंह, राजवीर सिंह गुर्जर, सतवीर सिंह, नेमपाल सिंह, हरि सिंह, रवि चौधरी, पूनम, बबीता, अमित चौधरी, जितेंद्र सिंह, प्रमोद देवल, जयवीर सिंह, चौधरी वीरेंद्र सिंह, जॉनी, अशोक चौधरी, चमन सिंह, इंद्रपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस की अवैध बालू खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । भोजपुर पुलिस अधीक्षक श्री राज ने अपने प्रसेवार्ता कर बताया किकोईलवर थानान्तर्गत अवैध बालू लदा 02 नाव (लोडर सहित) एवं 01 ट्रक बरामद एवं इसमें संलिप्त 17 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक, भोजपुर के निर्देश के आलोक में भोजपुर पुलिस की अवैध बालू खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार सुबह से लेकर देर रात तक चलाए गए अभियान में, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-2 रंजीत कुमार सिंह, सहायक निदेशक, जिला खनन कार्यालय, भोजपुर राजेश कुमार कुशवाहा एवं प्रभारी थाना अध्यक्ष कोईलवर सुभाष कुमार मंडल साथ बीएमपी सशस्त्र बल के द्वारा सोन नदी के कचरा फैक्ट्री, कमालूचक, धनडीहा एवं वहियारा आदि इलाके में मोटर बोट से सघन छापामारी अभियान चलाया गया। जिसमें सोन नदी में धनडीहा गांव के पास नाव से अवैध बालू खनन एवं परिवहन करने में संलिप्त 02 नाव (लोडर सहित) एवं 01 ट्रक के साथ अवैध खनन करने वाले 17 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। इन सभी के विरुद्ध कोईलवर थाना में अवैध बालू खनन एवं परिवहन में संलिप्त 17 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। अवैध बालू लदा नाव - 02 (लोडर सहित) अवैध बालू लदा- 01 ट्रक जप्त किया गया।

वामदलों ने निकला एक जुटता मार्च रैली

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । इजराइल द्वारा पिछले एक साल से फिलिस्तीन पर हमले व बर्बर तबाही के खिलाफ वामदलों के राष्ट्रव्यापी फिलिस्तीनी एकजुटता दिवस के तहत आरा एकजुटता मार्च निकाला गया !यह मार्च युद्ध नहीं शांति के लिए निकाला गया !एकजुटता मार्च पूर्वी गुमटी से निकलकर शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए आरा रेलवे स्टेशन परिसर पहुंचा वहां पहुंचने के बाद सभा में तब्दील हो गया। इस एकजुटता मार्च में भाकपा-माले राज्य कमेटी सदस्य व अगिआंव के युवा विधायक शिवप्रकाश रंजन,राज्य कमेटी सदस्य सुधीर कुमार,आइसा राज्य सचिव शब्बीर कुमार,सीपीएम के जिला सचिव शिवकेश्वर राय,सीपीआई के जिला सचिव उत्तम गुप्ता,भाकपा-माले जिला कमेटी सदस्य अमित कुमार बंटी,निरंजन केसरी,अजय गांधी,सीपीआई के नेता एसएन शर्मा,चंद्रमा पासवान,हरिनाथ राम,संतविलास राम,रौशन कुशवाहा,रणधीर कुमार राणा,कुणाल सिंह,रामाशंकर प्रसाद,सुमन कुमार, अखिलेश गुप्ता,लव कुमार,नमी पासवान सहित कई लोग शामिल थे !

परिजनों के साथ मारपीट मामले में दो को जेल

प्रातः किरण संवाददाता

काराकाट (रोहतास) काराकाट थाना क्षेत्र के बाद टोला से शराब पीकर दो भाइयों ने परिजनों के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने दोनों भाइयों को जेल भेज दिया । गिरफ्तार बलिराम सिंह व छोटू कुमार पिता स्व. राम सकल यादव बताया जाता है । थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार दोनों भाई अपने परिजन के साथ परिजनों के साथ मारपीट किया था। जो एक सप्ताह पूर्व शराब पीकर बलिराम सिंह अपनी पत्नी से मारपीट किया था। मारपीट की सूचना पर पुलिस बाद टोला पहुंच दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

बोलेरो सवार दो लोग जिंदा कारतूस व खोखा के साथ गिरफ्तार

मनीगाछी(दरभंगा)। नेहरा थाना पुलिस ने 6 अक्टूबर की देर शाम गश्ती के दौरान जगदीशपुर गांव के पुलिया के निकट 2 जिन्दा कारतूस एवं तीन खोखा के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए दोनों लोग अपनी बोलेरो पर बैठे थे। ए एस आई मनोज कुमार राम के नेतृत्व में गश्ती में लगे पुलिस बल के जवानों ने संदेह के आधार पर दोनों से पूछताछ कर तलाशी ली तो उसके पास से दो जिंदा कारतूस एवं तीन खोखा बरामद किए गए। ऐसा समझा जाता है कि गश्ती दल को देखकर इन लोगों द्वारा अन्य हथियार ऐसी जगह छिपा दिया ।

बिहार के बालू माफिया ने यूपी से मंगवाया हथियार

2 पिस्टल और 154 जिंदा कारतूस के साथ तस्कर को गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

आरा:बालू माफिया को सप्लाई के लिए पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश से हथियार और कारतूस बिहार में लाया गया था। गुप्त सूचना के आधार पर भोजपुर पुलिस ने इसे बरामद कर लिया। वही एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उत्तर प्रदेश के जौनपुर निवासी हथियार तस्कर को दबोचा है।

इस बात की जानकारी भोजपुर पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज ने प्रेस वार्ता कर पत्रकारों को दी। भोजपुर पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज ने बताया कि भोजपुर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश से हथियार और जिंदा कारतूस लाकर हथियार तस्कर भोजपुर में बालू माफिया को सप्लाई करने आ रहा है। जिसके बाद भोजपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एसडीपीओ टू रंजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में आरा नवादा थानाध्यक्ष विपिन बिहारी के साथ एक टीम का गठन किया गया और छापेमारी की गयी।

छापेमारी के दौरान भोजपुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। भारी मात्रा में जिंदा कारतूस और पिस्टल के साथ एक तस्कर को दबोचा गया। हथियार तस्कर की पहचान उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के सरपतजहा थाना अंतर्गत लल्लू चौहान का बेटा मंजीत चौहान के रूप में हुई है।

पुलिस की पूछताछ में हथियार तस्कर ने बताया कि उसे यह हथियार भोजपुर जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत छपरा गांव निवासी कृष्ण मुरारी सिंह के पुत्र दुर्गेश सिंह को सप्लाई करना था। भोजपुर पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज ने बताया कि तस्कर के पास से 154 जिंदा कारतूस और 2 पिस्टल बरामद किया गया है। इस मामले में ऐसे कई लोगों का नाम सामने आ रहा है जिसकी जांच में पुलिस जुटी है।

वरिष्ठ नागरिकों, कलाकारों, पत्रकारों समेत परीक्षार्थियों को मिले रेलवे रिजर्वेशन में छूटः सुदामा प्रसाद

■ आरा सांसद सुदामा प्रसाद ने रेलवे के पार्लियामेंट्री कमिटी की पहली बैठक में जिले सहित देश के रेलवे के कई मुद्दे पर उठाई आवाज

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । आरा सासंद सुदामा प्रसाद ने आज रेलवे के पार्लियामेंट्री कमिटी की पहली बैठक में शामिल हुए। वे 26 सितंबर 24 को कमिटी के सदस्य चुने गए थे। उन्होंने आज देश सहित जिले के रेलवे से जुड़े कई मुद्दों को कमिटी बैठक में रखी। जिसमे मुख्य रूप से कोरोना काल से बन्द सभी ट्रेनों को चालू करने, जेनरल बोगी व थ्री टायर की संख्या बढ़ाने और कोरोना महामारी के नाम पर बंद किया गया वरिष्ठ नागरिकों - कलाकारों, पत्रकारों परिक्षर्थियों - छात्र छात्राओं के लिए कनशेषन टिकट शुरू करने तथा पूर्वी रेलवे गुमटी आरा के निमार्णाधीन फुट ओवर ब्रीज को शीघ्र पूरा करने की मांग रखी। उन्होंने सभी ट्रेनों और प्लेटफॉर्म पर बन्द पड़े पानी के नलों को शीघ्र चालू करने,शौचालय की साफ सफाई, प्रतिक्षलयों की सफाई, यात्री शेडो का निर्माण व मरम्मती का भी मुद्दा को उठाया।

उन्होंने आरा रेलवे स्टेशन पर निमार्धीन लिफ्टों, नवनिर्मित वाशिंग पीट का उद्धघाटन व रेलवे कैंपस में निर्मित वीर शहीद बाबू कुंअर सिंह की मूर्ति का चेहरा की दिशा रेलवे स्टेशन की तरफ करके जल्द लोकार्पण करने की मांग को मजबूती से बैठक में रखा।

शारदीय नवरात्र पर 9 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का पांचवा दिन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । भोजपुर जिले के उदवंतनगर प्रखंड के कारीसाथ गांव के शिव देवी हनुमत धाम में शारदीय नवरात्र के अवसर पर 9 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया गया है। जिसमें पूज्य जीयर स्वामी जी महाराज के शिष्य व ब्रह्मपुर धाम के पिठाधीश्वर आचार्य डॉ धर्मेंद्र जी महाराज के द्वारा भागवत कथा का रसपान कराया जा रहा है।

रविवार को आयोजित कथा में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में नगर रामलीला समिति ट्रस्ट की अध्यक्ष डॉ अर्चना सिंह शामिल हुई। उन्होंने भगवान की पूजा अर्चना करने के साथ आरती किया। इस आयोजन में कारीसाथ सहित अगल-बगल के गांव के सैकड़ों महिला व पुरुष भक्तों की भीड़ कथा सुनने को उमड़ रही है। चौथे दिन श्रीमद्भागवत कथा में भगवान राम से जुड़े प्रसंगों का वर्णन हुआ और भव्य झांकी भी निकाली गई। भगवान श्री राम, लक्ष्मण, माता सीता, हनुमान जी, शिव-पार्वती व राधा कृष्ण के रूप में बच्चों ने झांकी के माध्यम से अद्भुत प्रस्तुति दी। पांचवें दिन शिव पार्वती विवाह का प्रसंग होगा। नगर रामलीला समिति ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ अर्चना सिंह ने कहा कि भगवान राम और कृष्ण का अनुसरण पूरे सनातनियों को करना चाहिए।

क्योंकि रामायण हमें आदर्श के साथ जीवन जीने का तरीका सिखाती है और श्रीमद् भागवत महापुराण सिखाता है कि मरने से पहले क्या कर्म करें जिससे मुक्ति का मार्ग सुगम हो सके। भगवान राम मयार्दा पुरुषोत्तम है जो मयार्दा, करुणा, दया, सत्य, सदाचार और धर्म के मार्ग बताते हैं। और भगवान श्री कृष्णा हमें मित्रता, विनम्रता, कर्म, धैर्य, आत्मसम्मान सच्चाई व कूटनीति सीखाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि नगर रामलीला समिति ट्रस्ट द्वारा गांव गांव में सनातन प्रेमियों के लिए श्रीमद्भागवत कथा व रामायण पाठ का आयोजन कराया जाएगा।

रेड क्रॉस सोसाइटी के द्वारा लगातार भोजपुर जिले में बाढ़ से प्रभावित लोगों के बीच हो रहा राहत सामग्री का वितरण

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी भोजपुर जिला इकाई के द्वारा लगातार भोजपुर जिले में बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद राहत सामग्री पहुंच कर की जा रही है। इसी कड़ी में दिनांक 6 अक्टूबर को आरा प्रखंड के दरियापुर गांव के दलित टोले में कल 60 परिवारों को तथा आज दिनांक 7 अक्टूबर को आरा प्रखंड के ही सिन्हा घाट बांध के पास अल्पसंख्यक बस्ती एवं दलित बस्ती तथा कुछ कुछ दिव्यांग जनों के साथ-साथ कुल 40 परिवारों को खाद्यान्न के साथ-साथ जीवन निर्वाह करने वाली कुछ आवश्यक वस्तुओं का यथा कपड़े बर्तन बाल्टी तार्पौलिन सीट साबुन आदि का राहत सामग्री के रूप में वितरण किया गया।

दिनांक 6 अक्टूबर के राहत सामग्री कार्यक्रम का नेतृत्व सचिव डॉ विभा कुमारी एवं आज दिनांक 7 अक्टूबर के राहत सामग्री वितरण कार्यक्रम का नेतृत्व रेडक्रॉस आपदा प्रबंधन समिति के विजय मेहता ने किया जिनके साथ रेड क्रॉस सोसाइटी के स्वयंसेवक प्रभात मिश्रा , संजय कुमार मिश्रा,राजेश सिंह, सूरज कुमार आदि मौजूद रहे।

जैसे-जैसे बाढ़ का पानी कम हो रहा है लोग फिर से सामान्य जीवन में अपने आप को लाने के लिए प्रयास कर रहे हैं ऐसी स्थिति में रेड क्रॉस के द्वारा दी गई मदद भी उनको राहत पहुंचा रही है भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी भोजपुर जिला इकाई निरंतर इस प्रयास में लगी हुई है कि अधिक से अधिक लोगों को सामान्य परिस्थितियों में लाने में सहयोग किया जा सके।

दिनांक 27 सितंबर से शुरू किए गए राहत अभियान में विभिन्न स्थानों पर विस्थापित अभी तक लगभग 700 परिवारों को मदद पहुंचाई जा चुकी है और लगातार प्रयास किया जा रहा है कि अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचा जा सके और उनकी मदद की जा सके। इसी संदर्भ में कुछ अन्य स्थानों को भी चिन्हित किया जा रहा है जिनको आगे सहयोग किया जा सके

5 दिवसीय श्री कृष्ण लीला महोत्सव 22 अक्टूबर से भव्य श्रीकृष्ण लीला का होगा आयोजन:प्रेम पंकज

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। श्री कृष्ण लीला समिति की बैठक अध्यक्ष प्रेम पंकज उर्फ ललन की अध्यक्षता में स्थानीय होटल के सभागार में आयोजित की गई। जिसमें मुख्य रूप से अगामी 22 अक्टूबर से आयोजित होने वाली छः दिवसीय श्री कृष्ण लीला महोत्सव की चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष प्रेम पंकज उर्फ ललन ने जानकारी देते हुए कहा कि पिछले वर्ष श्री कृष्ण लीला का सफल आयोजन के पश्चात पुनः इस वर्ष में हम लोग कृष्ण लीला का आयोजन करने जा रहे हैं। प्रसिद्ध लीला मंडली वैष्णो कला मंच के द्वारा 22 अक्टूबर को शोभा यात्रा एवं 23 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक कृष्ण लीला का मंचन होगा । भक्तों के बैठने के लिए बड़ी व्यवस्था बड़ा मंच और भव्य डेकोरेशन एवं भव्य भंडारे का आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि इस बार शहर से ही नहीं, बल्कि गांव से भी लोग लीला देखने पहुंचेंगे। कृष्ण लीला के प्रचार प्रसर हेतु हम लोग बड़े पैमाने पर प्रचार गाड़ी भी निकलेंगे। संचालन आदित्य विजय जैन ने किया।इस मौके पर सभी लोगों ने प्रेम पंकज उर्फ ललन को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। तत्पश्चात श्री कृष्ण लीला समिति का अध्यक्ष चुना। बैठक में चैम्बर ऑफ कॉमर्स के महासचिव आदित्य विजय जैन, अधिवक्ता सुरेश प्रसाद, जितेंद्र ब्याहुत, सोना लाल, विशाल सिंह, आकाश सोनी, अमित पांडेय, राजीव रंजन, अभिषेक चौरसिया, सन्नी शाहाबादी, मदन प्रसाद, शंभू प्रसाद, आलोक अंजन उर्फ छोटे, आदित्य सिंह आदि, राजवीर, राहुल चौरसिया, राजीव पासवान, डॉ. जितेंद्र कुमार, महेन्द्र, मुन्ना महतो, टुनटुन, भीम जी, श्रीकांत, अंकित कुशवाहा, मुन्नू सिंह, दीपू साह, अभय श्रीवास्तव, ललन जी, प्रयाग यादव, सम्राट सक्सेना, लल्लू कुमार, बम ओझा, राहुल सिंह, रणजीत सिंह समेत अन्य लोग थे।

ज्ञान ज्योति आवासीय विद्यालय में भव्य गरबा सह डांडिया की धूम के साथ हुआ नव दुर्गा, वैष्णो देवी तथा रामलीला कथा का मंचन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । शारदीय नवरात्र के पांचवे दिन स्कन्दमाता के आगमन के साथ ही स्थानीय ज्ञान ज्योति आवासीय विद्यालय ने अपने बामपाली स्थित विशाल प्रांगण में भव्य डांडिया नृत्य का आयोजन किया जिसमें विद्यालय के प्री नर्सरी से कक्षा आठ तक के सभी छात्र छात्राओं तथा सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने पारम्परिक परिधानों में सुसज्जित हो भाग लिया । कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के निदेशक डॉ. आदित्य बिजय जैन तथा प्राचार्या डॉ. सीपी जैन द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर मंत्रोंच्चार के बीच माता विंध्यवासिनी की पूजा अर्चना से हुई। रामायण के संक्षिप्त चित्रण को नर्सरी से लेकर कक्षा तीन तक के छात्र छात्राओं द्वारा मंच से अद्भुत संगीतमय नाट्य प्रस्तुति कर दिखाया गया। कक्षा चार से कक्षा आठ तक के छात्र छात्राओं ने माता वैष्णव देवी - श्री राम के प्रसंग को इस कदर प्रस्तुत किया जैसे लगता हो कि वास्तव में प्रभु श्री राम और माता वैष्णव देवी के बीच वार्ता चल रही हो। माता वैष्णव देवी की तीन पिण्डियाँ और बाबा भैरव नाथ का भी अद्भुत मंचन इन बच्चों के द्वारा किया गया। प्री प्राईमारी और प्राईमारी के बच्चों की प्रस्तुति में प्रखर रूंगटा तथा आदित्य ने जहां प्रभु राम की भूमिका निभायी वहीं माता सीता की भूमिका में रहीं अदिति कुमारी। लक्ष्मण तथा हनुमान बने जयंत और दिव्याँशु तथा रावण की भूमिका मे रहे आर्णव शर्मा। राम लीला मंचन में विभिन्न रूप धारण किये अन्य छात्र छात्राओं के नाम हैं हनिका सारावागी, हर्ष, अंकिता,काव्या, सिया,माही, देवांशी, कारणवीर इत्यादि। माता वैष्णव देवि-राम प्रसंग की अद्भुत प्रस्तुति में भाग लिया कक्षा पांच से आठ तक के छात्र छात्राओं ने। माता वैष्णव देवी की भूमिका निभायी ख्वाइश ने और प्रभु राम की भूमिका में दिखे रजत शिखर। कुल चार प्रस्तुतियों में, राम लीला मंचन, वैष्णव देवी एक्ट, गरबा- डांडिया ग्रुप डांस और नव दुर्गा प्रस्तुति हुई। वैष्णव देवी एक्ट में ख्वाइश और राजत शिखर के साथ साथ भैरव नाथ बने अक्ष सिंह तोमर। इस एक्ट के अन्य प्रतिभागियों के नाम हैं भारती सिंह, राज नंदिनी, मानसी, परिणिता, अराध्या, प्रियाँशि, शिवम, अनमोल, आयुष, रिशु इत्यादि। गर्बा- डांडिया ग्रुप में भाग लिया राजवीर, रिया,अक्षत, आकृति, आयुष राज, सौम्या, आदित्य पाठक, वैष्णवी, कनक, पल्लवी, खुशी, अनय, आदर्श, कुशाग्र ओझा, साक्षी,आर्शी, मोक्षिता, आदर्श, ऋषव, श्रेया,अनुराग, तथा अखिल ने। नव दुर्गा प्रस्तुति हुई आरुषी, अमीशी, त्रिशू, सौम्या जलान, नियति, अदिति, सावी, दर्शिका, आयुष,सुधाकर, अंकुर, अंशुमान, अंश के द्वारा । सभी के उत्साह ने विद्यालय परिसर में एक अद्भुत ऊर्जा का संचार किया ।

चित्रगुप्त पूजा की तैयारी को लेकर किया गया बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । स्थानीय नवीन विद्यालय शीतल टोला में एक बैठक किया गया जिसमें चित्रगुप्त पूजा तैयारी को लेकर बैठक में निर्णय लिया गया कि शहर के बुद्धिजीवी पत्रकार कलाकार को हमेशा हर साल सम्मानित किया जाता है और इस साल भी लोगों को सम्मानित किया जाएगा

बैठक में आगामी चित्रगुप्त पूजनोत्सव 2024 के आयोजन पर विचार विमर्श उपरोक्त उपस्थित सम्मानित सदस्यों के साथ किया गया। जिसमें सभी ने सर्वसम्मति से पूजनोत्सव 2024 को धूम-धाम से मनाने का निर्णय लिया।

कार्यक्रम के संबंध में भी विचार विमर्श करते हुए तय किया गया कि सिलाई मशीन वितरण, सम्मानित कार्यक्रम, सांस्कृतिक कार्यक्रम, क्वीज प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम भी हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी आयोजित किया जाएगा।बैठक की अध्यक्षता डा० ब्रजेश कुमार ने तथा धन्यवाद ज्ञापन वरीय अधिवक्ता सह नोटरी पदाधिकारी श्री गजाधर प्रसाद ने दिया। बैठक के आयोजन के लिए डा० सुधीर जी, सूरज जी को सबने बधाई दी।

उक्त अवसर पर तारकेश्वर शरण सिन्हा, डा० बालाजी, शंकर प्रसाद, निर्मल सुधीर सिन्हा, यमुना प्रसाद, संतोष सहाय, अनिकेत श्रीवास्तव, डा० रमेश कर्ण, आनन्द मोहन सिन्हा एवं अन्य चित्रांश समिति के सदस्यगण उपस्थित रहें।चित्रांश समितिह्व शीतल टोला, आरा भोजपुर द्वारा भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवा के लिए वर्ष 2024 में निम्नांकित व्यक्तियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। इसमें डॉ० आशुतोष कुमार अजय श्रीवास्तव , डॉ० विवेक राज दिलीप कुमार डॉ० लोकेश कुमार, राकेश कुमार सिन्हा डा० प्रशांत कुमार गुप्ता शिक्षा ,ब्रज नंदन सहाय समाज सेवा डा० दीपक प्रकाश वर्द्धन अमित कुमार बंटी शशांक जैन,सरोज सिंह गजाधर प्रसाद रेणु कुमारी सरिता कुमारी आदि लोगों के नाम शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद सह बजरंग दल ने प्रशासन से की नवरात्रि में मांस-मछली एवं अंडे की बिक्री पर रोक लगाने की मांग

प्रातः किरण संवाददाता

रक्सौल। शारदीय नवरात्र के पवित्र अवसर पर पूरे रक्सौल नगर परिषद क्षेत्र में मीट मछली और अंडा आदि की दुकानों को बंद करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद सह राष्ट्रीय बजरंग दल, रक्सौल नगर इकाई के कार्यकताओं के द्वारा रक्सौल अनुमंडल पदाधिकारी शिवाक्षी दीक्षित, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धीरेन्द्र कुमार एवं कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन के माध्यम से मांग किया गया कि पूजा के दौरान मांसाहारी दुकानों को पूर्ण रूप से बंद किया जाए, ताकि भक्तजन शुद्ध और पवित्र माहौल में पूजा कर सके। विभाग प्रमुख दिग्विजय पार्थ ने बताया कि जब पूजा पंडाल में डीजे बंद कराया जा सकता है तो इन मांसाहारी दुकानों को बंद करने में क्या परेशानी है।

सनातन धर्म और इससे जुड़े आस्था को मजाक उड़ाते हुए पूरे नगर परिषद क्षेत्र में खुलेआम मांस, मछली और अंडा बेचा जा रहा है, जो गंभीर चिंता का विषय है। वरीय कार्यकर्ता अरुण कुमार ने बताया कि हम लोग सरकार और यहां के प्रशासन से मांग करते हैं कि सनातन धर्म के इस महान पर्व के पवित्रता को ध्यान में रखते हुए कुछ दिनों के लिए इन दुकानों को बंद करने का कष्ट किया जाए। इस ज्ञापन पत्र को देने में राजेश कुमार, सतीश कुमार, मुकेश कुमार, पंकज गिरी, संदीप कुमार आदि कार्यकताओं का विशेष योगदान रहा।

अनुमंडल स्तरीय दुर्गा पूजा में विधि व्यस्था को लेकर एसडीएम ने की बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) दुगार्पूजा में विधि व्यवस्था को लेकर स्थानीय नगर परिषद के सभागार भवन में सोमवार को एसडीएम और डीएसपी ने संयुक्त रूप से बैठक की।

बैठक में अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न नगर परिषद,नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी, प्रमुख, बीडीओ,सीओ, थानाध्यक्ष के अलावें पूजा समिति के लोगों ने भाग लिया। बैठक में एसडीएम अनिल बसाक ने पूजा समिति के अध्यक्ष, लाइसेंसधारी व पूजा समिति से जुड़े लोगों से डीजे नहीं बजाने,निर्धारित अवधि के बाद साउंड नहीं बजाने, जुलूस शांतिपूर्ण निकालने को लेकर चर्चा किया। उन्होंने पंडाल में सीसीटीवी लगाने,वीडियो ग्राफी,ड्रोन कैमरा,अग्निशामक यंत्र लगाने, सभी वालेंटियर का परिचय पत्र के संबंध में भी निर्देशित किया।

किसी भी तरह के अफवाह व बहकावे में नहीं आने और असामाजिक तत्वों के संबंध में वहां तैनात अधिकारियों व वरीय अधिकारियों को सूचना देने को कहा ।

एसडीपीओ कुमार संजय ने कानून हाथ में नहीं लेने की हिदायत दी। बताया कि अनुमंडल क्षेत्र में विभिन्न जगहों पर मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस बल की तैनाती रहेगी। जो सादे लिबास में भी पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी जो असामाजिक तत्वों पर नजर रखेंगे। अशांति फैलाने के प्रयास करने पर प्रशासन सख्ती से निपटेगा। इसके अलावे एसडीएम व एसडीपीओ ने उपस्थित अधिकारियों से भी दुगार्पूजा को लेकर विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्देश दिया। मौके पर बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार, सूर्यपुरा थानाध्यक्ष प्रिया कुमारी, नासरीगंज थानाध्यक्ष अमित कुमार , नटवार थानाध्यक्ष अजीत कुमार,दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार, कछवा थानाध्यक्ष मितेश कुमार,सेमरा ओपी थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह , बिक्रमगंज सीओ रजत कुमार वर्णवाल समेत सभी विभागों के अधिकारी और पूजा समिति के लोग उपस्थित थे।

उदवंतनगर थाना अन्तर्गत चोरी की ट्रैक्टर और हथियारों के साथ आरोपी गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

भोजपुर । पुलिस अधीक्षक श्री राज ने अपने कार्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि दिनांक-06.10.2024 को समय करीब 21:30 बजे गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि उदवंतनगर थानान्तर्गत ग्राम दर्शन छपरा में सरोज यादव नाम का व्यक्ति चोरी के ट्रैक्टर एवं अवैध हथियार अपने घर में रखा हुआ है, जो किसी बडी घटना को अजांम देने के फिराक में है।उक्त आसूचना का सत्यापन, अवैध आग्नेयास्त्र एवं चोरी के ट्रैक्टर की बरामदगी तथा अपराधकर्मी की गिरफ्तारी हेतु पु०नि०-सह-थानाध्यक्ष उदवंतनगर थाना के नेतृत्व में प्र०पु०अ०नि० अमर कुमार सिंह, उदवंतनगर थाना एवं थाना के सशस्त्र बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम दर्शन छपरा पहुँच कर सरोज यादव पिता महेश सिंह के घर पर पहुँच कर त्वरित कार्रवाई करते हुए सरोज यादव की कमरे की तलासी ली गई। तलासी के क्रम में एक स्टील के बक्सा के अंदर 02 देशी कटटा, 01 पिस्टल, 01 मैगजीन एवं 07 जिंदा कारतुस तथा चोरी का स्वराज ट्रैक्टर बरामद किया गया। इस संबंध में उदवंतनगर थाना कांड सं0-444/2024, दिनांक-07.10.2024 धारा-25 (1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया हैं।

आरा में मां मालती बजाज शोरूम का दूसरा ब्रांच का हुआ उद्घाटन

● वर्ल्ड का पहला सीएनजी स्कूटी का शुभ आरंभ,ग्राहकों के लिए बुकिंग हुई शुरू

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । आरा शहर के धरहरा स्थित मां मालती बजाज शोरूम का दूसरा ब्रांच का उद्घाटन विधवत रूप से पूजा पाठ कर किया गया।इस अवसर पर दूसरा ब्रांच का उद्घाटन समाजसेवी हाकीम प्रसाद और शोरूम के मालिक संजीव गुप्ता के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। उद्घाटन के उपरांत समाजसेवी हकीम प्रसाद ने कहा कि मेरे छोटे भाई संजीव गुप्ता को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं कि उनके द्वारा गाड़ी के शोरूम में बेहतर कार्य करते हुए आज दूसरा ब्रांच का उद्घाटन किया गया है। बजाज की गाड़ी सबसे मजबूत और ज्यादा माइलेज देने वाली गाड़ी होती है। आरा शहर में अब बजाज शोरूम का दूसरा शोरूम खुलने के बाद भोजपुर की जनता को काफी सहूलियत मिलेगी। वही बजाज शोरूम के मालिक संजीव गुप्ता के द्वारा बताया गया है कि नवरात्रि के शुभ अवसर पर मेरे मां मालती बजाज शोरूम का दूसरा ब्रांच का शुभारंभ हुआ है। बजाज के द्वारा एनएस 400 मोटरसाइकिल और चेतक का इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी का लॉन्चिंग किया गया है। आम जनता की सहूलियत को देखते हुए बजाज के द्वारा वर्ल्ड का पहला सीएनजी स्कूटी का भी शुभ आरंभ किया गया है। बजाज कंपनी का रीजनल मैनेजर तौफीक सर ने बताया कि यह गाड़ी जो है वर्ल्ड में अपने आप का एक अद्भुत गाड़ी है।जिस तरह से हमारा चेतक गाड़ी,टीवी चेतक आज स्टील बॉडी में जिसको हम लोग बोलते हैं लाइफ सेफ गाड़ी वह सफल हुआ है।पूरे देश में वह गाड़ी जो है हमारा सीएनजी आने के बाद और धूम मच जाएगा।इस दौरान रीजनल मैनेजर टॉफिक आलम, एसएम अंसुमन,रामलीला समिति अध्यक्ष सोनू राय,डॉक्टर केडिया,डॉक्टर जीवेश कुमार,पंकज प्रभाकर,गोपाल प्रसाद,मनोज कुमार निराला,बीजेपी अध्यक्ष दुर्गा राज,मुखिया संघ अध्यक्ष हरेंद्र यादव,मंजीत कुमार,वार्ड पार्षद जितेंद्र,वार्ड पार्षद अंकित कुमार वर्मा समेत कई लोग उपस्थित हुए थे।

अन्याय के खिलाफ संघर्ष के मैदान में पुनः उतरेंगे : संयुक्त किसान मोर्चा

बक्सर/पटना, प्रातः किरण। जुल्मी बक्सर जिला प्रशासन के जोर- जुल्म, अत्याचार और दर्जनों झूठे मुकदमों में फंसा कर चौसा के क्रांतिकारी किसानों का मनोबल नहीं तोड़ा जा सकता। चौसा किसान आंदोलन के नेता राम प्रवेश सिंह को झूठे मुकदमों में फंसा कर गिरफ्तार करने से आंदोलन कमजोर नहीं होगा। चौसा के किसान पुलिस दमन की एवं जिला प्रशासन के अमानवीय और घोर अन्याय के खिलाफ संघर्ष के मैदान में पुनः उतरेंगे। उक्त बातें संयुक्त किसान मोर्चा बिहार की ओर से प्रेस बयान जारी कर भारतीय किसान यूनियन के बिहार प्रभारी दिनेश कुमार, बिहार राज्य किसान सभा के महासचिव अशोक प्रसाद सिंह,ऑल इंडिया अग्रगामी किसान सभा के रामायण सिंह,भारतीय किसान मजदूर विकास संगठन के अनिल कुमार सिंह,प्रभावित किसान खेतिहर संघर्ष मोर्चा चौसा के लाल साहेब उपाध्याय,एन ए पी एम के आशीष रंजन, नेशन फॉर फार्मर के गोपाल कृष्ण,उत्तर बिहार संयुक्त किसान संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष प्रो आनंद किशोर, स्वामी सहजानंद सरस्वती विचार मंच के बैजनाथ शर्मा, कैमूर किसान यूनियन के अभिमन्यु सिंह,किसान संघर्ष मोर्चा कैमूर के पशुपति सिंह, जागता किसान मंच के नरेश यादव, कमलेश सिंह आदि थे।

राजद के प्रदेश महासचिव मनोज सिहं के नेतृत्व में राजद का एक टिम जिला पदाधिकारी से मिला

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । राजद के प्रदेश महासचिव मनोज सिहं जी के नेतृत्व में राजद के एक टिम जिला पदाधिकारी भोजपुर से मिला पुरे बड़हरा विधानसभा में बाढ़ प्रभावित सुची में कटे नाम जोडने और प्रभावित सुची में नया नाम जोडने के संबंध में मनोज सिंह ने कहा पूरे इलाका में बहुत जगह बाढ़ के चलते रास्ता प्रभावित है और खराब हो गया गांव में जल्द से जल्द उन रास्ता को बनवाया जाए बहुत से प्रभावित लोग सूची से नाम कट गया है प्रशासन की गलती से उसको जल्द से जल्द जोड़ा जाए और बहुत से जगह नया प्रभावित लोगों का नाम नहीं जुड़ा है उन लोगों का भी नाम जोड़ा जाए पहले जो प्रभावित सूची में नाम था वह भी बहुत लोगों का कट गया है उन लोगों का जल्द जोड़ा जाए कई पंचायत का नाम बाढ़ प्रभावित में छठ गया है रिपोर्ट मगाकर उनलोगों का भी वह पंचायत भी बाढ़ प्रभावित घोषणा होना चाहिए जिलाधिकारी महोदय ने अस्वासन दिया कि जितने लोगो का नाम सूची से कटा हैं उन सभी लोगों का लिस्ट जिला आपदा कार्यालय में जमा करवाइये उन सभी का नाम जोड़वाने का काम करेंगे। सिस्ट मंडल टीम में शामिल हुए अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विनोद चन्द्रवंशी , सीपी चक्रवर्ती ,प्रिन्स ठाकुर, अनिल यादव,आकाश पासवान,लक्ष्मण सिंह आदि थे।

इन फिल्मों से धमाल मचाने को तैयार बॉबी देओल

बॉबी देओल ने एनिमल से दमदार वापसी की थी, जिसमें उनके अभिनय को लोगों न खूब सराहा। वहीं दमदार सफलता हासिल करने के बाद बॉबी के पास कतार में कई धमाकेदार फिल्में हैं, जिसके जरिए वे दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। अभिनेता के पास बॉलीवुड से लेकर साउथ की भी बिग बजट की फिल्में, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। बॉबी देओल एक ओर कंगुवा के जरिए अपना साउथ डेब्यू करने के लिए तैयार हैं तो वहीं अब अभिनेता के हाथ एक और साउथ फिल्म लगी है। इस लिस्ट में सबसे पहली फिल्म है दलपति 69। हाल ही में साउथ सुपरस्टार विजय की आखिरी फिल्म दलपति 69 में बॉबी देओल शामिल हुए हैं। निर्माताओं ने फिल्म से बॉबी देओल का पोस्टर जारी करते हुए उनके कलाकारों में शामिल होने की आधिकारिक घोषणा की थी। इस लिस्ट में अगली फिल्म कंगुवा है। यह बॉबी देओल की डेब्यू साउथ फिल्म है। इस फिल्म में बॉबी खलनायक के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म से बॉबी का पहला पोस्टर भी जारी हुआ था, जिसमें वे बेहद खतरनाक अंदाज में नजर आए थे। इस फिल्म में साउथ सुपरस्टार सूर्या के साथ बॉबी स्क्रीन साझा करेंगे। यह फिल्म 14 नवंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है। बॉबी देओल के पास बॉलीवुड की फिल्म अल्फा भी है। वाईआरएफ की अल्फा में भी बॉबी देओल खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी। मार्च में बॉबी देओल के फिल्म में शामिल होने की घोषणा की गई थी। आलिया और बॉबी फिल्म के लिए एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग भी कर चुके हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, बॉबी देओल के पास अक्षय कुमार की वेलकम 3 भी है। हालांकि, फिल्म में अभिनेता के शामिल होने का आधिकारिक एलान नहीं हुआ है। कथित तौर पर बॉबी फिल्म में अक्षय कुमार के साथ कॉमेडी का तड़का लगाते नजर आएंगे।

मालविका मोहनन ने शाहरुख से अपनी पहली मुलाकात के अनुभवों को साझा किया

साउथ अभिनेत्री मालविका मोहनन ने 'युद्रा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म में वह सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ नजर आईं। अपने अभिनय के लिए मालविका को काफी प्रशंसा भी मिली। सिद्धांत और मालविका के अलावा फिल्म में राघव जुयाल, गजराज राव, राम कपूर, राज अर्जुन और कई अन्य कलाकार शामिल हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने शाहरुख खान से अपनी पहली मुलाकात के अनुभवों को साझा किया। बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में मालविका ने कहा कि जब उनके पिता के. यू. मोहनन, जो एक सिनेमैटोग्राफर हैं, शाहरुख की डॉन की शूटिंग कर रहे थे, तो वह शाहरुख से मिलना चाहती थीं। अभिनेत्री ने कहा, लेकिन हम शाहरुख से मिलना चाहते थे, इसलिए पिताजी ने एक रात देर से शूटिंग करने का फैसला किया। तभी हम मुंबई में फिल्म सिटी गए। वह उस सीन की शूटिंग कर रहे थे, जिसमें शाहरुख दूसरे शाहरुख को पकड़े हुए हैं, जो क्लाइमेक्स वाला हिस्सा है। हमें उस समय नहीं पता था कि यह कौन सा दृश्य है और यह बहुत देर रात की बात है करीब 12 या 1 बजे जैसा था।' इसके अलावा, मालविका ने कहा कि वह अपनी मां और भाई के साथ उनका इंतजार कर रहे थे। हालांकि, जब तक अभिनेता पहुंचे, तब तक वह और उनका भाई दोनों बहुत नींद में थे, क्योंकि वह लगभग एक घंटे से इंतजार कर रहे थे। अभिनेत्री ने कहा, 'किसी ने मुझे हैलो कहा और जब मैंने ऊपर देखा तो वह शाहरुख सर थे। मैं उन्हें देखकर इतनी घबरा गई और अभिभूत हो गई, मैं केवल हैलो कह पाई, यहां तक की अपनी कुर्सी से भी उठ नहीं सकी। मुझे एहसास हुआ कि मैं स्टारस्ट्रक हो गई हूं, और फिर उन्होंने कहा कि तुम क्या पढ़ रही हो? तुम्हारी उम्र कितनी है? और फिर उन्होंने मेरे परिवार से भी बात की। मालविका ने साझा किया कि उनके परिवार ने उन्हें डांटा, यह बताते हुए कि शाहरुख खान हैलो कहने आए थे, लेकिन वह अपनी कुर्सी से उठ नहीं पाईं, जो उन्हें असभ्य लग सकता था। अभिनेत्री ने कहा, 'मैंने कहा कि नहीं, मेरा असभ्यता दिखाना का इरादा नहीं था उस समय मेरे पैर काम करना बंद कर चुके थे, इसलिए मैं उठ नहीं सकी। मेरे साथ जीवन में ऐसा कई बार हुआ है, लेकिन हां मैं शाहरुख खान की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं।'

रेस 4 में सैफ अली खान की वापसी पक्की

लोकप्रिय रेस फ्रेंचाइजी की आगामी चौथी किस्त से जुड़े हर एक अपडेट पर प्रशंसक अपनी नजरें गड़ाए हुए हैं। बीते दिन खबरें थीं कि सैफ अली खान जो पहली दो फिल्मों में मुख्य भूमिका में थे, वे अब इस फ्रेंचाइजी में फिर से वापसी करेंगे। वहीं, अब फिल्म के निर्माता रमेश तौरानी ने भी इस खबर की पुष्टि कर दी है। प्रोडक्शन हाउस टिप्स फिल्म्स के संस्थापक तौरानी ने कहा कि रेस 4 में सैफ कलाकारों की टोली का नेतृत्व करते नजर आएंगे। फिल्म के निर्माता रमेश तौरानी ने पुष्टि की कि फिल्म 2025 में फ्लोर पर जाएगी। उन्होंने कहा, सैफ रेस फ्रेंचाइजी में वापस आएंगे, और हम उन्हें बोर्ड पर लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने पहली दो फिल्मों में बहुत अच्छा काम किया है। फिल्म के बारे में अपडेट साझा करते हुए तौरानी ने कहा, फिल्म में कई कलाकार होंगे और हम स्क्रिप्ट और कलाकारों को अंतिम रूप दे रहे हैं। तौरानी ने अपनी बात में जोड़ा, हमने निर्देशक को भी अंतिम रूप नहीं दिया है। हम फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले अगले साल आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा करेंगे। जानकारी हो कि इस फ्रेंचाइजी की पहली दो फिल्मों का निर्देशन अब्बास-मस्तान ने किया था, जबकि तीसरी किस्त का निर्देशन रेमो डिसूजा ने किया था। इससे पहले ऐसी खबरें थीं कि निखिल आडवाणी को फिल्म का निर्देशन करने के लिए चुना गया है। हालांकि, तौरानी के बयान से साफ होता है कि रेस 4 के लिए निर्देशक अभी तक तय नहीं हुआ है।

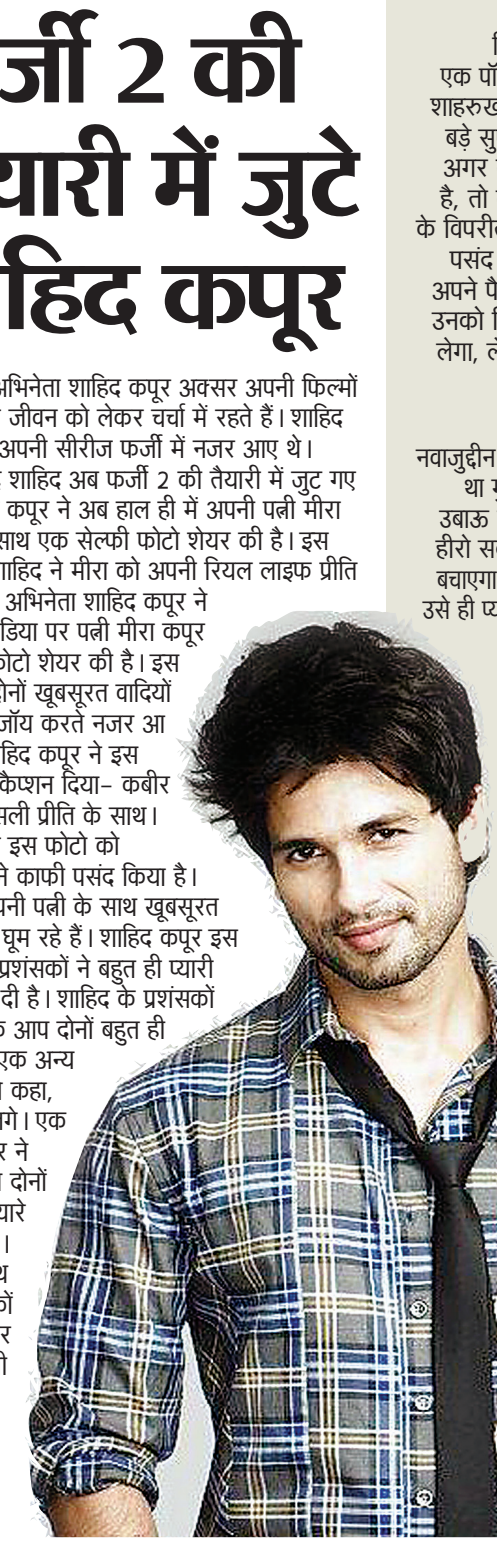

फर्जी 2 की तैयारी में जुटे शाहिद कपूर

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर अक्सर अपनी फिल्मों और निजी जीवन को लेकर चर्चा में रहते हैं। शाहिद इस साल अपनी सीरीज फर्जी में नजर आए थे। इसके बाद शाहिद अब फर्जी 2 की तैयारी में जुट गए हैं। शाहिद कपूर ने अब हाल ही में अपनी पत्नी मीरा कपूर के साथ एक सेल्फी फोटो शेयर की है। इस फोटो में शाहिद ने मीरा को अपनी रियल लाइफ प्रीति बताया है। अभिनेता शाहिद कपूर ने सोशल मीडिया पर पत्नी मीरा कपूर के साथ फोटो शेयर की है। इस फोटो में दोनों खूबसूरत वादियों के बीच एंजॉय करते नजर आ रहे हैं। शाहिद कपूर ने इस फोटो पर कैप्शन दिया- कबीर अपनी असली प्रीति के साथ। शाहिद की इस फोटो को प्रशंसकों ने काफी पसंद किया है। शाहिद अपनी पत्नी के साथ खूबसूरत वादियों में घूम रहे हैं। शाहिद कपूर इस फोटो पर प्रशंसकों ने बहुत ही प्यारी प्रतिक्रिया दी है। शाहिद के प्रशंसकों ने कहा कि आप दोनों बहुत ही अच्छे हैं। एक अन्य प्रशंसक ने कहा, नजर न लगे। एक अन्य यूजर ने कहा, आप दोनों बहुत ही प्यारे लग रहे हैं। इसके साथ ही प्रशंसकों ने हार्ट और लव इमोजी भी कमेंट में लिखी है।

किक में काम करने को लेकर बोले नवाजुद्दीन सिद्दीकी

बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान जैसे सितारों के साथ काम किया है। एक इंटरव्यू के दौरान नवाजुद्दीन ने इन्ही तीन खानों को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि नवाजुद्दीन जब सलमान खान की किक में काम किया था, तब उनके माता पिता को इस पर विश्वास नहीं हुआ था।

किक देखकर माता पिता को अच्छा लगा

एक पॉडकास्ट के दौरान नवाजुद्दीन ने कहा कि शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान बड़े सुपरस्टार हैं और लोगों को लगता है कि अगर कोई अभिनेता उनके साथ काम करता है, तो वह सफल हो जाता है। दूसरों की राय के विपरीत, उनके माता-पिता को ऐसा बिल्कुल पसंद नहीं था। मेरे माता पिता को था कि ये अपने पैरों पर खड़ा हो जाए, कुछ करने लगे। उनको विश्वास नहीं था मेरे ऊपर की कुछ कर लेगा, लेकिन अच्छा लगा उन्हें जब उन्होंने किक देखी तो।

ठेठ हीरो बनना है उबाऊ

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने एक बातचीत के दौरान कहा था मुझे एक ठेठ हीरो का प्रतिनिधित्व करना उबाऊ लगता है। हिंदी फिल्मों में भूमिका है कि हीरो सबको सेव करेगा और पूरी दुनिया को वही बचाएगा। फिल्म में कहानी होती है कि हिरोइन भी उसे ही प्यार करेगी, चाहे उसके अंदर कोई खूबी हो या न हो। फिल्मों में मुख्य अभिनेता क्या कमाता है, क्या करता है, ये भी पता नहीं होता है।

इन फिल्मों के कारण होती है नवाजुद्दीन की चर्चा

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने 1999 में सरफरोश फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म के अलावा नवाजुद्दीन को फैमिली, कहानी, पान सिंह तोमर, गैंग्स ऑफ वासेपुर, बदलापुर, मंटो, ताली जैसी फिल्मों के लिए प्रशंसकों का प्यार मिलता है।

चिरंजीवी ने क्यों किया व्यावसायिक फिल्मों का रुख? बताई वजह

दक्षिण भारतीय दिग्गज अभिनेता चिरंजीवी का नाम हाल ही में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ है। चिरंजीवी सिर्फ साउथ ही नहीं बल्कि हिंदी पट्टी में भी काफी मशहूर हैं। उन्होंने कई हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। बता दें कि 45 वर्षों में अपनी 156 फिल्मों के 537 गानों में 24000 डांस मूव्स करने के लिए उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। हाल ही में अभिनेता ने 'इंडियन फिल्म फेस्टिवल' में अहा के विशेष फायरसाइड चैट के लिए राजीव मसंद से बातचीत में बताया कि उन्हें किस तरह की फिल्में करनी है, इसकी समझ कब आई। अभिनेता ने बातचीत के दौरान कहा, मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि एफटीआईआई से अभिनय का कोर्स पूरा करने से पहले ही मुझे एक फिल्म में कास्ट कर लिया गया। इससे पहले कि वह रिलीज होती, के. बालचंदर सर जैसे दिग्गज फिल्ममेकर ने मुझे एक फिल्म में कास्ट किया। फिर बापू गरु और के. विश्वनाथ गरु जैसे दिग्गजों के साथ एक फिल्म बनी। अपने करियर के शुरुआती दौर में ही मुझे कुछ बेहतरीन फिल्ममेकर्स के साथ काम करने का सौभाग्य मिला। साथ ही, मैं डांस, एक्शन और अन्य चीजों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने के अपने हुनर को निखार रहा था। वह मुझे और भी ज्यादा पसंद करने लगे।' मेगास्टार ने आगे बताया कि किस तरह की फिल्मों के लिए उनका दिल धड़कता है। उन्होंने कहा, 'मेरे प्रशंसक, आम जनता, वह मुझे एक्शन, शानदार डांस जैसी चीजों में देखना चाहते हैं। हालांकि, मेरा दिल चाहता था कि मैं के.बी. सर, भारतीराजा, के.वी. गरु और बापू गरु जैसे दिग्गजों के साथ फिल्में करूं। मैं उलझन में था।' चिरंजीवी ने अपनी दुविधा के बारे में खुलकर बात की और कहा, 'चलिए 1983 की बात करते हैं। 'खैदी', जिसने मुझे स्टार का दर्जा दिया, उसमें एक गंभीर किरदार था और बेहतरीन डांस सीक्वेंस थे। अगले हफ्ते, मैंने बापू गरु द्वारा निर्देशित 'मंत्री गारी वियंकुडु' की। यह एक शरारती किरदार था और यह भी एक बड़ी सफलता थी।'एक अभिनेता के रूप में भी मुझे आलोचकों की प्रशंसा मिली, लेकिन, एक निर्माता के रूप में, यह एक बड़ी विफलता थी। ऐसी स्थिति मैं नहीं चाहता था। मेरे पास अपने निर्माताओं के प्रति भी जिम्मेदारी है। इसलिए, मैं धीरे-धीरे कमर्शियल फिल्मों की ओर झुका।'

दिग्गज अभिनेता ने बताया कि उनके भाई एसपीबी अक्सर उनसे सिर्फ एक्शन फिल्मों पर ध्यान केंद्रित न करने और 'दंगल' जैसे प्रोजेक्ट करने के लिए कहते थे। चिरंजीवी ने कहा, 'मैंने उनसे कहा कि मैं प्रदर्शन आधारित विषय बनाना चाहता हूं, लेकिन निर्माता खुश नहीं हैं। इसलिए, कमर्शियल सिनेमा ही रास्ता था।'

हंसल मेहता ने किया कंट्रोल का रिव्यू, अनन्या को कहा अद्भुत प्रतिभा

अनन्या पांडे अभिनीत फिल्म कंट्रोल इस हफ्ते की शुरुआत में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। विक्रमादित्य मोटवानी द्वारा निर्देशित इस साइबर-थ्रिलर को सिने प्रेमियों की मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। हाल ही में अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने फिल्म और अनन्या पांडे के अभिनय की तारीफ की वहीं, अब हंसल मेहता ने फिल्म कंट्रोल की प्रशंसा की है। इतना ही नहीं हंसल मेहता ने अनन्या पांडे को अद्भुत प्रतिभा कहा। हंसल ने आगे कहा, मोटवानी हमारे समय के सबसे दिलचस्प फिल्म निर्माताओं में से एक हैं।

कारोबार का भरोसा मजबूत, लेकिन विदेश के हालात ने बढ़ा दी है चिंता

नईदिल्ली, एजेंसी। वैश्विक चुनौतियों के बीच कारोबार की बेहतर संभावना के बारे में भारतीय उद्योग जगत का हौसला और मजबूत हुआ है। मौजूदा वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में सीआइआइ बिजनेस कॉन्फिडेंस इंडेक्स के दो तिमाहियों के ऊंचे स्तर पर पहुंच जाने की जानकारी देते हुए कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज ने रविवार को कहा कि सरकारी नीतियों में निरंतरता बनी रहने से उद्योग जगत का उत्साह बढ़ा है। सीआइआइ बिजनेस कॉन्फिडेंस इंडेक्स एफवाय2025 की दूसरी तिमाही में 68.2 पर पहुंच गया। पहली तिमाही में यह 67.3 पर था।

वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में यह 67.1 पर था। सितंबर में 200 से अधिक कंपनियों को शामिल करने वाले सीआइआइ बिजनेस आउटलुक सर्वे के 128वें राउंड के नतीजों की जानकारी देते हुए सीआइआइ ने कहा, 'कारोबारी संभावनाओं में हो रहे सुधार के मुताबिक लगभग आधी कंपनियों ने दूसरी तिमाही में अपने यहां हायरिंग सिचुएशन सुधरने की उम्मीद जताई।'

3 बड़ी चुनौतियां

कंपनियों ने जियोपॉलिटिकल टेंशन, ग्लोबल कमोडिटी प्राइसेज में उछाल और विदेशी बाजारों में घटती डिमांड को कारोबार के लिए 3 सबसे बड़ी समस्याओं के रूप में गिनाया। सीआइआइ ने कहा, 'ग्रोथ को और दमदार बनाने में आगामी त्योहारी सीजन से मदद मिलेगी। लेकिन वैश्विक हालात अनिश्चित बने हुए हैं और बदलती आर्थिक स्थितियों पर सावधानी से नजर रखने की जरूरत है।'

45 प्रतिशत को मुनाफा बढ़ने की उम्मीद

46 प्रतिशत कंपनियों ने सितंबर तिमाही में उनके यहां पूरी उत्पादन क्षमता का 75-100 प्रतिशत तक उपयोग होने की संभावना जताई थी, जो पिछली तिमाही से बेहतर है। 78 प्रतिशत कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025 में इंफ्लेशन 5 प्रतिशत से कम रहने की उम्मीद जताई। लगभग 34 प्रतिशत कंपनियों ने कहा कि आरबीआई मौजूदा वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही तक ब्याज दर घटाना शुरू कर देगा। 31 प्रतिशत ने कहा कि रेट कट चौथी तिमाही में शुरू होगा। 50 प्रतिशत से अधिक कंपनियों ने कहा कि उन्हें सेल्स और नए ऑर्डर्स बढ़ने की आशा है। वहीं, 45 प्रतिशत से अधिक ने मुनाफा बढ़ने का अनुमान जताया।

ग्रामीण इलाकों से उम्मीद

सर्वे में शामिल कंपनियों ने ग्रामीण इलाकों में कंजम्पशन में सुधार होने, अच्छी मॉनसूनी बारिश, रिफॉर्म्स पर लगातार फोकस और प्राइवेट इनवेस्टमेंट में सुधार होने का हवाला दिया, जिससे मौजूदा वित्त वर्ष में ग्रोथ बढ़ेगी। 59 प्रतिशत से अधिक कंपनियों ने वित्त वर्ष की पहली छमाही में पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले प्राइवेट कैपिटल एक्सपेंडिचर में सुधार होने की उम्मीद जताई। सीआइआइ ने कहा कि इससे सरकारी कैपिटल एक्सपेंडिचर को सपोर्ट मिलने की संभावना है, जिसमें चुनावों के चलते पहली तिमाही में सुस्ती के बाद हाल में तेजी आती दिखी है। हालांकि करीब 40 प्रतिशत कंपनियों ने सितंबर तिमाही में देश-विदेश में अपना निवेश फिलहाल जस का तस रखने की बात कही थी। 41 प्रतिशत कंपनियों ने देश में निवेश बढ़ाने की बात कही थी।

अडानी की नजर जर्मनी की सीमेंट कंपनी हीडलबर्ग को खरीदने पर

नईदिल्ली, एजेंसी। अडानी की नजर जर्मनी की हीडलबर्ग मैटेरियल्स पर है। जर्मनी की की भारतीय सीमेंट कंपनी के अधिग्रहण करने के लिए ग्रुप ने बातचीत शुरू कर दी है। इस मामले के एक जानाकर ने कहा कि हीडलबर्ग की भारतीय यूनिट के प्रस्तावित अधिग्रहण का नेतृत्व अडानी ग्रुप की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स करेगी और इसकी कीमत लगभग 1.2 अरब डॉलर (10,000 करोड़ रुपये) हो सकती है। द इकोनामिक टाइम्स की खबर के मुताबिक सीमेंट बनाने वाली भारत की टॉप कंपनी अल्ट्राटेक भी अपनी पोजीशन को बनाए रखने के लिए कंपनियों का अधिग्रहण कर रही है। भारत की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट निर्माता कंपनी अडानी ग्रुप ने 2022 में होलसिम के भारतीय ईकाई का अधिग्रहण करके इस क्षेत्र में प्रवेश किया था। सूत्रों ने कहा है कि अडानी भी इस सौदे को पूरा करने के लिए तेजी से आगे बढ़ना चाहता है। 30 जून, 2024 को अंबुजा सीमेंट्स के पास 18,299 करोड़ रुपये की नकदी और कैश इक्वीवैलेंट थे। हालांकि, भारतीय ग्रुप इस सौदे से बाहर निकल सकता है अगर यह अन्य दावेदारों को शामिल करते हुए एक पूर्ण बिक्री प्रक्रिया बन जाती है। जर्मन कंपनी भारत में लिस्टेड हीडलबर्ग सीमेंट इंडिया और नॉन-लिस्टेड जुआरी सीमेंट के जरिए बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती है।

सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की पहली छहमाही मे 500 करोड़ बिक्री का माइल्स्टोन हासिल किया

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड एक आइएसओ 22000 :2018 और यूएसएफडीए प्रमाणित एग्रो उत्पाद एफएमसीजी क्षेत्र में अग्रणी कंपनी, ने गर्व से बताया है कि उसने वर्तमान वित्तीय वर्ष के पहले आधे में 500 करोड़ की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। यह महत्वपूर्ण मील का पत्थर सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड की प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है, जो मुख्य रूप से निम्बार्क नामक ब्रांड के तहत बेचे जाने वाले जैविक उत्पादों की बढ़ती पहचान से संबंधित है। कंपनी को उच्च गुणवत्ता वाले जैविक उत्पादों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण लाभ वृद्धि हो रही है। एसएफएल की 130 वर्षों से अधिक की विरासत ने इसे चावल के क्षेत्र में उत्कृष्टत बना दिया है, जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार दोनों की आवश्यकताओं को पूरा करता है ।एसएफएल ब्रांडेड और अनब्रांडेड बासमती और गैर-बासमती चावल के साथ-साथ अन्य प्रीमियम एफएमसीजी और जैविक उत्पादों का निर्माण, व्यापार, प्रसंस्करण और मार्केटिंग करने में विशेषज्ञता रखता है। प्रत्येक उत्पाद सात्विक जीवनशैली के दर्शन का प्रतीक है, जो हिमालय की उपजाऊ और खनिज-समृद्ध मिट्टी में उगाए गए चावल से उत्पन्न होता है, जो जैविक खाद और चेन्नाब नदी के शुद्ध जल से पोषित होता है ।हाल के वर्षों में उपभोक्ताओं की पसंद में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया है। इस बदलते बाजार के अनुसार, एसएफएल अपनी बिक्री की रणनीति को तेजी से समायोजित कर रहा है ताकि वह इन अवसरों का अधिकतम लाभ उठा सके ।यह उत्कृष्ट उपलब्धि हमारे ग्राहकों के विश्वास का परिचायक है और हमारी दीर्घकालिक व्यापार रणनीति की पुष्टि करती है, सर्वेश्वर समूह के चेयरमैन श्री रोहित गुप्ता ने कहा। हम अपनी जैविक उत्पादों की बढ़ती पहचान के लिए आभारी हैं, जो हमारी वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उच्च गुणवत्ता वाले जैविक उत्पादों की आपूर्ति पर हमारा ध्यान न केवल जीवन को बेहतर बनाता है, बल्कि टिकाऊ प्रथाओं को भी बढ़ावा देता है। हम लगातार लगभग 25 प्रतिशत सीएजीआर वृद्धि प्राप्त करने की राह पर हैं।

जेटीएल इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने अब तक का सबसे अधिक सेल्स वॉल्यूम दर्ज किया

मुंबई, एजेंसी। जेटीएल इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड एक तेजी से बढ़ती डायनेमिक स्टील ट्यूब मैन्युफैक्चरिंग कंपनी, जो ब्लैक स्टील पाइप्स, प्री-गैल्वनाइज्ड और गैल्वनाइज्ड स्टील पाइप्स, लार्ज-डायमीटर स्टील ट्यूब्स और पाइप्स और हॉलो (खोखले) स्ट्रक्चर्स के उत्पादन में माहिर है, ने घोषणा की कि जेटीएल इंडस्ट्रीज़ और नाभा स्टील्स ने 1,03,193 मीट्रिक टन की उच्चतम बिक्री मात्रा दर्ज की। जेटीएल ने फाइनेंशियल ईयर 25 की दूसरी तिमाही में अपनी अब तक की सबसे अधिक तिमाही बिक्री मात्रा 103,193 मीट्रिक टन दर्ज की है, जिसमें नाभा स्टील्स का वॉल्यूम भी शामिल है।

हेवी स्ट्रक्चर्स की मज़बूत मांग के कारण, फाइनेंशियल ईयर 24 की दूसरी तिमाही में हासिल 81,686 मीट्रिक टन की तुलना में यह 26.32 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली छमाही में बिक्री की मात्रा अभूतपूर्व रूप से 1,99,593 मीट्रिक टन तक पहुंच गई, जो कि फाइनेंशियल ईयर 24 की पहली छमाही में 1,59,028 मीट्रिक टन से 25.49 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्शाती है। यह वृद्धि मार्केट शेयर और ऑपरेशनल कपैसिटी के विस्तार में निरंतर गति को उजागर करती है।

सस्ते में सोना खरीदने का आ रहा है मौका

कीमत ऑल-टाइम हाई पर पहुंची

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतें हाल ही में 78,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल-टाइम हाई लेवल पर पहुंच गई थी। मोतीलाल ओसवाल की एक रिपोर्ट के अनुसार आने वाले दिनों में इसमें कुछ गिरावट की संभावना है। एसेट मैनेजमेंट फर्म ने कहा कि ऐतिहासिक रुझानों को देखते हुए सोने की कीमतों में 5 से 7 प्रतिशत तक गिरावट आ अनुमान है। सोने ने साल 2000 के बाद कभी भी 32 प्रतिशत का सालाना रिटर्न नहीं दिया है। राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 150 रुपये की तेजी के साथ 78,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था। चांदी की कीमत भी 1,035 रुपये की तेजी के साथ 94,200 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले चरण की तेजी से पहले सोने की कीमत में 5-7 फीसदी तक गिरावट आएगी। रिपोर्ट में उन कारणों का जिक्र किया गया है जिनके कारण सोने का मार्केट प्रभावित हो सकता है। इसमें आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव, घरेलू ईटीएफ आयात, एसपीडीआर होल्डिंग्स और सीएफटीसी की स्थिति शामिल है। ये सभी कारण तेजी के रुझान को सपोर्ट कर रहे हैं। साल 2024 के पहले नौ महीनों में सोने की कीमतों में उछाल अमेरिकी फेडरल रिजर्व के रुख और भू-

अडानी ग्रुप ने शुरू किया है भारत में सबसे बड़ा हाइड्रोजन ब्लेंडिंग प्रोग्राम

इस बड़े प्रोग्राम के तहत पाइप्ड नैचुरल गैस में हाइड्रोजन मिलाया जाता है

इसका मकसद उत्सर्जन घटाना और नेट-जीरो लक्ष्य को हासिल करना है

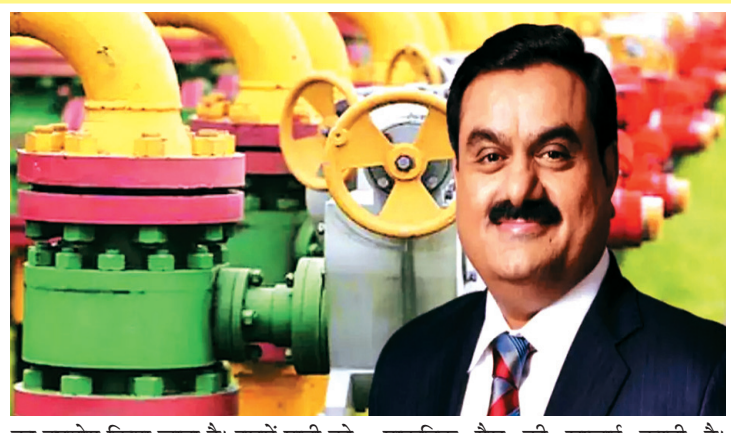

नईदिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी के नेतृत्व वाले अडानी ग्रुप ने भारत में सबसे बड़ा हाइड्रोजन ब्लेंडिंग प्रोग्राम शुरू किया है। यह प्रोग्राम नैचुरल गैस में हाइड्रोजन मिलाने का है। ग्रुप ने अहमदाबाद से इसकी शुरुआत की है। इसके तहत कंपनी ने घरों में खाना पकाने के लिए दी जाने वाली प्राकृतिक गैस में ग्रीन हाइड्रोजन मिलाना शुरू कर दिया है। इसका मकसद उत्सर्जन घटाना और नेट-जीरो लक्ष्य को हासिल करना है। अडानी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) ने अहमदाबाद के शांतिग्राम में पाइप्ड नैचुरल गैस सप्लाई में 2.2-2.3 फीसदी ग्रीन हाइड्रोजन मिलाना शुरू कर्या है। कंपनी ने लिंक्डइन पर यह जानकारी दी। एटीजीएल अडानी ग्रुप और फ्रेंच एनर्जी कंपनी टोटलएनर्जीज का जॉइंट वेंचर है।

ग्रीन हाइड्रोजन रिन्यूएबल एनर्जी से बनती है। उसे प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों में डाला जाता है। इससे कम उत्सर्जन के साथ गर्मी और बिजली पैदा होती है। कंपनी पवन या सौर ऊर्जा जैसे रिन्यूएबल एनर्जी स्रोतों का इस्तेमाल करके ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन कर रही है। इसके लिए इलेक्ट्रोलिसिस नाम की एक प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है। इसमें पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में अलग कर्या जाता है। यह हाइड्रोजन उस प्राकृतिक गैस में मिलाई जाती है जो वर्तमान में खाना पकाने के लिए घरों और उद्योगों में पाइपलाइन के जरिए सप्लाई होती है।

एटीजीएल ने कहा, हमें अहमदाबाद के अडानी शांतिग्राम में अपने हाइड्रोजन ब्लेंडिंग सिस्टम और इन-सीटू हाइड्रोजन जेनरेशन के सफल शुरुआत की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।

कंपनी के अनुसार, यह परियोजना 4,000 घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं को निर्बाध रूप से हाइड्रोजन-मिश्रित प्राकृतिक गैस प्रदान करेगी।

अभी सरकारी बिजली कंपनी एनटीपीसी गुजरात के सूरत जिले के कवास में घरों में ग्रीन हाइड्रोजन मिश्रित प्राकृतिक गैस की सप्लाई करती है। सरकारी गैस कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड भी मध्य प्रदेश के इंदौर में सीएनजी की सप्लाई के लिए एक छोटा पायलट प्रोजेक्ट चला रही है। इसमें ग्रे हाइड्रोजन मिलाया गया है। एटीजीएल का प्रोजेक्ट अब तक का सबसे बड़ा है।

कंपनी धीरे-धीरे प्राकृतिक गैस में ग्रीन हाइड्रोजन के मिश्रण को बढ़ाकर 5 फीसदी और फिर 8 फीसदी करेगी। साथ ही, शांतिग्राम से आगे अहमदाबाद के अन्य हिस्सों और फिर उन सभी क्षेत्रों में सप्लाई का विस्तार करेगी जहां उसके पास सिटी गैस लाइसेंस है।

एटीजीएल ने कहा, यह उपलब्धि हमारे कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और स्वच्छ ऊर्जा समाधानों में परिवर्तित होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी के अनुसार, हाइड्रोजन को प्राकृतिक गैस के साथ मिलाकर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम किया जा रहा है। इसके जरिये वह ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ा रही है। एटीजीएल के सीईओ सुरेश पी मंगलानी ने कहा कि कंपनी की यह पहल भारत के ऊर्जा क्षेत्र को डीकार्बोनाइज करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रीन हाइड्रोजन में जीरो कार्बन उत्सर्जन होता है। इसे भविष्य के ईंधन के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन, पाइपलाइनों और उपकरणों में जंग लगने की इसकी प्रवृत्ति इसके उपयोग को सीमित करती है। परीक्षणों से पता चला है कि पाइपलाइनों या उपकरणों पर कोई प्रभाव डाले बिना प्राकृतिक गैस में 10 फीसदी तक हाइड्रोजन मिलाया जा सकता है।

एटीजीएल वर्तमान में 2.2-2.3 फीसदी ब्लेंडिंग कर रहा है। धीरे-धीरे इसे बढ़ाकर 5 फीसदी और अंत में 8 फीसदी किया जाएगा। यह वर्तमान में नियामकों की ओर से निर्धारित सीमा है। पाइपलाइनों और उपकरणों के मटेरियल ग्रेड और दीवार की मोटाई में बदलाव के साथ 30 फीसदी तक का उच्च मिश्रण संभव है।

ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए हाइड्रोजन ग्लोबल एनर्जी चेंज में महत्वपूर्ण है। हाइड्रोजन जीवाश्म ईंधन और बायोमास, पानी या दोनों के मिश्रण से निकाला जा सकता है। हालांकि, उत्पादन की ज्यादा लागत एक चुनौती बनी हुई है।

बड़े मेडिकल खर्चों के लिए मिलेगी व्यापक कवरेज सुविधा, मददगार साबित हो सकता है को-इंश्योरेंस

नईदिल्ली, एजेंसी। लगातार बढ़ रही महंगाई और इलाज पर होने वाले भारी-भरकम खर्च को देखते हुए स्वास्थ्य बीमा लोगों के लिए अत्यंत जरूरी हो गया है। कोरोना काल के बाद इसकी महत्ता और बढ़ गई है। यह न सिर्फ मेडिकल इमरजेंसी जैसी चुनौतीपूर्ण स्थितियों में मददगार होता है बल्कि अस्पताल खर्चों से वित्तीय सुरक्षा भी देता है। अगर आप भी इलाज पर होने वाले भारी-भरकम खर्च के लिए व्यापक कवरेज और वित्तीय सुरक्षा चाहते हैं, तो को-इंश्योरेंस (सह-बीमा) मददगार साबित हो सकता है। यह स्वास्थ्य बीमा में एक ऐसी अवधारणा है, जिसमें इलाज खर्च की लागत कई बीमा कंपनियों के बीच साझा की जाती है।

सह-भुगतान से है अलग- को-इंश्योरेंस सह-भुगतान (को-पे) से अलग है। सह-भुगतान में पॉलिसीधारक को मेडिकल बिल का एक निश्चित हिस्सा (फीसदी) चुकाना पड़ता है, जबकि को-इंश्योरेंस में पॉलिसीधारक के इलाज खर्चों का भार दो या अधिक बीमा कंपनियों के बीच बांटा जाता है।

कंपनियों के बीच पहले से होता है जोखिम निर्धारण

को-इंश्योरेंस अवधारणा के तहत हर बीमा कंपनी जोखिम का एक हिस्सा उठाती है। इसका अर्थ है कि वे पॉलिसी के तहत किए गए किसी भी दावे का एक तय हिस्सा चुकाने के लिए उत्तरदायी होंगे। हर बीमा कंपनी से जोखिम की कितनी फीसदी राशि ली जाएगी, यह पहले से निर्धारित होता है। पूर्व निर्धारणव्यवस्था के तहत ही बीमा कंपनियां अपनी-अपनी हिस्सेदारी के अनुसार इलाज खर्चों का भुगतान करती हैं।

उदाहरण से ऐसे समझें

मान लीजिए, एक स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी में दो बीमा कंपनियां शामिल हैं। पहली कंपनी 60 फीसदी और दूसरी कंपनी शेष 40 फीसदी जोखिम को कवर करती है। अगर इलाज पर एक लाख रुपये का खर्च आता है, तो पहली कंपनी 60,000 रुपये और दूसरी कंपनी 40,000 रुपये का भुगतान करेगी।

राजगढ़ में एमडीपीई पाइपलाइन टूटने से गैस लीक

राजगढ़। एमडीपीई पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने की घटना साहू धर्मशाला, खुजनेर रोड, राजगढ़ के सामने हुई, जिसके कारण गैस का रिसाव हुआ। सूचना मिलने पर, थिंक गैस आपातकालीन टीम मौके पर पहुंची, क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को ढूंढा और गैस की आपूर्ति को अलग किया। ठेकेदार द्वारा किए जा रहे इस अनधिकृत उत्खनन के बारे में थिंक गैस के साथ कोई जानकारी साझा नहीं की गई। एक विद्युत पोल लगाने के लिए खुदाई करते समय एक तीसरे पक्ष के ठेकेदार द्वारा पाइपलाइन को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। अंडरले गैस पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिसके परिणामस्वरूप राजगढ़ में आठ आस-पास की आवासीय सोसायटियों और हमारे औद्योगिक और वाणिज्यिक ग्राहकों को गैस की आपूर्ति बंद हो गई। गैस पाइपलाइनों के पास बिना जानकारी के उत्खनन करने से पाइपलाइनों को नुकसान पहुंचता है, जिससे न केवल ग्राहकों को गैस की आपूर्ति बाधित होती है, बल्कि आग लगने, संपत्ति को नुकसान पहुंचने और यहां तक कि मृत्यु होने सहित भारी नुकसान होने की संभावना भी होती है। गैस पाइपलाइन को नुकसान पहुंचाने का कृत्य स्पष्ट रूप से पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोगकर्ता के अधिकार का अधिग्रहण) अधिनियम,(पीएमपी एक्ट) 1962 की धारा 15 (1) और (2) के साथ-साथ आईपीसी की सुसंगत धाराओं के तहत अपराध की श्रेणी में आता है।

हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड ने दर्ज की अब तक की सबसे उच्चतम सेल्स वॉल्यूम

वित्त वर्ष 2025 की पहली छह माही में साल दर साल वॉल्यूम 32 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई, एजेंसी। हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड भारत की प्रमुख स्टील ट्यूब्स और पाइप्स निर्माण कंपनी, ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही के लिए शानदार सेल्स वॉल्यूम परिणामों की घोषणा की है, जो 30 सितंबर, 2024 को समाप्त हुई।

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के लिए 123,027 एमटी की सेल्स वॉल्यूम दर्ज की, जो साल-दर-साल 22.50 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि का प्रतिनिधित्व करती है। वित्तीय वर्ष 2025 की पहली छमाही के लिए, सेल्स वॉल्यूम 245,182 एमटी तक पहुंच गई, जो साल दर साल 32.55 प्रतिशत की उत्कृष्ट वृद्धि को दर्शाती है। यह वृद्धि मुख्य रूप से बुनियादी ढांचा, जल परिवहन और सौर ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में बढ़ती मांग के कारण हुई है। मॉनसून के मौसम के बावजूद, हाई-टेक ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में बढ़ते सरकारी खर्च और निजी निवेश से उत्पन्न अवसरों का सफलतापूर्वक लाभ उठाया है। इस अवसर पर, हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड के चेयरमैन, श्री अजय कुमार बंसल ने कहाः हम इन महत्वपूर्ण वृद्धि आंकड़ों की रिपोर्ट करने पर गर्व महसूस कर रहे हैं, जो हमारे मजबूत बाजार स्थिति और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हमारे ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने की हमारी क्षमता को उजागर करते हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर, जल परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्रों में स्टील पाइप्स की मजबूत मांग और हमारी रणनीतिक पहलों ने हमें ये आंकड़े हासिल करने में सक्षम बनाया है। भविष्य की ओर देखते हुए, हमें आगामी त्योहारी सीजन के साथ-साथ चल रही नवीकरणीय ऊर्जा और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के दौरान मांग में और वृद्धि की उम्मीद है, जो हमें सतत सफलता की ओर अग्रसर करेगा। गुणवत्ता, स्थिरता और संचालन दक्षता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अडिग है। हम नवाचार और ग्राहक संतोष पर ध्यान केंद्रित करते रहेंगे ताकि बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बनाए रख सकें।

हाल ही में, कंपनी को इंड ए क्रेडिट रेटिंग दी गई है, जो लंबी अवधि के बैंक सुविधाओं के लिए और इंड ए1 क्रेडिट रेटिंग, अल्पकालिक बैंक सुविधाओं के लिए भारत रेटिंग्स एंड रिसर्च प्रा. लि. द्वारा प्रदान की गई है। यह रेटिंग वित्तीय वर्ष 2024 में मजबूत राजस्व और वॉल्यूम वृद्धि, स्टील ट्यूब्स और पाइप्स, गैल्वनाइज्ड और कॉरुगेटेड शीट्स, कोल्ड-रोल्ड उत्पादों और रंगीन शीट्स के विविध उत्पाद पोर्टफोलियो के कारण दी गई है।

इंग्लैंड वर्सेस पाकिस्तान टेस्टः

अब्दुल्लाह शफीक ने खत्म किया 10 पारी का सूखा, टेस्ट क्रिकेट में लगाया 5वां शतक

मुल्तान, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान के सलामी शान मसूद के बाद ओपनर अब्दुल्लाह शफीक ने शतक जड़ा। इस शतक के साथ उन्होंने 10 पारी का सूखा खत्म किया। टेस्ट क्रिकेट में यह उनका 5वां शतक है। इससे पहले उन्होंने जुलाई 2023 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ दोहरा शतक जड़ा था। श्रीलंका के खिलाफ 201 रन की पारी खेलने के बाद अब्दुल्लाह शफीक 10 में से 7 पारी में दहाई का आंकड़ा नहीं पार कर पाए थे। मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दिसंबर 2023 में उन्होंने 62 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा अगस्त 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में उन्होंने 37 रन बनाए थे। वह 10 में 3 पारियों में डक पर आउट हुए थे।

गोल्फ खेलने के लिए जेम्स एंडरसन ने छोड़ा टीम का साथ पाकिस्तान के खिलाफ अंग्रेज गेंदबाजों का हुआ बुरा हाल

मुल्तान, एजेंसी। इंग्लैंड के गेंदबाजी सलाहकार जेम्स एंडरसन के पाकिस्तान में टेस्ट सीरीज की तैयारियों को छोड़कर गोल्फ टूर्नामेंट के लिए जाने के फैसले ने लोगों को चौंका दिया है। जुलाई में रिटायरमेंट के बाद 42 वर्षीय एंडरसन को इंग्लैंड का रेड-बॉल गेंदबाजी मेंटर नियुक्त किया गया। हालांकि, मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ सोमवार (7 अक्टूबर) को होने वाले पहले टेस्ट से पहले वह इंग्लैंड की प्री-सीरीज तैयारियों का हिस्सा नहीं थे। वे प्रो-एम गोल्फ टूर्नामेंट अल्फ्रेड डनहिल लिंक्स चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए स्कॉटलैंड गए थे। इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण में विदेश में खेलने का अनुभव नहीं है।

भारत, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड को हराने का नतीजा, सनत जयसूर्या बने श्रीलंका के प्रमुख कोच

कोलंबो, एजेंसी। सनत जयसूर्या को 2026 टी-20 विश्व कप तक श्रीलंकाई पुरुष टीम का प्रमुख कोच बनाया गया है। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने अंतरिम कोच जयसूर्या की अगवाई में टीम के अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें स्थाई कोच बनाने का फैसला किया है। एसएलसी की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, 'श्रीलंका क्रिकेट की एग्जेक्यूटिव कमेटी ने टीम के बेहतरीन प्रदर्शन को आधार मानते हुए ये निर्णय लिया है। जयसूर्या के अंतरिम कोच रहते हुए टीम ने भारत, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की है। पिछले कुछ महीने में जयसूर्या की कोचिंग में श्रीलंका ने 27 साल बाद भारत के एकदिवसीय सीरीज जीती, उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ इंग्लैंड में 10 साल बाद टेस्ट में जीत हासिल की और फिर अभी भी न्यूजीलैंड को टेस्ट सीरीज में 2-0 से हराते हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को जिंदा रखा है। जयसूर्या का ये पहला कोचिंग अनुभव है। इससे पहले जयसूर्या श्रीलंकाई टीम के साथ मुख्य चयनकर्ता के तौर भी कार्यभार संभाल चुके हैं। प्रमुख कोच के तौर पर जयसूर्या का पहली परीक्षा दंबुला और पल्लेकेले में होने वाले वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सफेद गेंद सीरीज में होगा।

भारत की स्टार जिम्नास्ट
दीपा कर्माकर ने किया संन्यास का एलान

- फ्यूचर प्लान भी शेयर किया
- ओलंपिक में भाग लेने वाली पहली महिला जिमनास्ट
- भविष्य में कोच की भूमिका निभा सकती हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक में भाग लेने वाली भारत की पहली महिला जिमनास्ट दीपा करमाकर ने सोमवार को अपने फैंस को निराश कर दिया। उन्होंने आज सोशल मीडिया पर संन्यास की घोषणा की। इतना ही नहीं दीपा ने भविष्य में कोच या मेंटर की भूमिका निभाने के संकेत दिए हैं। दीपा करमाकर ने अपनी पोस्ट में लिखा, बहुत विचार करने के बाद मैंने जिम्नास्टिक से संन्यास लेने का फैसला लिया है। यह निर्णय मेरे लिए आसान नहीं था, लेकिन अब सही समय लगता है।

जिमनास्टिक मेरे जीवन का एक बड़ा हिस्सा रहा है और मैं इसके लिए आभारी हूं। उन्होंने लिखा, मुझे पांच साल की दीपा याद है, जिसे बताया ÷या था कि सपाट पैरों के कारण वह कभी जिमनास्ट नहीं बन सकती। आज मुझे अपनी उपलब्धियों को देखकर गर्व होता है। विश्व मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना, मेडल जीतना, रियो ओलंपिक में प्रोडुनोवा वॉल्ट का प्रदर्शन करना मेरे करियर का सबसे यादगार पल रहा है।

आज उस छोटी सी दीपा को देखकर मुझे बहुत खुशी होती है, क्योंकि उसमें सपने देखने का साहस था। त्रिपुरा की दीपा ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली महिला जिमनास्ट बनीं थीं। उन्होंने 2016 में रियो ओलंपिक में हिस्सा लिया था। हालांकि, वह मेडल जीतने से चूक गई थीं। वह फाइनल में चौथे स्थान पर रही थीं। दीपा ब्रॉन्ज मेडल जीतने से सिर्फ 0.15 अंक कम थीं।

इंग्लैंड वर्सेस पाकिस्तान टेस्टः

शान मसूद ने 1524 दिन बाद ठोका टेस्ट शतक

मुल्तान, एजेंसी। टेस्ट क्रिकेट में शान मसूद के शतक का इंतजार आखिरकार थम गया. इंग्लैंड के खिलाफ मुल्तान टेस्ट में शतक जड़कर उन्होंने अपने इंतजार का सिलसिला तोड़ा. टेस्ट में शान मसूद ने आखिरी बार शतक साल 2020 में लगाया था. 5 अगस्त 2020 को इंग्लैंड के खिलाफ जमाए उस शतक के बाद अब अपने इंतजार को भी उन्होंने इंग्लैंड की टीम के खिलाफ ही खत्म किया है. टेस्ट में 1524 दिन बाद जो शतक शान मसूद ने लगाया है वो इंग्लैंड के खिलाफ दूसरा और उनके टेस्ट करियर का 5वां शतक है.

10 साल बाद पाक बल्लेबाज का इतना तेज शतक

शान मसूद के इंग्लैंड के खिलाफ मुल्तान टेस्ट में जमाए शतक की सबसे खास बात ये रही कि इसकी स्क्रिप्ट उन्होंने काफी तेजी से लिखी. मुल्तान में कप्तानी पारी को खेलने के दौरान शान मसूद का स्ट्राइक रेट हमेशा बेहतर स्थिति में रहा, जिसका असर पाकिस्तान के स्कोर बोर्ड पर भी देखने मिल रहा है. टेस्ट क्रिकेट में 10 साल बाद ऐसा देखने को मिला है जब किसी पाकिस्तानी बल्लेबाज ने इतनी तेजी से शतक जड़ा है.

टी-20 में सुरेश रैना के छक्कों का यह रिकॉर्ड टूटा, सूर्यकुमार चौथे नंबर पर पहुंचे; जानिए कहां हैं रोहित-कोहली

ग्वालियर, एजेंसी। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने 3 मैचों की टी20आई सीरीज के पहले मैच में बांग्लादेश को ग्वालियर में 7 विकेट से हरा दिया और सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस मैच में बांग्लादेश ने पहले खेलते हुए 19.5 ओवर में 127 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने 11.5 ओवर में 3 विकेट पर 132 रन बनाते हुए मैच जीत लिया। इस मैच में सूर्यकुमार की कप्तानी लाजवाब रही तो वहीं उनकी बल्लेबाजी भी बेहतरीन रही। हालांकि उन्होंने छोटी पारी खेली, लेकिन इस दौरान उन्होंने ताबड़तोड़ शॉट्स लगाए और सुरेश रैना के एक बड़े रिकॉर्ड को भी तोड़ने में सफल रहे।

सुरेश रैना से आगे निकले सूर्यकुमार यादव

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ग्वालियर में 14 गेंदों पर 3 छक्के और 2 चौकों की मदद से 29 रन की पारी खेली और एक बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में अपना विकेट गंवा बैठे। इन 3 छक्कों की मदद से सूर्यकुमार यादव टी20 क्रिकेट में छक्के लगाने के मामले में सुरेश रैना से आगे निकल गए। टी20 क्रिकेट में अब सूर्यकुमार के 328 छक्के हो गए जबकि रैना ने 325 छक्के लगाए थे। सूर्या अब टी20 प्रारूप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में चौथे स्थान पर आ गए जबकि रैना पांचवें नंबर पर चले गए। वहीं रोहित शर्मा 525 छक्कों के साथ पहले तो वहीं विराट कोहली 416 छक्के लगाकर दूसरे नंबर पर हैं।

टी20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय

525 - रोहित शर्मा
416 - विराट कोहली
338 - एमएस धोनी
328 - सूर्यकुमार यादव
325 - सुरेश रैना
311 - केएल राहुल
302 - संजू सैमसन

सूर्या ने बांग्लादेश के खिलाफ 29 रन की पारी 207.14 की स्ट्राइक रेट के साथ खेली। उन्होंने भारत की तरफ से टी20आई में 200 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट के साथ 12वीं बार 25 या उससे ज्यादा रन बनाने का कमाल किया है। उनके बाद ऐसा 8 बार हार्दिक पांड्या ने किया है जबकि रोहित शर्मा और युवराज सिंह ने 7-7 बार ये कमाल किया था।

12 बार -सूर्यकुमार यादव
8 बार - हार्दिक पांड्या
7 बार - रोहित शर्मा
7 बार - युवराज सिंह
6 बार - दिनेश कार्तिक
4 बार - यशस्वी जायसवाल

हरमनप्रीत कौर की फिटनेस पर स्मृति मंधाना ने दिया अपडेट

पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 विश्व कप मैच में लगी चोट

दुबई, एजेंसी। 2024 महिला टी20 विश्व कप में पाकिस्तान पर भारत की छह विकेट की जीत के दौरान कप्तान हरमनप्रीत कौर खेल समाप्त होने से ठीक पहले अपना संतुलन खोने और गर्दन में चोट लगने के कारण 29 रन पर रिटायर्ड हर्ट हो गई जिससे कई लोग चिंतित हो गए। मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में हरमनप्रीत की जगह उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि चिकित्सा दल भारतीय कप्तान की गर्दन की चोट की जांच कर रहा है। स्मृति ने कहा, अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, चिकित्सक इसकी जांच कर रहे हैं। उम्मीद है कि वह ठीक होंगी। अरुंधति रेड्डी के करियर के सर्वश्रेष्ठ 3-19 के स्पेल की बदौलत पाकिस्तान को 105/8 पर रोकने के बाद भारत से उम्मीद थी कि वह अपने नेट रन रेट को बढ़ाने के इरादे से झटके में पीछा पूरा कर लेगा, जो न्यूजीलैंड से 58 रन की हार के कारण काफी प्रभावित हुआ। लेकिन पाकिस्तान की अनुशासित गेंदबाजी के कारण भारत पावर-प्ले में केवल 25/1 रन ही बना सका और जोखिम लेने की कभी भी तत्परता नहीं दिखाई।

स्मृति ने स्वीकार किया कि भारत जिस तरह से पीछा करने के लिए आगे बढ़ा था, उसमें सुधार हो सकता था, अब उनका नेट रन रेट -1.217 है। पाकिस्तान का रन रेट और स्थिति हार के बाद भी बेहतर है। मंधाना ने कहा, हमने इसके बारे में सोचा (नेट रन रेट बढ़ाने के बारे में), लेकिन मैं और शेफाली गेंद को टाइम नहीं कर सके। इसलिए हम ऐसी स्थिति में नहीं पहुंचना चाहते थे जहां हम गेम का पीछा कर रहे हों, लेकिन हक्क निश्चित रूप से हमारे दिमाग में है। यह गेम हमें कुछ गति देगा और उम्मीद है कि हम इस टूर्नामेंट में आगे बढ़ सकते हैं।

बैडमिंटनः

पेरिस ओलंपिक की निराशा के बाद वापसी करेंगे पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन

आर्कटिक ओपन में लेंगे हिस्सा

वंता (फिनलैंड), एजेंसी। सिंधू ने इस बीच अपने पिछले कोच इंडोनेशिया के एगस ड्वी सैंटोसो से नाता तोड़कर भारत के अनूप श्रीधर और कोरियाई दिग्गज ली स्यून इल को अपने नए कोच के रूप में नियुक्त किया। दूसरी तरफ सेन ने अपनी फिटनेस पर ध्यान दिया। उन्होंने इस दौरान अपना अधिकतर समय ऑस्ट्रिया के रेड बुल एरेना में बिताया।

पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने में नाकाम रहे भारत के स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू होने वाले आर्कटिक ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी करेंगे। सिंधू और सेन का ओलंपिक के बाद यह पहला टूर्नामेंट होगा। इन दोनों ने इस बीच अपने खेल का मूल्यांकन करने और उसमें आवश्यक सुधार करने पर ध्यान दिया। सिंधू ने इस बीच अपने पिछले कोच इंडोनेशिया के एगस ड्वी सैंटोसो से नाता तोड़कर भारत के अनूप श्रीधर और कोरियाई दिग्गज ली स्यून इल को अपने नए कोच के रूप में नियुक्त किया। दूसरी तरफ सेन ने अपनी फिटनेस पर ध्यान दिया। उन्होंने इस दौरान अपना अधिकतर समय ऑस्ट्रिया के रेड बुल एरेना में बिताया। आर्कटिक ओपन में सिंधू का पहला मुकाबला कनाडा की मिशेल ली से जबकि ओलंपिक में कांस्य पदक के मुकाबले में हारने वाले सेन का डेनमार्क के रासमस गेम्के से होगा। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता सिंधू अगर पहली बाधा पर कर लेती हैं तो अगले दौर में उनका सामना 2022 की जूनियर विश्व चैंपियन 18 वर्षीय जापानी खिलाड़ी टोमाको मियाज़ाकी से हो सकता है जिससे वह इस साल की शुरुआत में स्विस ओपन में हार गई थी।

मयंक यादव 150 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से क्यों नहीं कर पाए गेंदबाजी, आकाश चोपड़ा ने बताया कारण

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के नए स्पीड स्टार मयंक यादव ने ग्वालियर में बांग्लादेश के खिलाफ अपने इंटरनेशनल टी20 क्रिकेट करियर का आगाज किया। इस मैच में उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन उनकी एक भी गेंद 150 की स्पीड को पार नहीं कर पाई। इस मैच के बाद खुद मयंक ने भी कहा था कि वो अपनी स्पीड की बजाए अपनी लाइन व लेंथ पर ज्यादा ध्यान दे रहे थे। वहीं मयंक इस मैच में 150 की स्पीड की रफ्तार से आगे क्यों नहीं जा पाए इसके बारे में पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने बताया।

मयंक ने क्यों 150 की स्पीड से नहीं की गेंदबाजी – आकाश चोपड़ा का मानना है कि युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे नहीं बढ़ना चाहते थे क्योंकि वह चोट से उबरकर वापसी कर रहे थे। आईपीएल 2024 सीजन के दौरान अपनी तेज रफ्तार से प्रभावित करने वाले मयंक पिछले 4 महीनों से चोट के कारण बाहर थे और इस दौरान उन्होंने कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट भी नहीं खेला। दिल्ली के इस तेज गेंदबाज को इसके बाद बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए सीधे भारतीय टीम में शामिल कर लिया गया। मयंक ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत शानदार अंदाज में की और उनका पहला ओवर मेडन रहा था। इसके बाद वे एक विकेट लेने में सफल रहे और अपने 4 ओवरों में 21 रन देकर 1 विकेट लिया जिससे भारत आराम से मैच जीत गया। हालांकि हर कोई इस तेज गेंदबाज को लगातार 150 से ऊपर की गति से गेंदबाजी करते हुए देखना चाहता था, लेकिन उन्होंने खुद पर ज्यादा जोर नहीं डालने का फैसला किया था और उनकी सबसे तेज गेंद 149 के करीब रही। अपने यूट्यूब चैनल पर बोलते हुए, चोपड़ा ने कहा कि मयंक क्रिकेट में वापसी करने पर अपने शरीर पर ध्यान दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मयंक यादव ने अपना पहला ओवर मेडन फेंका ङ्क मयंक 'गतिमान' यादव। उन्होंने चार महीने से क्रिकेट नहीं खेला था। वे चोट के बाद वापस आ रहे थे अपने पहले इंटरनेशनल मैच में वो थोड़े नर्वस भी थे। हालांकि उन्होंने अच्छी शुरुआत की और सीधी लाइन में गेंदबाजी करने की कोशिश की। वह 150-160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंचने की कोशिश नहीं कर रहे थे, क्योंकि उनका ध्यान शरीर पर ज्यादा था। इसमें कोई शक नहीं है कि इस गेंदबाज के पास काफी गति है। उन्हें पूरी तरह से लय में आने में थोड़ा समय लगेगा और मुझे उम्मीद है कि टीम इंडिया उन्हें मौका देगी।

पार्थिव पटेल ने बताई एबी डिविलियर्स की क्या थी कमजोरी

नईदिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के एबी डिविलियर्स दुनिया के सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। अपने करियर के दौरान हर गेंदबाज डिविलियर्स से खौफ खाता है। वनडे क्रिकेट में सबसे तेज 31 गेंदों पर शतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड उनके नाम ही है। वह वनडे में 9 बार 75 या उससे कम गेंदों पर शतक लगा चुके हैं। आईपीएल में भी उन्होंने आरसीबी के लिए कई यागदार पारियां खेली हैं। इस बीच पार्थिव पटेल से डिविलियर्स की कमजोरी पूछी गई।

क्या है एबी डिविलियर्स की कमजोरी – आईपीएल में भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल एबी डिविलियर्स के साथ काफी खेले हैं। पार्थिव से एक इंटरव्यू में पूछा गया कि वानखेड़े स्टेडियम जैसी आसान विकट हो तो डिविलियर्स की कोई कमजोरी है। इसके जवाब में पार्थिव ने हाथ हिलाकर मना करते हुए कहा, कोई तरीका नहीं है, खाली उसके बोल सकते हैं कि फाइनल मैच या नॉकआउट मैच है। तो फिर कुछ हो सकता है।

साउथ अफ्रीका का चोक करने का इतिहास – एबी डिविलियर्स ही नहीं बल्कि साउथ अफ्रीका की पूरी टीम का इतिहास चोक करने का रहा है। नॉकआउट या फाइनल जैसे मैच में टीम लगभग फेल ही रहती है। डिविलियर्स ने दो बार आईपीएल का फाइनल खेला है। 2011 में उन्होंने 12 गेंद पर 18 रन बनाए थे तो 2016 में 6 गेंद पर सिर्फ 5 रन बना सके। दोनों मैचों में आरसीबी को हार मिली थी। अपने इंटरनेशनल करियर में डिविलियर्स एक बार भी आईसीसी इवेंट का फाइनल नहीं खेल पाए।

ss नॉकआउट मैच में गिर जाता है औसत – एबी डिविलियर्स ने अपने इंटरनेशनल करियर में 48 की औसत से रन बनाए हैं। नॉकआउट मैच की बात करें तो उन्होंने करियर में 9 नॉकआउट मैच में हिस्सा लिया है। टी20 के दो नॉकआउट मैच में 5.5 की औसत से उन्होंने 11 रन बनाए हैं। ओवरऑल 9 नॉकआउट मैच में उनका औसत 38 का है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

आरएसएस नेताओं से मिलना एडीजीपी साहब को पड़ा भारी, सरकार ने रिपोर्ट मिलते ही कर दिया तबादला

तिरुअनंतपुरम। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेताओं से मिलने पर केरल सरकार ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) एमआर अजित कुमार का तबादला कर दिया है। उनको राज्य की कानून-व्यवस्था संबंधी जिम्मेदारी से हटाकर सशस्त्र पुलिस बटालियन में तैनात किया गया है। खुफिया एडीजीपी मनोज अब्राहम को कानून-व्यवस्था का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने राज्य के पुलिस प्रमुख के नेतृत्व वाली एक विशेष टीम द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट की जांच के बाद यह निर्णय लिया। संघ नेताओं से मिलने के कारण अजित कुमार विपक्षी कांग्रेस और सत्तारूढ़ एलडीएफ के घटक दल भाकपा के निशाने पर थे। कहा जा रहा है कि अजित कुमार ने दिसंबर 2023 में त्रिशूर में संघ के शिविर के दौरान आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले से मुलाकात की थी। कुछ महीने पहले तिरुअनंतपुरम में राम माधव से मुलाकात करने की बात भी कही जा रही है। भाकपा के राज्य सचिव बिनाय विश्वम ने सरकार के फैसले का स्वागत किया है।

हिमाचल के ऊना में पद्रवियों ने वंदे भारत ट्रेन पर किया पथराव, 4 डिब्बों को नुकसान

उना, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर उपद्रवी तत्वों की ओर से पथराव किए जाने की घटना सामने आई है। यह घटना तब हुई जब ट्रेन अंब-अंदौरा स्टेशन से नई दिल्ली जा रही थी। इस हमले में वंदे भारत ट्रेन के चार डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि इस हमले में कोई भी यात्री घायल नहीं हुआ। पथराव शनिवार अपराह्न लगभग सवा एक बजे बसाल गांव के समीप हुआ।

अज्ञात लोगों ने डिब्बों की खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए। हमले के दौरान ट्रेन में बैठे यात्री खुद को बचाने के लिए सीटों के नीचे छिप गए। ट्रेन के चार डिब्बों ई-1, ई-2, सी-7 और सी-10 को नुकसान पहुंचने की जानकारी है। पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। रेलवे पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ट्रेन को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। दोषियों को पकड़ने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

हमले के तुरंत बाद लॉको पायलट ने तुरंत मामले की सूचना अंबाला डिवीजन को दी, जिसके बाद रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) और ऊना रेलवे पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस और आरपीएफ की टीमें घटनास्थल के आसपास के गांवों में जाकर लोगों से पूछताछ की। अभी तक पत्थरबाजों का सुराग नहीं मिल पाया है। रेलवे पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए घटना के पीछे की वजह जानने की कोशिश कर रही है। सुरक्षा के लिहाज से कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। गौरतलब है कि वंदे भारत ट्रेन हफ्ते में छह दिन चलती है। यह देश की सबसे तेज ट्रेनों में से एक है। घटना के बावजूद यात्री बिना किसी बाधा के अपनी यात्रा जारी रख सके। इस हमले में दो कोच के शीशे टूट गए और दो अन्य कोचों पर निशान पड़ गए। हाल ही में इटावा के पास मवेशी के टकरा जाने से अयोध्या-दिल्ली वंदे भारत ट्रेन लगभग तीन घंटे तक रुकी रही थी।

शिमला में अब होटल में गोमांस का विवाद, कश्मीर के कर्मचारियों पर आरोप, गौशाला में माफी मंगवाई

शिमला, एजेंसी। शिमला के संजौली में मस्जिद विवाद के बीच एक निजी होटल में गोमांस (बीफ) लाने का मामला सामने आया है। होटल में काम करने वाले मुस्लिम समुदाय के दो कर्मचारियों पर ये आरोप लगे हैं। होटल में कार्यरत हिन्दू कर्मचारियों को जब इस बात का पता चला तो उन्होंने इस पर आपत्ति जताई। इस बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा भी हुआ। मामला पुलिस के पास पहुंचा और पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई। हालांकि पुलिस को तफ्तीश में होटल में बीफ के इस्तेमाल का कोई प्रमाण नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि होटल में किसी भी प्रकार का कुछ संदिग्ध नहीं मिला है, लेकिन फिर भी पुलिस द्वारा होटल की रसोई का जरूरी सामान जांच के लिए एफएसएल भेजा जा रहा है, ताकि वास्तविकता का पता चल सके। इस घटनाक्रम को लेकर सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है।

किंगमेकर बनने के मूड में पीडीपी, कांग्रेस-एनसी संग जाने को तैयार

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर मतदान खत्म होने के बाद सरकार बनाने के लिए गठबंधन की कोशिशें तेज हो गई हैं। कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन को विधानसभा चुनाव में स्पष्ट बहुमत मिलेगा। मगर, भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से बाहर रखने के लिए समान विचारधारा वाले दलों और व्यक्तियों के लिए दरवाजे खुले हैं। वहीं, नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि एनसी और कांग्रेस मिलकर सरकार बनाते दिख रहे हैं। अगर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) हमसे जुड़ने के लिए तैयार है, ये बेहद अच्छी बात है। दरअसल, एग्जिट पोल सामने आने के बाद पीडीपी नेता जुहैब यूसुफ मीर ने कहा कि भाजपा को सत्ता से बाहर रखने के लिए वे एनसी और कांग्रेस के साथ गठबंधन करने को तैयार हैं।

पीडीपी लीडर के इस बयान को लेकर फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें बधाई हो। उनकी सोच अच्छी है, हम सभी एक राह पर हैं। उन्होंने कहा, नफरत को हमें खत्म करना है और जम्मू-कश्मीर को इकट्?ठा रखना है। मालूम हो कि शनिवार को आए ज्यादातर एग्जिट पोल में कहा गया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर सकती है। भाजपा को 2014 के विधानसभा चुनाव में मिली 25 सीट की तुलना में इस बार थोड़ा अधिक सीट मिलने की उम्मीद है। पीडीपी को इस बार 10 से भी कम सीट मिलने का अनुमान जताया गया है। पीडीपी को 10 साल पहले हुए चुनाव में 28 सीट मिली थीं।

5 विधायकों को मनोनित करने पर मचा हंगामा

उपराज्यपाल की ओर से 5 विधायकों के संभावित मनोनयन पर कर्रा ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र की मूल अवधारणा के विपरीत और लोगों के जनादेश को विफल करने के लिए चुनाव परिणामों में हेराफेरी के बराबर होगा। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस इसका पुरजोर विरोध करेगी और भाजपा को उसके मंसूबों में सफल नहीं होने देगी, हालांकि वह सरकार गठन के लिए दावा करने के करीब भी नहीं होगी।' शहरी स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव पर कांग्रेस की जम्मू कश्मीर इकाई के अध्यक्ष कर्रा ने कहा कि इस पर अंतिम निर्णय निर्वाचित सरकार पर छोड़ दिया जाना चाहिए। पार्टी उम्मीदवारों ने कर्रा को बताया कि पुलिस और प्रशासन भाजपा का पक्षधर है और आरोप लगाया कि प्रशासन सत्तारूढ़ पार्टी के प्रत्याशियों की ओर से चुनावी कदाचार के खिलाफ कार्रवाई करने में ज्यादातर जगहों पर विफल रहा है।

फारूक अब्दुल्ला का भाजपा से गठबंधन करने से इनकार

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला कह चुके हैं कि उनकी पार्टी सरकार बनाने के लिए भाजपा से कोई गठबंधन नहीं करेगी। अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा, 'हम बीजेपी के साथ नहीं जाएंगे। चुनाव में जो मत हमें मिले हैं वे भाजपा के खिलाफ हैं। मुस्लिमों को वे मुश्किल में डालते हैं, उनकी दुकानों, मकानों, मस्जिदों और विद्यालयों पर बुलडोजर चलाते हैं। आप समझते हैं कि हम उनके साथ जाएंगे?' उन्होंने कहा कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव के दौरान एक भी मुस्लिम को प्रतिनिधित्व नहीं दिया और यहां तक केंद्रीय मंत्रिमंडल में एक भी मुस्लिम मंत्री नहीं है। एनसी अध्यक्ष ने कहा, 'मेरा मानना है कि हमारे लोग भाजपा के लिए मतदान नहीं करेंगे। अगर वे सोचते हैं कि सरकार बना लेंगे तो वह ख्याली दुनिया में हैं।'

कांग्रेस जीती तो कौन बनेगा हरियाणा का मुख्यमंत्री, कुमारी शैलजा बोलीं- रेस में हूं लेकिन...

चंडीगढ़, एजेंसी। एग्जिट पोल के नतीजों ने हरियाणा में कांग्रेस को हरी झंडी दे दी है। कांग्रेस आलाकमान के लिए सबसे बड़ा सवाल मुख्यमंत्री पद को लेकर है कि चुनाव जीतने पर किसके सिर पर जीत का सेहरा पहनाया जाए। कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने मुख्यमंत्री पद को लेकर कहा है कि वह हरियाणा के मुख्यमंत्री के पद को लेकर किसी तरह का कोई दावा पेश नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि आखिर मुझे दावा क्यों पेश करना चाहिए? सभी को इस तरह की मानसिकता से दूर रहना चाहिए की पद के लिए लोग दावा करते हैं। एग्जिट पोल के नतीजों पर शैलजा ने कहा कि मुझे विश्वास है कि हरियाणा में कांग्रेस पार्टी 60 सीटों का आंकड़ा पार करेगी। लगभग सात एग्जिट पोल्स ने अनुमान लगाया है कि पार्टी बहुमत के साथ सत्ता में आएगी।

एनडीटीवी के साथ बात करते हुए कुमारी शैलजा ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री पद को लेकर किसी भी प्रकार का कोई दावा नहीं करने वालीं। हालांकि मैं इस रेस में हूं लेकिन इस पद का चुनाव पारंपरिक दावेदारी के माध्यम से नहीं होगा। इस पद के लिए हमारे पास वरिष्ठता का एक स्तर है, जो जमीन पर कड़ी मेहनत करते हैं और पार्टी के लिए प्रतिबद्ध हैं। ऐसे लोगों पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी पार्टी की हर राज्य ईकाइ में समूह होते हैं। इसलिए केवल हरियाणा या हमारी पार्टी के ऊपर सवाल उठाना गलत है। हम सभी ने मिलकर जमीन पर इस चुनाव में कड़ी मेहनत की है।

विधायकों की जगह आलाकमान ले मुख्यमंत्री पद का फैसला: कुमारी शैलजा ने विधायकों के द्वारा मुख्यमंत्री चुनने की प्रक्रिया को गलत बताते हुए कहा कि मैं इसके पक्ष में नहीं हूं। विधायक इसके लिए उत्तरदायी नहीं होने चाहिए। सांसद ने कहा कि अगर विधायकों के ऊपर यह फैसला छोड़ा जाता है तो इससे और अधिक गुटबाजी हो सकती है। इस गुटबाजी से बचने के लिए आलाकमान को ही यह फैसला लेना चाहिए कि जीत के बाद कौन मुख्यमंत्री बनेगा।

मुझे सभी वर्गों का समर्थन प्राप्त- कुमारी शैलजा: कांग्रेस सांसद ने हरियाणा में अपनी स्वीकार्यता को लेकर कहा है कि हरियाणा मुझे एक मौका दे सकता है। मुझे हरियाणा के सभी वर्गों का समर्थन हासिल है, मुझे दलितों का भी समर्थन हासिल है। मुझे लगता है कि हमें एक वर्ग के प्रभुत्व की तरफ नहीं जाना चाहिए, यह उस वर्ग के लिए भी सही नहीं है। वह अलग-थलग पड़ जाता है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि राष्ट्रीय पार्टी को चीजों के प्रति अपना एक राजनीतिक दृष्टिकोण रखना चाहिए, किसी पद पर लोगों को चुनते समय हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि हम जनता को क्या दिखाना चाहते हैं या हम क्या करना चाहते हैं। इसके अलावा आलाकमान के शब्द अंतिम होते हैं वह जो फैसला लेंगे वह हम सभी को मंजूर होगा। दरअसल, हरियाणा कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर दावेदारी पहले ही शुरू हो गई थी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर हुड्डा, रणदीप सुरजेवाला और कुमारी शैलजा मुख्यमंत्री पद को लेकर अपनी इच्छा पहले ही जता चुक हैं।

एग्जिट पोल के नतीजों के अनुसार हरियाणा चुनाव में कांग्रेस को अच्छी बढ़त मिलती हुई दिख रही है। भाजपा को इस चुनाव में हार का सामना करना पड़ सकता है। मंगलवार 8 अक्टूबर को होने वाली मतगणना के बाद जम्मू-कश्मीर और हरियाणा को अगले पांच साल तक कौनसी पार्टी नेतृत्व देगी इसका फैसला हो जाएगा।

इजरायल लिखी बस पर बवाल, ट्रैवल एजेंसी मालिक को बदलना पड़ा नाम

कन्नड़, एजेंसी। हिजबुल्लाह पर इजरायल के हमले और ईरान व फिलिस्तीन की टेंशन का असर भारत पर भी दिख रहा है। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में एक बस मालिक को अपनी ट्रैवल एजेंसी का नाम बदलना पड़ गया। असल में उसने अपनी बस पर ट्रैवल एजेंसी का नाम इजरायल ट्रैवल्स लिखवा रखा था। लेकिन सोशल मीडिया में हो रही आलोचना के बाद उसे यह नाम बदलना पड़ा। अब उसने इसका नाम जेरुसलम रखा है। इस ट्रैवल एजेंसी की बसें मूडबिडरी-किन्नीगोली-कती-मुल्की रूट पर चलती है। कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर इसकी फोटो शेयर की थी। इन लोगों ने पुलिस से मांग की थी कि इसके खिलाफ केस दर्ज किया जाए।

बस मालिक लेस्टर कतील ने बताया कि उसने 12 साल तक इजरायल में काम किया है। इसीलिए उसने अपनी ट्रैवेल एजेंसी का नाम इजरायल के नाम पर रखा। उन्होंने बताया कि घर वापस लौटने से पहले मैंने इजरायल में अलग-अलग जगहों पर काम किया। जब मैंने अपनी ट्रैवेल एजेंसी शुरू की तो यह नाम रखने के बारे में सोचा था। तब मुझे बिल्कुल भी आइडिया नहीं था कि लोगों को इस पर ऑब्जेक्शन हो सकता है। मैंने तो एजेंसी का नाम सिर्फ इसलिए इजरायल रखा था क्योंकि उस देश ने मुझे रोजगार दिया था। आपत्ति जताने वाले लोगों का तर्क था कि अगर कोई फिलिस्तीन के समर्थन में तस्वीर लगाता है तो पुलिस केस करती है। ऐसे में इजरायल का समर्थन करने के लिए लेस्टर के खिलाफ केस क्यों नहीं होना चाहिए?

गौरतलब है कि कर्नाटक का दक्षिण कन्नड़ जिला सांप्रदायिक तनाव वाला है। जब लोगों ने सोशल मीडिया पर बस पर लिखे नाम पर सवाल उठाया तो इसे वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के संज्ञान में लाया गया। इसके बाद बस मालिक ने इसमें बदलाव करते हुए जेरुसलम नाम रखने का फैसला किया। उन्होंने कहाकि मुझे समझ नहीं आ रहा कि लोगों को 'इजरायल ट्रैवल्स' से दिक्कत क्या है? लेस्टर ने कहाकि पुलिस को कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन मैंने नाम इसलिए बदल लिया ताकि आगे चलकर कोई मुश्किल न हो।

श्रीलंका में ईस्टर संडे आतंकी हमलों की जांच में आएगी तेजी: राष्ट्रपति अनुरा कुमार

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिस्सानायके ने 2019 के ईस्टर रविवार के हमलों की जांच तेज करने का वादा किया है, पीड़ितों के परिवारों को न्याय दिलाने का वादा किया है। 2019 में ईस्टर रविवार को हुए हमलों में 270 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 11 भारतीय भी शामिल थे। बम विस्फोट स्थानीय इस्लामी चरमपंथी समूह नेशनल तौहीद जमात द्वारा आत्मघाती हमलावरों द्वारा किए गए थे, जो ISIS से जुड़ा था।

घटना के बाद से हजारों गिरफ्तारियां हुई हैं, लेकिन अभी तक कोई मुकदमा नहीं चला है। कटुवापिटिया में सेंट सेबस्टियन चर्च के दौरे के दौरान, राष्ट्रपति दिस्सानायके ने एक त्वरित और पारदर्शी जांच के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस तरह की त्रासदियां दोबारा नहीं होनी चाहिए और एक निष्पक्ष जांच की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। श्रीलंका में कैथोलिक चर्च, जहां बौद्ध धर्म बहुसंख्यक धर्म है, ने चल रही जांचों पर असंतोष व्यक्त किया है। उन्होंने उनकी आलोचना राजनीतिक रूप से प्रेरित प्रयासों के रूप में की है जो उन प्रभावशाली लोगों को बचाने का प्रयास करते हैं जिन्होंने हमलों का आयोजन किया हो सकता है।

कैथोलिक चर्च के प्रमुख मैल्कम कार्डिनल रंजित अपनी चिंताओं को लेकर मुखर रहे हैं। 23 सितंबर को श्रीलंका के नौवें राष्ट्रपति के रूप में पद ग्रहण करने के बाद, दिस्सानायके ने हमलों की जांच फिर से खोलने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्डिनल रंजित ने पिछले महीने कहा था कि नए राष्ट्रपति ने उन्हें आश्वस्त किया था कि ईस्टर रविवार के हमलों के बारे में सच्चाई सामने आएगी। पूर्व राष्ट्रपति गोताबाया राजपक्षे और रानिल विक्रमसिंघे पर जांच को संभालने के लिए आलोचना के साथ निशाना बनाया गया है।

जयशंकर की पाकिस्तान यात्रा से खुश पाक के पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद, बोले- यह एक 'सकारात्मक कदम

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीदमहमूद कसूरी ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के इस्लामाबाद दौरे को 'सकारात्मक कदम करार देते हुए कहा कि इससे दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव कम करने में मदद मिल सकती है। भारत ने 15 और 16 अक्टूबर को इस्लामाबाद में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पाकिस्तान जाने वाले प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई जयशंकर द्वारा किये जाने की शुक्रवार को घोषणा की।

जयशंकर ने हालांकि पाकिस्तान के अपने दौरे के दौरान द्विपक्षीय वार्ता की संभावनाओं से इनकार किया। डॉन समाचार पत्र ने रविवार को कसूरी के हवाले से एक खबर में बताया, जयशंकर का दौरा बहुपक्षीय है लेकिन इससे दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव कम करने में मदद मिल सकती है। जनरल परवेज मुशर्रफ की सरकार में 2002 से 2007 तक पाकिस्तान के विदेश मंत्री रहे कसूरी ने कहा कि दोनों देशों को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा, बातचीत फिर से शुरू करने से लोगों के बीच संपर्क बहाल करने में मदद मिलेगी और सड़क, रेल तथा हवाई संपर्क बहाल करने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। समाचार पत्र की खबर के मुताबिक, कसूरी ने सुझाव दिया कि पश्चिमी एशिया में भारी तनाव के समय पाकिस्तान और भारत को तनाव कम करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता था। पश्चिमी एशिया में इजरायल, गाजा और लेबनान के लोगों को निशाना बना रहा है।

पाकिस्तान में इमरान की पार्टी के प्रदर्शन से पहले सुरक्षा बढ़ाई: उन्होंने कहा, अतीत में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के समय यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) के राजदूत ने भूमिका निभाने का दावा किया था। कसूरी ने कहा कि दोनों देश परमाणु शक्ति संपन्न हैं और उनके पास शक्तिशाली सेनाएं है, इसलिए क्षेत्र में तनाव कम करना उनके आपसी हित में है। समाचार पत्र ने पूर्व मंत्री के हवाले से कहा, इस स्थिति में दोनों देशों को जिम्मेदारी और समझदारी से काम करने की जरूरत है। यह एक महत्वपूर्ण क्षण है, जिसमें क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सोच-समझकर कदम उठाने की जरूरत है। कसूरी ने कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव को देखते हुए भारत एक निम्न स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भेज सकता था लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान-भारत संबंधों का अनुमान लगाना मुश्किल है और ये कभी भी बदल सकते हैं जैसा कि अतीत में कई मौकों पर हुआ है।

हमले की बरसी पर गरजे इजरायली पीएम, कहा-हम रुकने वाले नहीं, खाई जीत की कसम

येरूशलम, एजेंसी। हमास द्वारा इजरायल की हमले को एक साल हो गए। युद्ध अभी भी लगातार जारी है, बल्कि और तेज होता जा रहा है। हमले की बरसी पर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जीत की कसम खाई। साथ ही कहा कि उनके देश की सेना ने हमास के 7 अक्टूबर के हमले के बाद से हकीकत को पूरी तरह से बदल दिया। गाजा पट्टी और लेबनान में चल रही लड़ाई के बीच नेतन्याहू ने सेना से कहाकि इजरायल ही जीतेगा। इस बीच इजरायल अब ईरान पर भी हमला करने की फिराक में है। हिजबुल्लाह प्रमुख सैय्यद हसन नसरल्लाह और हमास चीफ इस्माइल हनियेह के मारे जाने के बाद से ईरान ने इजरायल पर 180 मिसाइलें दागी हैं।

बढ़ते संघर्ष में अमेरिका के शामिल होने का खतरा भी है। अमेरिका ने इजरायल को महत्वपूर्ण सैन्य और कूटनीतिक समर्थन प्रदान किया है। साथ ही अमेरिका के सहयोगी अरब देशों के भी इसमें कूदने का खतरा है, जिनके यहां अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं। सीरिया, इराक और यमन में ईरान के सहयोगी आतंकवादी समूह पहले ही इजरायल पर लंबी दूरी के हमलों में शामिल हो चुके हैं।

इजरायल ने बेरुत के दक्षिणी उपनगर में रविवार को हमले जारी रखे। यह हमले लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ लड़ाई का हिस्सा हैं, जहां ईरान समर्थित इस ग्रुप का ठिकाना है। इजरायली सेना के मुताबिक उसने बेरुत में हिजबुल्लाह के आतंकी निशानों हथियार रखने की जगहों पर हमले किया है। इसमें यह भी कहा गया है कि उसने हिजबुल्लाह के इंटेलीजेंस हेडक्वॉर्टर पर भी हमला किया है।

वहीं, हिजबुल्लाह की तरफ से बताया गया है कि उसने हाइफा के दक्षिण में स्थित मिलिट्री बेस को निशाना बनाया है। इजरायल का यह तीसरा सबसे बड़ा शहर है जिस पर 'फादी 1' मिसाइल से हमला किया गया है। इजरायली मीडिया के मुताबिक देश के उत्तर में हमलों में 10 लोग घायल हुए हैं। वहीं, गाजा पट्टी में इजरायल ने एक मस्जिद पर हवाई हमला किया, जिसमें 26 लोग मारे गए। इस दौरान एक स्कूल पर असर पड़ा जहां लोगों ने पनाह ले रखी थी। इस बीच, इजरायली सेना ने उत्तरी गाजा के जबालिया में नए सिरे से हवाई और जमीनी आक्रमण शुरू करने की घोषणा की। उसने कई तस्वीरें और वीडियो प्रसारित की हैं जिनमें इलाके की ओर जा रहे कई टैंक दिखाई दे रहे हैं। सेना ने कहा कि उसके सैनिकों ने जबालिया को घेर लिया है। युद्ध के दौरान, इजराइल ने वहां कई बड़े अभियान चलाए, लेकिन आतंकवादियों को फिर से संगठित होते देखा। इजरायल ने उत्तरी गाजा को खाली करने का भी ताजा आदेश जारी किया है जो युद्ध के शुरुआती हफ्तों में काफी हद तक खाली हो गया था, जब इजरायल ने उत्तरी गाजा की पूरी आबादी को दक्षिण की ओर जाने का आदेश दिया था। ऐसा अनुमान है कि कठिन परिस्थितियों और बड़े पैमाने पर विनाश के बावजूद 3,00,000 लोग वहां रह रहे हैं। सेना ने इलाके में गिराए पर्चों में कहाकि हम युद्ध के नए चरण में हैं। इन इलाकों को खतरनाक युद्ध क्षेत्र माना जाता है। फलस्तीनी निवासियों ने उत्तरी गाजा में इजरायल की ओर से भारी बमबारी किये जाने की खबर दी है। निवासियों ने हवाई हमलों के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और अपने रिश्तेदारों के लिए शोक व्यक्त किया। इमाद अलारबिद ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि जबालिया में उनके घर पर हवाई हमले में उनके माता-पिता सहित परिवार के 12 सदस्य मारे गए। उत्तरी गाजा में अल जजीरा के संवाददाता अनस अल-शरीफ ने बताया कि जबालिया में एक घर पर बमबारी में उनका एक सहकर्मी हसन हम्द मारा गया।

फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इन ताजा हमलों से गाजा में मारे गए फलस्तीनियों की संख्या अब 42,000 के करीब पहुंच गयी है। मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि इनमें से कितने आम नागरिक और आतंकवादी हैं, लेकिन मृतकों में कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। यह हमला रविवार तड़के किया गया। इससे पहले इजरायल ने शनिवार को लेबनान में बमबारी करते हुए हिजबुल्ला और हमास, दोनों के लड़ाकों को निशाना बनाया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129